THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जम्मू-कश्मीर में 65.65 वोटिंग

श्रीनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के आखिरी और तीसरे चरण की वोटिंग मंगलवार को हुई। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर शाम 7.30 बजे हुए अपडेट के अनुसार 7 जिलों की 40 विधानसभा सीटों पर 65.65 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा उधमपुर में 72.91 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम बारामूला में 55.73 प्रतिशत मतदान हुआ। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोट डाले गए। तीसरे फेज की 40 सीटों में से 24 जम्मू डिवीजन और 16 कश्मीर घाटी की हैं। आखिरी फेज में 415 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 387 पुरुष और 28 महिला उम्मीदवार हैं। इस बीच, पीडीपी के प्रवक्ता मोहित भान आरोप लगाया है कि कुपवाड़ा के हटमुल्ला पोलिंग स्टेशन पर धीमें वोटिंग कराई जा रही है।

वर्ष-29 अंक : 191 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **आश्विन अमावस्या 2081 बुधवार, 2 अक्टूबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

'कांग्रेस ने हर विषय को उलझाए रखा'

हरियाणा में पीएम मोदी का कांग्रेस पर निशाना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हरियाणा के पलवल में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति झूठे वादों तक सीमित है, जबकि भाजपा की राजनीति कड़ी मेहनत और परिणाम पर केंद्रित है। 5 अक्टूबर को हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पलवल में अपनी आखिरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में लगातार तीसरी बार सत्ता में आने जा रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा को भारी बहुमत से जिताने का निश्चय कर लिया है। हरियाणा में तो चुनाव अभियान चल रहा है। लेकिन आज जम्मू-कश्मीर में अंतिम चरण का मतदान हो रहा है। वहां बहुत भारी संख्या में लोग लोकतंत्र के पर्व में हिस्सा ले रहे हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के सभी मतदाताओं से कहूंगा कि वे अपना वोट जरूर डालें। मैंने एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय तक हरियाणा की जमीनी राजनीति को देखा है। बीते दिनों हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्र में मुझे चुनाव अभियान के लिए, जनता-जनार्दन के दर्शन के लिए जाने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा, आज इस चुनाव की ये मेरी अंतिम सभा है। कांग्रेस ने देश के लिए जरूरी हर विषय को उलझाए रखा। कांग्रेस ने अयोध्या में राम मंदिर नहीं बनने दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में संविधान पूरी तरह से लागू नहीं होने दिया। उसने हमारी बहनों को संसद और विधानसभा में आरक्षण से वंचित रखा। उसने हमारी मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की समस्या में उलझाए रखा। कांग्रेस ने देश की, देशवासियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया बल्कि अपने परिवार को स्थापित करने में पूरी शक्ति लगा दी।

पलवल में जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, गांव-गांव में भाजपा की लहर है। हर जगह एक ही आवाज सुनाई दे रही है- 'भरोसा दिल से, भाजपा फिर से'। कांग्रेस की राजनीति झूठे वादों तक सीमित है, जबकि भाजपा की राजनीति कड़ी मेहनत और परिणाम पर केंद्रित है। हम कड़ी मेहनत पर ध्यान देते हैं, हम परिणाम पर ध्यान देते हैं और कांग्रेस कभी कड़ी मेहनत नहीं करती। कांग्रेस सोचती है कि 10 साल हो गए और हरियाणा की जनता उन्हें थाली में परोस कर सत्ता सौंप देगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस को मध्य प्रदेश में भी यही गलतफहमी थी और उसने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया, लेकिन मतदान के दिन जनता ने उन्हें दिन में तारे दिखा दिए, आईना दिखा दिया। हरियाणा के पड़ोस में राजस्थान है, वहां भी कांग्रेस ने किसानों और युवाओं को भाजपा के खिलाफ भड़काने की बड़ी कोशिश की थी, लेकिन क्या हुआ, कांग्रेस धराशायी हो गई। हरियाणा में भी यही होने जा रहा है- 'धड़ाम' (कांग्रेस पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएगी)।

पीएम से मिले जमैका के पीएम होलनेस

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस चार दिन की यात्रा पर भारत आए हुए हैं। ऐसे में मंगलवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने होलनेस से मुलाकात की। बता दें, जमैका पीएम की यात्रा का उद्देश्य व्यापार और निवेश सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है।

यह नई दिल्ली की उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जमैका की विकास यात्रा में भारत एक विश्वसनीय भागीदार रहा है। वह कैरेबियाई राष्ट्र के साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जैव ईंधन, नवाचार और स्वास्थ्य सहित कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता साझा करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने और होलनेस ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की और इस बात पर सहमति जताई कि सभी तनावों और विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। दोनों पक्ष वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका इस बात पर एकमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है।

कोई आरोपी या दोषी है, इस वजह से संपत्ति में तोड़फोड़ नहीं हो सकती

> बुलडोजर एक्शन पर रोक बरकरार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। संपत्तियों को गिराने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम यह स्पष्ट करने जा रहे हैं कि सिर्फ इसलिए कि कोई आरोपी या दोषी है, उसकी संपत्ति को गिराने का आधार नहीं बनाया जा सकता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों, सरकारी जमीन पर किसी भी अनधिकृत निर्माण को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की, जिनमें आरोप लगाया गया है कि कई राज्यों में अपराधियों, आरोपियों और अन्य की संपत्तियों को गिराया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह संपत्तियों को ध्वस्त करने के मुद्दे पर सभी नागरिकों के लिए दिशा-निर्देश तय करेगा, किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं। पीठ ने कहा कि हम जो भी तय कर रहे हैं, हम इसे पूरे देश में सभी नागरिकों, सभी संस्थानों के लिए तय कर रहे हैं, किसी विशेष समुदाय के लिए नहीं। हम एक धर्मनिरपेक्ष देश हैं। किसी धर्म विशेष के लिए अलग कानून नहीं हो सकता।

'मेरी व्यक्तिगत विश्वसनीयता दांव पर है'

सुनवाई के दौरान फिर नाराज हुए मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को वकीलों द्वारा एक नई प्रथा शुरू करने की तीखी निंदा की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि इससे उनकी 'व्यक्तिगत विश्वसनीयता' दांव पर लग जाती है।

गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को भी मुख्य न्यायाधीश ने एक वकील को कड़ी फटकार लगाई थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि अलग-अलग वकीलों द्वारा बार-बार एक ही मामले का उल्लेख करने की इस प्रथा को रोकें। ये प्रथा लगातार बढ़ रही है। मुख्य न्यायाधीश के तौर पर मेरे पास जो भी थोड़ा-बहुत विवेक है, उसका इस्तेमाल कभी भी आपके पक्ष में नहीं किया जाएगा, क्योंकि इस अदालत को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। इससे मेरी व्यक्तिगत विश्वसनीयता दांव पर लग जाती है। मुझे सभी के लिए तय नियमों का पालन करना होता है।

केंद्र ने भेजे 1.17 लाख करोड़, कहां खर्च हुए?

राज्यपाल बोस ने सीएम ममता बनर्जी से मांगा हिसाब

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार की ओर से मिले बजट को खर्च करने का हिसाब मांगा है। उन्होंने पत्र में कहा है उनकी सरकार रिपोर्ट दाखिल करे कि केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2023-24 में मिले 1.17 लाख करोड़ रुपये कहां खर्च किए गए? इसका उपयोग किन योजनाओं में किया गया?

राजभवन के एक अधिकारी के मुताबिक राज्यपाल बोस को जानकारी मिली है कि राज्य सरकार ने सांवधानिक दायित्व का उल्लंघन करते हुए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की कई रिपोर्टें विधानसभा में पेश नहीं की हैं। पत्र में लिखा गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार को वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1.17 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि आवंटित की गई थी। इस निधि का दुरूपयोग किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। पत्र में राज्यपाल बोस ने कुछ मुद्दों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य में 2018-19 में राजकोषीय घाटा लगभग 33,500 करोड़ रुपये था। जो 2022-23 में बढ़कर लगभग 49,000 करोड़ रुपये हो गया। जबकि जीएसडीपी-ऋण अनुपात 35.69 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत से अधिक हो गया।

बोस ने यह भी कहा कि सार्वजनिक ऋण प्राप्तियों के एक महत्वपूर्ण हिस्से का राज्य सरकार ने 2021-22 से 2022-23 तक ऋण भुगतान के लिए उपयोग किया। पत्र में लिखा गया कि पश्चिम बंगाल सरकार को भी वित्त आयोग से भारी लाभ हुआ है। 2023-24 में पश्चिम बंगाल के कुल राजस्व 2.13 लाख करोड़ रुपये में से अकेले केंद्रीय हस्तांतरण 1.17 लाख करोड़ रुपये था, जो राज्य के कुल राजस्व का लगभग 55 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने सीएजी की छह ऑडिट रिपोर्ट अभी तक विधानसभा में पेश नहीं की हैं। बोस ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 151 में प्रावधान का भी उल्लेख किया है। इसके तहत राज्य के खातों से संबंधित सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपी जाएगी, जो उन्हें विधानसभा के समक्ष रखवाएगा।

पश्चिम बंगाल में जूनियर डॉक्टर फिर हड़ताल पर

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आंदोलनरत जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार को एक बार फिर हड़ताल कर दी है। राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए पूरी तरह काम बंद कर दिया है। डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा दी जाए।

डॉक्टर स्वास्थ्य सचिव को उनके पद से हटाने जैसी कई मांगों को लेकर बुधवार को कॉलेज स्कायर से धर्मतला तक एक मार्च भी निकालेंगे। इससे पहले जूनियर डॉक्टर 10 अगस्त से लेकर 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन करते रहे। 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर वापस आए थे।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों की सुरक्षा में कोताही पर ममता सरकार की खिंचाई की और आदेश दिया कि सभी अस्पतालों में 15 दिन में सीसीटीवी लगाए जाएं। 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर से रेप मर्डर के विरोध में हड़ताल कर रहे थे।

तिरुपति लड्डू विवाद : एसआईटी जांच रोकी गई

आंध्र पुलिस बोली-सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक जांच आगे बढ़ाएंगे

तिरुपति, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच रोक दी गई है।

राज्य के डीजीपी द्वारका तिरुमाला राव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी, इसलिए तब तक एसआईटी जांच नहीं की जाएगी। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, ये तय किया जाएगा कि एसआईटी जांच को आगे बढ़ाना है या नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिन में एसआईटी ने लड्डुओं की खरीद और सैंपलिंग प्रक्रिया की जांच की और यह समझने की कोशिश की कि लड्डुओं में मिलावट कैसे की जा सकती है। राव ने बताया कि एसआईटी पहले इस प्रक्रिया को समझना और इससे जुड़ी सारी जानकारी इकट्ठा करना चाहती थी, लेकिन इस बीच सुप्रीम कोर्ट का आदेश आ गया। इससे पहले एसआईटी ने 30 सितंबर को कई जगहों पर छानबीन की थी। एसआईटी के अधिकारियों ने तिरुमाला में फ्लोर मिल का निरीक्षण किया। यहीं पर घी को स्टोर किया जाता है। इसी घी का इस्तेमाल लड्डू प्रसादम में होता है। एसआईटी चीफ सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी और उनकी टीम ने तिरुमाला में घी के टैंकरों और तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) लैब की भी जांच-पड़ताल की। तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने के लिए अब नंदिनी घी को इस्तेमाल किया जा रहा है। नंदिनी, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन का लोकप्रिय ब्रांड है।

सरकार ने नई शराब नीति अधिसूचित की, राज्य को 5,500 करोड़ रुपये के राजस्व की उम्मीद

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की चंद्रबाबू नायुडू सरकार ने नई शराब नीति के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इस नई शराब नीति के तहत निजी खुदरा विक्रेताओं को अनुमति दी जानी है। इसके जरिए सरकार को 55,00 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सोमवार को नई शराब नीति की अधिसूचना जारी की। इसके तहत हरियाणा और अन्य राज्यों की तर्ज पर निजी खुदरा विक्रेताओं को भी शराब बेचने की अनुमति दे दी गई है। इससे राज्य को 5,500 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर आबकारी नीति में पूर्ण परिवर्तन करते हुए, आंध्र प्रदेश ने शराब की खुदरा बिक्री का निजीकरण करने का निर्णय लिया है। इसके लिए राज्य भर में 3,736 खुदरा दुकानें अधिसूचित की गई हैं। राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार नई नीति 12 अक्टूबर 2024 से प्रभावी होगी।

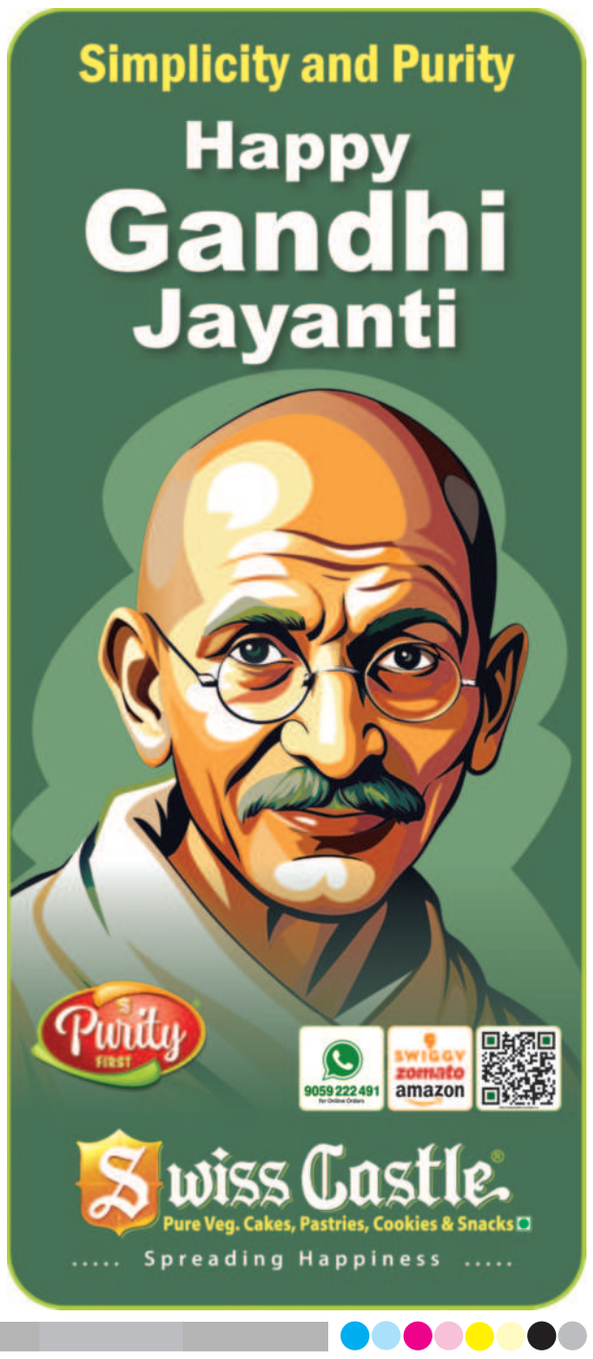

'एलजी में हिम्मत है तो रोक कर दिखाएं, दिमाग दुरुस्त कर देंगे'

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को नवरात्रि के दौरान दिल्ली पुलिस की तरफ से जारी निषेधाज्ञा को 'तुगलकी फरमान' करार दिया। पार्टी ने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। इतना ही नहीं सौरभ भारद्वाज ने इस आदेश को लेकर दिल्ली के एलजी के खिलाफ कड़े शब्दों का प्रयोग किया। आप सरकार के मंत्री ने कहा कि नवरात्रे शुरू होने वाले हैं। रामलीला में लाखों लोग इकट्ठे होंगे। उन्होंने कहा कि यदि है एलजी में हिम्मत तो रोक कर दिखाएं, हम उनका दिमाग दुरुस्त कर देंगे।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली में कर्फ्यू लगा देना, ये कह देना कि आने वाले 6 दिनों में पांच से अधिक लोग इकट्ठे नहीं हो सकते। आखिर ये क्या बकवास है। दिल्ली में 3 तारीख से नवरात्र शुरू हो जाएंगे, रामलीला शुरू हो जाएगी। रामलीला में लाखों लोग इकट्ठे होंगे। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कानून एवं व्यवस्था का हवाला देते हुए अगले छह दिनों के लिए शहर के मध्य और सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी विरोध प्रदर्शन या पांच और उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने के खिलाफ निषेधाज्ञा जारी की थी। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 144) के तहत जारी किया गया था। भारद्वाज ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना पर निशाना साधा और उनके इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि वह दिल्ली की कानून-व्यवस्था को संभालने में सक्षम नहीं हैं।

वाराणसी में साईं प्रतिमा पर विवाद

ब्राह्मण सभा ने काशी के 14 मंदिरों से हटाई मूर्ति

वाराणसी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी में साईं बाबा को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। केंद्रीय ब्राह्मण सभा के विरोध के बाद काशी के मंदिरों से साईं बाबा की प्रतिमाएं हटाई जा रही हैं। अब तक काशी के 14 मंदिरों से साईं की मूर्ति हटा ली गई है।

वहीं कुछ लोग ब्राह्मण सभा के इस फैसले का विरोध भी कर रहे हैं। इस विरोध के चलते काशी के मंदिरों से प्रतिमा हटाए जाने पर हड़कंप भी मचा हुआ है। दरअसल साईं बाबा की पूजा को प्रेत पूजा मानकर इसको सनातन विरोधी बताया जा रहा है। इसीलिए वाराणसी में ब्राह्मण सभा के लोग मूर्तियां हटा रहे हैं।

मैसूर लोकायुक्त ने मुडा जमीन घोटाले की जांच शुरू की

> सिद्धारमैया की पत्नी 14 प्लॉट लौटाएंगी

> कर्नाटक मुख्यमंत्री बोले-पत्नी के फैसले से हैरान

बेंगलुरू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) जमीन घोटाला मामले में मैसूर लोकायुक्त ने मंगलवार, 1 अक्टूबर से जांच शुरू कर दी। लोकायुक्त ने 27 सितंबर को राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

ईडी ने 30 सितंबर को सभी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। आरोप है कि मुडा ने मैसूर शहर के प्रमुख स्थान पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी को अवैध रूप से 14 साइटें आवंटित की थीं। दूसरी तरफ, सिद्धारमैया की पत्नी बीएन पार्वती ने मुडा को 14 विवादित प्लॉट वापस लौटाने का फैसला किया है। पार्वती ने मुडा कमिश्नर को लेटर लिखा, 'मुझे कसाबा होबली के केसारे गांव में मेरे 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन के बदले मैसूर में विजयनगर के तीसरे और चौथे फेज में 14 वैकल्पिक प्लॉट आवंटित किए गए थे। मैं सेल डीड कैंसिल करके 14 साइटों को वापस करना चाहती हूं।'

मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से 30 सितंबर की देर रात पार्वती का मुडा कमिश्नर को लिखा लेटर शेयर किया गया। सिद्धारमैया ने एक्स पर पोस्ट में कहा, मेरे खिलाफ चल रहे राजनीतिक षडयंत्र से परेशान मेरी पत्नी ने मुडा को प्लॉट वापस करने का फैसला लिया है, जिससे मैं भी हैरान हूं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी ने मुडा कमिश्नर को लेटर में लिखा, कुछ लोग पूछ सकते हैं कि इस समय ऐसा फैसला क्यों लिया? मैंने यह फैसला उसी दिन लिया था जिस दिन आरोप लगे थे। चूंकि मुडा प्लॉट आवंटन के संबंध में आरोप राजनीति से प्रेरित थे, इसलिए कुछ शुभचिंतकों ने सलाह दी कि हमें इस अन्याय के खिलाफ लड़ना चाहिए और उनकी योजनाओं का शिकार नहीं बनना चाहिए।

इसलिए मैं शुरू में प्लॉट वापस करने से पीछे हट गई। मैं सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और मीडिया के सदस्यों से अपील करती हूं। कृपया राजनीतिक परिवारों की महिलाओं को विवाद में न घसीटें।

केरल के राज्यपाल की शॉल में लगी आग

बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बचे आरिफ मोहम्मद खान

कोच्चि, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान आज एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। पलक्कड़ में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दीप जलाते समय राज्य के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के शॉल में आग लग गई, हालांकि इसे तुरंत बुझा दिया गया। गनीमत रही कि समय रहते उनके शॉल में लगी आग को बगल में खड़े एक शख्स ने देख लिया।

शबरी आश्रम के कार्यक्रम में आए थे राज्यपाल

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल जैसे ही शबरी आश्रम की शताब्दी के समापन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए झुके तो उनके शॉल में आग लग गई। पास में खड़े शख्स ने आग को देखते ही शॉल को गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान के कंधे से खींच लिया। इसके बाद आग को हाथों से बुझाने की कोशिश करने लगे। सूत्रों ने बताया, ''मौके पर ही आग को तुरंत बुझा दिया गया । इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।''इस घटना के बाद राज्यपाल आरिफ खान ने कहा कि मैं ठीक हूं। राज्यपाल इस घटना के बाद कार्यक्रम छोड़कर नहीं गए। वे पूरे कार्यक्रम में शामिल हुए और इसके समापन के बाद गए।

कैसे हुई घटना?

दुर्घटना उस समय हुई, जब गवर्नर खान महात्मा गांधी की तस्वीर पर फूल चढ़ाने के बाद तस्वीर के बगल में दीप प्रज्जवलित करने के लिए मुड़े। उनके शॉल में अनजाने में आग लग गई लेकिन उनके बगल में खड़े आयोजकों ने तुरंत आग की लपटों को देखा और उन्हें बुझाने में कामयाब रहे।

चलती बस का ब्रेक फेल होने से 4 लोगों की मौत

गुरदासपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर में बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई है। सड़क पर दौड़ती बास का अचानक ब्रेक फेल हो गया, जिसके चलते बस स्टॉपेज में जा घुसी। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है और वहीं 15 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। प्राइवेट बस बटाला से मोहाली जा रही थी। बस में 40 से ज्यादा लोग सवार थे। इस बीच गांव शाहबाद के बस स्टॉपेज के पास बस के ब्रेक फेल हो गए। इसके कारण बस जाकर स्टॉपेज में घुस गई और स्टॉपेज का लेंटर बस के ऊपर गिर गया।

सैलजा- हुड्डा पर स्मृति ईरानी ने कसा तंज: पता नहीं हाथ मिले हैं या दिल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नारायणगढ़ में मंच पर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और कुमारी सैलजा का हाथ मिलाकर कांग्रेस को एकजुट होने का संदेश दिया है। वहीं इस पर बीजेपी ने भी तंज कसने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी कांग्रेस नेताओं के हाथ मिलाने पर कहा "पता नहीं हाथ मिले हैं या दिल मिले हैं और वो मिलाप क्या है जो मजबूरी में हो। अगर कांग्रेस को दलितों को इतनी चिंता है तो कुमारी सैलजा को सीएम कैंडिडेट घोषित करें और हाथ मिलाने से दिल मिल गए हैं तो भूपेंद्र हुड्डा भी इसका समर्थन कर ही देंगे"। आगे उन्होंने कहा "अगर कांग्रेस दलित हितैषी है तो फिर कुमारी सैलजा को सीएम फेस क्यों नहीं बनाती। सिर्फ बीजेपी ही है जो दलितों और किसानों की सच्ची हितेषी है, और उनके बारे में सोचती है।

बीजेपी, एकनाथ शिंदे और अजित पवार से रामदास अठावले की बड़ी मांग

'40-50 सीटें नहीं मांग रहे, हमें'

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर महायुति में सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है। इस बीच केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के अध्यक्ष रामदास अठावले ने सीटों की मांग कर महायुति की टेंशन बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, अजित पवार और एकनाथ शिंदे को आरपीआई को सीट देने पर विचार करना चाहिए। अठावले विधानसभा चुनाव में 8 से 9 सीटें मांग रहे हैं। ''मैंने भूपेंद्र यादव (महाराष्ट्र बीजेपी के प्रभारी) को सूचना दे दी है। मुझे लगता है कि इसपर अगर विचार हो जाता है तो वोट ट्रांसफर करने में दिक्कत नहीं होगी। हमारा समाज, संवेदनशील समाज है। रिपब्लिकन पार्टी (आरपीआई) का वोट बैंक है।''

ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी- रामदास अठावले

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने कहा, ''हम 40-50 सीटें नहीं मांग रहे हैं, अगर हर रीजन में एक दो-एक दो सीटें मिलती है तो वहां आरपीआई को अपनी ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी। महायुति के हर उम्मीदवार को चुनकर लाने में आसानी होगी।''उन्होंने कहा, ''बीजेपी, अजित पवार और एकनाथ शिंदे को इसपर विचार करना चाहिए। अगर तीनों हमें 3-3 सीटें देते हैं तो हमारी 9 सीटें होंगी।''बता दें कि आरपीआई का महाराष्ट्र में एक भी विधायक नहीं है। वहीं अठावले खुद राज्यसभा सांसद हैं। महाराष्ट्र में नवंबर महीने में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। यहां महायुति का मुकाबला कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन (एमवीए) से है।

भगवंत मान सरकार का फैसला पंजाब में 3 अक्टूबर को स्कूलों और दफ्तरों की छुट्टी

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने अक्टूबर की शुरुआत में लगातार 2 दिन छुट्टियों का फैसला किया है। राज्य के सभी स्कूल तथा दफ्तर 2 और 3 अक्टूबर को बंद रहेंगे। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती हैं। महात्मा गांधी की 155वीं जयंती के अवसर पर पंजाब समेत पूरे देश में स्कूल-कॉलेज और सरकारी दफ्तर बंद रखे जाएंगे। इस दिन पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश रहता है।

3 अक्टूबर को महाराज अग्रसेन की जयंती है। मान सरकार ने इस दिन भी अवकाश की घोषणा की है। इस दिन भी राज्य के सभी स्कूलों में छुट्टी रहेगी। साथ ही सभी सरकारी और प्राइवेट दफ्तर भी बंद रहेंगे। 3 अक्टूबर को राज्य में ड्राईडे भी घोषित किया गया है। इस वजह से दोनों ही दिन राज्य में शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी। इस महीने दशहरा, दुर्गा पूजा और दीपावली जैसे कई बड़े त्योहार हैं। इसकी वजह से इस महीने में लंबे अवकाश मिलेंगे। 17 अक्टूबर को वाल्मीकि जयंति की भी छुट्टी घोषित की गई है। 12 अक्टूबर को दशहरा और 31 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी।

'जब हमारी सरकार आएगी हम इनको नचवाएंगे'

राहुल गांधी ने अडानी-अंबानी का नाम लेकर बीजेपी को घेरा

बहादुरगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों का प्रचार करने पहुंचे राहुल गांधी ने मंगलवार को बीजेपी और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। बहादुरगढ़ में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी अडानी और अंबानी की मदद करते हैं। रोजगार के सिस्टम को नष्ट करते हैं संविधान को खत्म करते हैं। बीजेपी संविधान खत्म करती है और संविधान की कांग्रेस रक्षा करती है। संविधान में लिखा है सभी नागरिक एक समान हैं।

राहुल गांधी ने बीजेपी और पीएम मोदी पर साधा निशाना

केंद्र और राज्य सरकार की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर इकॉनॉमिक पालिसी बनाओ तो गरीबों के लिए होना चाहिए। बीजेपी बिजनेसमैन का कर्ज माफ करती है। किसानों के लिए तीन काले कानून लाते हैं।

मोदी का चेहरा 24 घंटे अडानी-अंबानी के टीवी पर दिखता है। क्या आपनो कभी किसानों की सदस्याएं इन चैनलों पर देखी। यह संविधान पर हमला होता है। जब आरएसएस के लोग देश के संस्थानों में अपने लोगों को भरते हैं और गरीबों, वंचितों को जगह नहीं देते- वो संविधान पर आक्रमण करते हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि अभी आपने अंबानी के बेटे की शादी देखी। अंबानी ने बेटे की शादी में हजारों करोड़ खर्च किए ये किसका पैसा है। ये आपका पैसा है। आप बैंक से लोन लेकर बच्चों की शादी करते हैं। ये मैं बदलना चाहता हूं। आपके जेब से 24 घंटा पैसा छानी जा रहा है। जितनी जीएसटी मुकेश अंबानी देते हैं। उतना ही किसान भी देता है , अगर वही समान खरीदे। जब मिठाई खरीदते हो तो उतनी ही जीएसटी अंबानी अडानी देते हैं। जितना पैसा मोदी अडानी अंबानी को दे रहे हैं। उतना ही पैसा हम गरीब किसानों, माताओं , बहनो को देंगे। जब हमारी सरकार आएगी हम इनको नचवाएंगे। वो दिन आएगा जब हिंदुस्तान की सरकार गरीबों की होगी। जितना पैसा अरबपतियों का माफ किया है। उतनी ही पैसा किसानों-गरीबो का किया जाएगा।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को समन

नासिक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले की एक अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को समन जारी किया है। वीर सावरकर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में समन जारी किया है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नासिक, दीपाली परिमल केडुस्कर ने 27 सितंबर को राहुल गांधी को इस संबंध में एक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि एक देशभक्त व्यक्ति के खिलाफ दिया गया बयान प्रथम दृष्टया अपमानजनक प्रतीत होता है। राहुल गांधी को मामले की अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से या अपने कानूनी प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होना होगा, जिस पर अभी निर्णय होना बाकी है। शिकायतकर्ता एक गैर सरकारी संगठन के निदेशक हैं। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि उन्होंने हिंगोली में राहुल गांधी द्वारा संबोधित एक संवाददाता सम्मेलन और नवंबर 2022 में कांग्रेस नेता द्वारा दिए गए भाषण को सुना और देखा है।

रेत का अवैध उत्खनन कर परिवहन करते दो ट्रैक्टरों को पुलिस ने किया जब्त

शहडोल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में रेत माफिया बेलगाम हो गए हैं। दिनदहाड़े रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इस मामले की जानकारी जब पुलिस अधीक्षक को मिली, तो उन्होंने जिले के सभी थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए। इसके बाद जैतपुर और सीधी थाना क्षेत्रों से दो ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं, जिनमें अवैध रेत लोड थी। शहडोल के अंतिम छोर, छत्तीसगढ़ सीमा से सटे सीधी थाना के ग्राम चरहेट के पास बुस्तार नाला में अवैध रूप से रेत का उत्खनन किया जा रहा था।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां नवीन चतुर्वेदी नामक युवक ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 18 एए-9182 की ट्राली में बुस्तार नाला की रेत लोड करवा रहा था। रेत लोड करने वाले मौके से फरार हो गए।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: VSKP-ELG-TL-AC-24-25-4, दिनांक: 27.09.2024

कार्य का नाम: एलएचबी टाइप एसी कोच में हीटर कॉन्टेक्टर के साथ एमपीसीबी एवं इंटरलॉकिंग आईटी की आपूर्ति, संस्थापन/संशोधन एवं कमीशनिंग।

निविदा मूल्य: ₹8,34,880/-, निविदा सुरक्षा: ₹16,700/-

पूर्णता अवधि: 120 (एक सौ बीस) दिन

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 21.10.2024 को 1330 बजे

निविदा खुलने की तिथि एवं समय: 21.10.2024 को 1600 बजे

निविदा दस्तावेज पूर्ण विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदादाताओं को जारी किए गए शुद्धिपत्र के बारे में जानने के लिए वेबसाइट देखनी चाहिए।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी) वाल्टियर

PR-567/P/24-25

कॉलेज छात्र की चाकू से गोदकर हत्या

सुप्रिया सुले बोलीं- 'यहां ऐसी स्थिति है जहां कोई भी तलवार, कोयता, पिस्तौल लेकर आता है और दिनदहाड़े हत्या कर देता है।'

पुणे, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में पुणे जिले के बारामती में तुलजाराम चतुरचंद कॉलेज के एक 17 वर्षीय नाबालिग छात्र की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान बारहवीं कक्षा के छात्र ओमकार पोल के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा अब भी फरार है। इस घटना के बाद से शहर के लोगों में गुस्सा है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद छात्र को खून से लथपथ हालत में इलाज के लिए बारामती के सिल्वर जुबली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तुरंत कॉलेज परिसर को सील कर दिया। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी और मृतक साइंस और कॉमर्स डिपार्टमेंट के छात्र हैं। पुलिस ने बताया सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी ओमकार पोल को चाकू मारते हुए और दूसरा उस पर कुल्हाड़ी से हमला करते हुए दिख रहा है। अधिकारी ने कहा हमले के बाद दोनों आरोपी भाग गए थे। बता दें मृतक छात्र पढ़ाई के लिए बारामती शहर आया था। अपर पुलिस अधीक्षक गणेश बिरादर ने बताया कि पुलिस की जांच में पता चला कि एक महीने पहले मोटरसाइकिल टकराने के बाद हुए विवाद को लेकर यह घटना हुई है।

बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने एक्स पर लिखा, बारामती के एक कॉलेज में दिनदहाड़े एक युवक की हत्या की घटना बेहद चौंकाने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रदेश में कानून व्यवस्था का ग्राफ दिन-ब-दिन गिरता जा रहा है और अपराधियों में कोई खौफ नहीं रह गया है। यह ऐसी स्थिति है जहां कोई भी तलवार, कोयता, पिस्तौल लेकर आता है और दिनदहाड़े हत्या कर देता है। यह सच है कि गृह मंत्री की नाकामी के कारण महाराष्ट्र में शुरू हुआ यह गुंडाराज राज्य को कई साल पीछे ले गया।

मंदिर में देवी पूजा के दौरान युवक का ससुराल पक्ष के लोगों से विवाद, घर जाकर लगा ली फांसी

शहडोल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहडोल जिले के केशवाही क्षेत्र के मरखी माता मंदिर में देवी पूजा के दौरान युवक का ससुराल वालों से विवाद हो गया, जिसके बाद युवक ने घर पहुंचकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले की जानकारी लगते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जिले के केशवाही चौकी अंतर्गत कुम्हारी निवासी युवक रवि चौधरी, पिता सुखलाल (23) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया गया कि रवि चौधरी और उसके ससुराल पक्ष के बीच मंदिर में देवी पूजा के दौरान विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार, केशवाही के मरखी माता मंदिर में देवी पूजा हो रही थी। युवक के ससुराल पक्ष के लोगों ने यह देवी पूजा का आयोजन मंदिर में किया था, जिसमें युवक रवि चौधरी भी शामिल हुआ था। इस दौरान, ससुराल पक्ष से किसी बात को लेकर युवक का विवाद हो गया, जिसके बाद नाराज होकर युवक अपने घर कुम्हारी पहुंचा और घर के कमरे में बंद होकर फांसी लगा ली। मंदिर से नाराज होकर युवक अपनी पत्नी के साथ घर आया था। घर में पत्नी से विवाद करने के बाद वह अपने कमरे में चला गया और दरवाजा बंद कर उसने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

जब काफी देर तक युवक कमरे से बाहर नहीं निकला, तो पत्नी और परिवार के अन्य लोगों ने दरवाजा खुलवाने की कोशिश की। लेकिन दरवाजा अंदर से नहीं खुला, तो परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़ा। अंदर युवक फांसी के फंदे में लटका हुआ था।

सीएम एकनाथ शिंदे ने गोली लगने के बाद गोविंदा को किया फोन

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिवसेना नेता और एक्टर गोविंदा को मंगलवार को दुर्घटनावश गोली लग गई थी, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस घटना पर सीएम एकनाथ शिंदे ने गोविंदा को फोन कर उनका हालचाल लिया। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से इस पर बयान जारी किया गया है। सीएमओ के बयान के मुताबिक,''महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने फोन पर एक्टर गोविंदा से बातचीत की और उनका हालचाल लिया। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सीएम अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया है कि वे गोविंदा को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएं और वह जल्द स्वस्थ हो सकें, ऐसा सुनिश्चित करें।''

इस घटना के बाद गोविंदा की सर्जरी की गई। वह फिलहाल अस्पताल के आईसीयू वार्ड में हैं। गोविंदा ने वॉइस नोट के जरिए अपनी सेहत को लेकर जानकारी दी है। गोविंदा ने भेजे संदेश में कहा, ''माता-पिता और गुरु की कृपा से गोली निकाल दी गई। यहां के डॉक्टर्स का आभार जताता हूं।

श्री आईमाताय नमः श्री गणेशाय नमः श्री खेलताजी नमः

सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट (अलमासगुडा)

के तत्वावधान में

नवरात्रि महोत्सव एवं रंगारंग डांडिया

कल गुरुवार 3 अक्टुबर 2024 से शनिवार 12 अक्टुबर 2024 तक

: शुभस्थल : श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) करमनघाट (अलमासगुडा), हैदराबाद

: कार्यक्रम : प्रतिदिन

पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रात: 7.15 बजे से 11.15 बजे तक

डांडिया नृत्य कार्यक्रम सायं 8.30 बजे से 11 बजे तक

पूर्णाहुति शुक्रवार 11 अक्टुबर प्रात: 7.15 बजे से 11 बजे तक

शुक्रवार 11 अक्टुबर सायं 5.15 बजे से 8 बजे तक डांडिया कार्यक्रम

सायं 6.15 बजे से 10 बजे तक भोजन-प्रसादी

रात्रि 9.15 बजे से एक शाम श्री आईमाता के नाम जागरण

:भजन गायकार: दिनेशनाथ योगी एंड पार्टी, धनला

हवन मे बैठने के लिए अपना नाम एरिया मेम्बरों के पास दे सकते है

: निवेदन : समाज बन्धुओं व भक्तों से विनम्र निवेदन है कि सपरिवार समय पर पधारकर दर्शन व कार्यक्रम का लाभ लेवे

विशेष: उपरोक्त सभी कार्यक्रमों मे केवल सीरवी समाज बन्धु ही भाग ले सकते है

निवेदक:समस्त कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज ट्रस्ट करमनघाट (अलमासगुडा)

: अध्यक्ष : प्रकाश आगलेचा 9177167753 : सचिव : पुखराज चोयल 9948282401

P.Solankey

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन

एवं अग्रवाल समाज, तेलंगाना

के तत्वावधान में

5148वीं महाराजा श्री अग्रसेन जयन्ती

गुरुवार 3 अक्तूबर 2024, प्रात: 10:30 बजे

स्थान : महाराजा अग्रसेन चौक, रोड नं. 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

इस पावन अवसर पर सभी वैश्य बंधु अधिक से अधिक संख्या में पधारकर आयोजन को भव्य रूप प्रदान करें।

Special Guests

Sri G. Sukhender Reddy — Hon'ble Chairman for Legislative Council, Govt. of Telangana

Sri Ponnam Prabhakar — Minister for Transport & BC Welfare, Govt. of Telangana

Smt. D. Anasuya Seethakka — Minister for Panchayat Raj & Rural Development, Govt. of Telangana

Presided by : Dr. GIREESH KUMAR SANGHI — National President : AIVF

Guests of Honour

Smt. Gadwal Vijaylaxmi — Mayor of Hyderabad

Dr. K. Laxman — MP Rajya Sabha, BJP OBC Morcha National President

Sri Harakara Venugopal Rao — Advisor to Government (Protocol) Govt. of Telangana

Sri Danam Nagender — MLA-Khairatabad

Narender Goyal — Chairman : Reception Committee

Badri Vishal Bansal — Convener

Gopal Mor — Gen. Secretary

Munnalal Agarwal — President, Agarwal Samaj, Agrasen Marg Shakha

Subhash Agarwal — Secretary

Sunil Patodia, Narender Khaitan, Suresh Jagnani, Suresh Agarwal, Mahesh Agarwal, Janardhan Sureka, Ajay Agarwal, Sanjay Pasari

सु वि चा र

आजादी का कोई अर्थ नहीं है यदि इसमें गलतियां करने की आजादी शामिल न हों।
-महात्मा गांधी

मंत्री ने गांधी जी और शास्त्री जी को याद किया

हैदराबाद, 1 अक्टूर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि महात्मा गांधी के ये शब्द प्रेरणादायक हैं कि आप इस दुनिया में जो बदलाव देखना चाहते हैं, उसकी शुरूआत खुद से होनी चाहिए।

महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) को याद करते हुए, मंत्री ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका और देश के प्रति उनकी सेवाओं को याद किया। मंत्री सुरेखा ने कहा कि महात्मा गांधी महान नायक थे जिन्होंने महान युद्ध छेड़ा और सत्य और अहिंसा के हथियारों के साथ सत्याग्रह के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम को जीत के तट पर पहुंचाया। प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइंस्टीन ने कहा था कि महात्मा गांधी की छाप इस दुनिया पर इतनी है कि अगर गांधी जैसा कोई हाड़-मांस का इंसान धरती पर चले तो आने वाली पीढ़ियां भी यकीन कर लेंगी। उन्होंने कहा कि भारत गांधी है और गांधी भारत है और उनकी प्रसिद्धि पूरी दुनिया में फैली है। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी लाल बहादुर शास्त्री की जयंती (2 अक्टूबर) के अवसर पर, मंत्री सुरेखा ने देश के लिए उनकी सेवाओं और उनकी राजनेता कौशल को याद किया जिसने देश की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री जैसे महान व्यक्तित्व वाले कुछ नेताओं के प्रयासों के कारण आज हमारा देश कई बाधाओं को पार कर चुका है और तेजी से प्रगति कर रहा है।

इंदिरा पार्क में भाजपा का किसान उपवास

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को शहर के इंदिरा पार्क में भाजपा का किसान उपवास जारी रहा। बीजेएलपी नेता महेश्वर रेड्डी और सांसद ईताला राजेंद्र ने 24 घंटे की भूख हड़ताल की। भाजपा सांसदों और विधायकों ने उनके उपवास का समर्थन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने समान नीतियों को लागू करने के लिए पूर्व सीएम केसीआर और रेवंत रेड्डी सरकारों की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के सत्ता में लौटने के बाद, किसानों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अरविंद ने कहा कि उपवास कांग्रेस सरकार को किसानों की शिकायतों की याद दिलाने के लिए था। उन्होंने कहा, हम इस अनशन को हर जिले में ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ही किसानों की आय दोगुनी की है। उन्होंने कहा कि हाइड्रा के व्यवहार को लेकर हाईकोर्ट ने सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के घर तोड़े जा रहे हैं।

उन्हें गुस्सा है कि हाइड्रा के नाम पर वे ब्लैकमेल कर रहे हैं और अपनी जेबें भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा के अनशन से डरी हुई है। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अनशन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी उम्र हो रही है। उन्होंने कहा, केसीआर ने क्षेत्रीय फसलों की उपेक्षा की है। अब रेवंत भी यही कर रहे हैं। हाइड्रा पर हाईकोर्ट ने सख्ती की है। कांग्रेस मुसलमानों के घरों को नहीं छुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के निशाने पर सभी हिंदू हैं और कहा कि दूसरों को धमकाना और ब्लैकमेल करना सीएम रेवंत का स्वभाव है। इस अवसर पर मलकाजगिरी के सांसद इटेला ने कहा कि जो व्यक्ति नहीं सुनता, वह पागल हो जाता है। उन्होंने कहा, लोगों और किसानों के पास कांग्रेस को वापस पटरी पर लाने की ताकत होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे सार्वजनिक क्षेत्र में व्यवधान पैदा होगा। उन्होंने मांग की कि सरकार द्वारा दिए गए 2 लाख रुपये किसानों के खातों में जमा किए जाएं। लोग पिछली सरकार की तरह इस सरकार को भी कुचल देंगे। हम दो-तीन दिन में रिंग रोड पर धरना देंगे। दरअसल, हाई कोर्ट ने हाइड्रा पर नकेल कसी है। उन्होंने हाइड्रा पर नहीं, बल्कि सीधे सीएम रेवंत रेड्डी पर नकेल कसी है। उन्होंने कहा कि मैं कोर्ट की टिप्पणी के बाद रेवंत रेड्डी के इस्तीफे की मांग करता हूं। लोग आपकी सरकार को मुंहतोड़ जवाब देंगे।

केटीआर ने मूसी विधवंस को लेकर सीएम पर साधा निशाना

प्रभावित परिवारों से किया एकता का आग्रह

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना के प्रभावित परिवारों से एकजुट होकर लड़ने और अपने घरों को ध्वस्त करने की चल रही कार्रवाई का विरोध करने का आह्वान किया। उन्होंने विस्थापितों को उनके घरों की सुरक्षा के लिए बीआरएस की ओर से आवश्यक भौतिक और कानूनी सहायता प्रदान करने की कसम खाई।

मंगलवार को अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र के गोलनाका में अंबेडकर नगर, अन्नपूर्णा नगर, न्यू तुलसीराम नगर और आसपास के इलाकों के प्रभावित परिवारों को संबोधित करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि अपने घरों के सामने झाड़ू और ठेला लेकर तैयार रहें। अगर आप एकजुट रहेंगे तो हम आपके साथ खड़े रहेंगे और कानूनी लड़ाई लड़ेंगे, भले ही इसके लिए 10 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ें।

इस अवसर पर बोलते हुए रामा राव ने दशहरा और बथुकम्मा के त्यौहारों के दौरान गरीबों को निशाना बनाने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की और उन पर कांग्रेस को वोट न देने के कारण गरीबों के प्रति द्वेष रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग डर में जी रहे हैं, उन्हें इस बात की चिंता है कि कब उनके घर तोड़ दिए जाएंगे। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर गरीबों के बीच संकट पैदा करने का आरोप लगाया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने व्हाट्सएप ग्रुप बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि वे जुड़े रहें और अपने घरों को ध्वस्त करने की कोशिश कर रहे अधिकारियों से भिड़ने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि अगर एक घर पर बुलडोजर आता है, तो सभी को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने उन्हें धोखा देने की कोशिश करने वाले मध्यस्थों के झांसे में न आने की भी चेतावनी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपने घरों के सामने झाड़ू और ठेले लेकर तैयार रहें। अगर आप एकजुट रहेंगे, तो हम आपके साथ लड़ेंगे, भले ही इसकी कीमत करोड़ों में क्यों न हो?

तुम्माला ने किसानों के मुद्दों पर भाजपा के विरोध को बेशर्मी भरा कृत्य बताया

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने हैदराबाद में किसानों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन करने के लिए तेलंगाना भाजपा नेताओं की आलोचना की और उनके विरोध को बेशर्मी भरा कृत्य बताया। यहां सचिवालय में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, नागेश्वर राव ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि अगर वे वास्तव में किसानों की दुर्दशा के बारे में चिंतित हैं तो वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करें। मंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने और स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों को लागू करने के भाजपा के वादे के भाग्य पर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि भाजपा अपने घोषणापत्र में सूचीबद्ध 23 वादों को पूरा करने में विफल रही है, और तेलंगाना के लिए पर्याप्त धनराशि हासिल करने में असमर्थ रही है। तेलंगाना राज्य को 2,700 करोड़ रुपये मिलने थे, लेकिन केंद्र ने केवल 1,300 करोड़ रुपये जारी किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का प्राथमिक लक्ष्य किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्त करना है, मंत्री ने वित्तीय चुनौतियों के बावजूद राज्य सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला, इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने कृषि ऋण माफी योजना को सफलतापूर्वक लागू किया है।

आज़ बुधवार 2-10-2024
पितृ मोक्ष अमावस्या
के अवसर पर गौशाला अवश्य पधारें
नारायणी गो सेवा सदन
रोड नं. 17, शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, हैदराबाद
सम्पर्क सूत्र : 9581348889, 9246522435, 9490929321
आज पितृ मोक्ष अमावस्याहै अपने पितरो के मोक्ष के लिए गौशाला अवश्य पधारें।
गो ग्रास का अनुदान कर पुण्य के भागीदार बने। अनुदान भेजने हेतु गौशाला एकाउंट विवरण Bank account detail:
NARAYANI GOW SEVA SADAN,
A/C No. 50200065063209,
for RTGS/ NEFT IFSC CODE HDFC 0001996,
TYPE OF ACCOUNT: CURRENT ACCOUNT, HYDERGUDA BRANCH, HYD. Gpay and Phonepe No. 9581348889
JAI GOMATA Address: Narayani gow seva sadan, street No 17, shalivahana nagar, dilsukh nagar Hyd.
गौ माता के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनो।
सभी गौभक्त सपरिवार पधारकर, दान-पुण्यकर गौसेवा का लाभ लेवें।
निवेदक : नारायणी गो सेवा सदन
शालीवाहन नगर, मूसारामबाग, मलकपेट, हैदराबाद
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

जय श्री राम
: श्री गणेशाय नमः : (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज बुधवार दिनांक 02-10-2024
पितृपक्ष अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44,मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
भजन प्रस्तुति : मेडचल महिला मंडल ,गंडीमैस्समा महिला मंडल, सुचित्रा महिला मंडल द्वारा
गौशाला प्रांगण में पधार कर दान पुण्य कर दर्शन,पूजा,सेवा का लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल :8712311785 , सिरवि वी ताराराम पंवार :9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNo : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES
PRAJAPATI

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज बुधवार 2 अक्तूबर 2024 प्रातः 11 बजे से
पितृपक्ष अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
भजन गायक : श्री किस्तूर रामजी सुथार
श्री रामचन्द्रजी सुपुत्र : श्री मोहनरामजी सुथार, श्री दिलीपजी सुपुत्र : श्री नारायणजी सुथार, सुचित्रा
श्री शिवदानजी / श्री जयकिशनजी बिश्नोई
विष्णु इंटरप्राइज़ेस, जीडिमेट्ला
श्री सुखदेवजी पटेल (LIC) सिकंदराबाद
विकास स्पेयर्स एंड टूल्स रानीगंज
बालाजी पॉवर टूल्स अलवाल
दूरभाष : 9866405649, 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch
With best compliment from : Prop. RAMLAL
Cell : 9951967533, 6300701490
TIRUPATI GLASS HOUSE
Specialist in: AIUMINIUM & GLASS WORK
Shop No. 2-7-27/B, Sikh Village, Diamond Point Road, Sec'bad-500 003, T.S.

।। जय गौ माता ।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग़, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
कामधेनु गौ मंदिर
समर्थ नारायण महाराज
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
श्री प्रभुदत्तजी महाराज
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

आज बुधवार 2 अक्टूबर 2024
पितृ अमावस्या है।
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास, गगन पहाड़
पहुँचकर अपने करकमलों से हजारों गौवंश को चारा अर्पण कर अपने पूर्वज प्रियजनों के प्रति हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित कीजिये।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास
SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Estd. 2001 Regd. 664/2010
#7-4-117/3/1/1, Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052, Telangana
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260 , 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Scan & Pay
Bankers : BANK OF BARODA, Nallakunta Branch, Hyd. A/c. : 75450200001071 IFSC CODE : BARB0VJNAKU
To Avail 80G Kindly Donate - AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST
Canara Bank - Basheerbagh Branch, Hyd. A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878
NAVKAR AGENCIES

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रीक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
आश्विन अमावस्या
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है।
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीधार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm,GOOGLE PAY, Phone pe:-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा

जय गौमाता की श्री महावीराय नमः
चलिए प्रशांत वातावरण में पल रहे 260 गौवंश को रोटी और हराचारा खिलाकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।
Sri Jain Goshala
अहिंसा परमोधर्म, जीव दया उत्तम कार्य
आज पितृ अमावस्या बुधवार, 2-10-2024 "गौ सेवा" कर पुण्य के भागी बनें
प्रति अमावस्या को प्रसादी की व्यवस्था रहेगी
निवेदक : श्री जैन गौशाला
6-150, यादगिरीपल्ली रोड, किसरा विलेज, मेड़चल ज़िला (तेलंगाना)
सहयोग एवं जानकारी हेतु सम्पर्क करें : अनिल गांधी, दीपक प्रजापत : 9010128515, 9030660045
BANK DETAILS
BANK : Agrasen Co - operative Urban Bank Limited.
Name : Dileep Kumar Gandhi Jain Goshala Trust
BRANCH : Ranigunj, Secunderabad A/c. No .: 004400300000009 IFSC : YESB0ACUB04
ऑनलाईन गौ ग्रास सेवा के लिए गुगल पे/फोन पे करें : 9010128515 G Pay PhonePe
शुभकामनाओं सहित : नवकार ज्वेलर्स, जनरल बाजार, सिकन्दराबाद
MEENAKSHI

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाड़ी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतबीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण
MEENAKSHI

निवेदक : कार्य समिति
जय गौमाता
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
आज बुधवार, 2-10-2024 को पितृ अमावस्या है
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on G Pay Google Pay/ PhonePe Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है | Home Delivery Available
गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नें 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

पटना हाई कोर्ट के जस्टिस आरपी मिश्रा की सैलरी क्यों रोकी गई?

सुप्रीम कोर्ट को देना पड़ा बिहार सरकार को आदेश

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को आदेश दिया है कि वह पटना उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश, जस्टिस आरपी मिश्रा का वेतन तुरंत जारी करे। हाई कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा कि किसी भी न्यायाधीश से बिना वेतन के काम करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ये आदेश दिया है। पीठ पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लंबित

वेतन जारी करने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों के लिए पेंशन निर्धारण के मुद्दे से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत को अवगत कराया गया कि न्यायमूर्ति रुद्र प्रकाश मिश्रा को नवंबर 2023 में उच्च न्यायिक सेवाओं से उच्च न्यायालय में पदोन्नति के बाद से अभी तक सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) आवंटित नहीं किया गया है, हालांकि उन्होंने इससे संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। जज को उनकी पदोन्नति की तारीख से अब तक अपना वेतन नहीं मिला था।

तुरंत बकाया राशि जारी करने का आदेश

इसे गंभीरता से लेते हुए सीजेआई ने पटना उच्च न्यायालय के दृष्टिकोण पर सवाल उठाया। सीजेआई ने कहा कि जस्टिस आरपी मिश्रा का वेतन अब तक क्यों जारी नहीं किया गया। वे उन्हें वेतन देने से इनकार क्यों कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि जस्टिस मिश्रा जब जिला न्यायपालिका में सेवारत थे तब वे नई पेंशन योजना के तहत थे, लेकिन उच्च न्यायालय में पदोन्नत होने पर वह अन्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के समान सेवा शर्तों द्वारा शासित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह न्यायमूर्ति मिश्रा का वेतन बकाया राशि सहित जारी करे।

एससी ने पहले भी दिया था ऐसा आदेश

मार्च 2023 में शीर्ष अदालत ने ऐसे ही एक मामले में पटना उच्च न्यायालय के सात न्यायाधीशों के वेतन को जारी करने का निर्देश दिया था, जो उनके जीपीएफ खाते बंद होने के बाद रोक दिया गया था। सात न्यायाधीशों के सामान्य भविष्य निधि खाते बंद करने का दावा करने वाली याचिका पर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने सुनवाई की। जिन याचिकाकर्ताओं के जीपीएफ खाते पर रोक लगाई गई है, उनमें पटना हाईकोर्ट के सात जज शामिल हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति शैलेन्द्र सिंह, अरुण कुमार झा, जीतेन्द्र कुमार, आलोक कुमार, सुनील दत्त मिश्रा, चन्द्र प्रकाश सिंह और चन्द्र शेखर झा शामिल हैं। राज्य न्यायिक सेवा से उच्च न्यायालय में पदोन्नत होने से पहले वे राष्ट्रीय पेंशन योजना के अंतर्गत आते थे।

'देश को डरा रहा मुस्लिम समाज'

गिरिराज सिंह के विस्फोटक बयान ने बढ़ाया सियासी पारा

बेगूसराय, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेगूसराय के सांसद सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर मुस्लिम समाज को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि लेबनान में मरा कौन, मारा कौन और आप यहां मातम मना रहे हैं। कश्मीर में जो शहीद हुए उसके लिए तो आप मातम मनाते नहीं हैं। योगी आदित्यनाथ ने तो ठीक ही कहा है कि जान न पहचान और वो हो गए भाईजान। मुस्लिम समाज देश को डराने का काम कर रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है देश का कि ऐसे लोगों को भी पूजा जाता है। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री बेगूसराय में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

राहुल गांधी पर बरसे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

इस सवाल पर कि राहुल गांधी का एक बयान है कि नरेंद्र मोदी गरीबों की जेब से तूफान की तरह पैसा निकाल कर सुनामी की तरह अडानी की तिजोरी में डाल रहे हैं। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा, या तो राहुल गांधी दिमागी दिवालियापन हो चुके हैं या उनको अंबानी-अडानी का फोबिया हो गया है। जिस राहुल गांधी के परिवार ने 50 साल तक भारत को लूटा, दादी जी से 2 जी तक एक से एक कांड होता रहा, जो भारत के बाहर जाकर भारत को गाली देते हैं, उनका क्या हक है? ठीक ही तो कहा योगी जी ने कि इनकी संस्कृति में नाच-गान है इसलिए भारत में प्रभु श्री राम को भी गाली देते हैं। ये खुद नचनिया-गगनिया हैं। इनकी संस्कृति क्या है।

वहीं दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि सनातन परिवार और भारतवंशी गाय को गौ माता के रूप में पूजते हैं। साल में जैसे दीपावली मनाते हैं, दुर्गा पूजा मनाते हैं, गौ पूजन भी हमारे धर्म का एक अंग है। ये तो दुर्भाग्य है इस भारत में कि गाय काटने वाले भी वोट बैंक हैं। महाराष्ट्र की सरकार ने गौ माता के रूप में दर्जा दिया है इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। पूरे देश की सरकार इसका सम्मान करे। बता दें कि हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत के खिलाफ जम्मू कश्मीर समेत भारत में कई हिस्सों में पर विरोध प्रदर्शन किया गया है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बीच इसका सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती समेत कई पार्टियों के नेताओं ने हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत पर दुख जताया है। अब गिरिराज सिंह ने निशाना साधा है। उनके बयान से सियासी पारा बढ़ गया है।

लखनऊ मे विजिलेंस की बड़ी कार्रवाई, आय से अधिक संपत्ति के मामलों में पांच अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस की टीम ने यूपी जल निगम की इकाई सी एंड डी एस (कंस्ट्रक्शन एंड डिज़ाइन सर्विसेज) के अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी की है। विजिलेंस की टीम ने इंदिरानगर, गोमती नगर और विकास नगर में छापेमारी की। विजिलेंस की टीम पांच अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ पहुंची। इस मुद्दे पर अब तक 11 मामले दर्ज किए जा चुके हैं। विजिलेंस की टीम ने सहायक अभियंता व प्रोजेक्ट मैनेजर राघवेन्द्र कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता (मु0) सत्यवीर सिंह चौहान, अधीक्षण अभियंता अजय रस्तोगी, परियोजना प्रबंधक व सहायक अभियंता कमल कुमार खरबन्दा और सहायक अभियंता व प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण कुमार पटेल के ठिकानों पर छापे मारे।

ललितपुर में टला बड़ा ट्रेन हादसा

केरला एक्सप्रेस टूटी पटरी से गुजरी झांसी स्टेशन पर यात्रियों का हंगामा

ललितपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ललितपुर में बड़ा ट्रेन हादसा टल गया है। ललितपुर-दैलवाड़ा के बीच शाम चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान केरल एक्सप्रेस टूटी पटरी से गुजर गई। लोको पायलट ने आनन-फानन में इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोक दिया। इससे यात्रियों में खलबली मच गई। वे ट्रेन से उतर गए। कोच से उतरे यात्री टूटी पटरी पर ट्रेन को खड़ी देखकर घबरा गए।

उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया गया। वहीं, झांसी स्टेशन पर भी पहुंचे यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। रेलवे कर्मियों की ओर से घटना की जांच की गई है। केरल एक्सप्रेस के खड़ी रहने के बाद रेलवे की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी है। रेल कर्मियों ने ट्रैक की मरम्मत की। कुछ देर बाद यात्रियों को समझा बूझकर ट्रेन को झांसी की तरफ रवाना कराया गया। यात्रियों ने रेलवे पर आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा ने इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी।

रेलवे की ओर से घटना को लेकर जांच कराए जाने की बात कही गई है। साथ ही, किसी प्रकार के एक्सिडेंट जैसी स्थिति न उत्पन्न होने का दावा भी किय गया है। डीआरएम दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि झांसी मंडल के ललितपुर-दैलवाड़ा स्टेशन के बीच काम चल रहा है। ट्रैक पर कुछ गड़बड़ी देखकर रेल कर्मियों ने ट्रैक पर बैनर फ्लैग लगा दिया था। केरला एक्सप्रेस के लोको पायलट ने बैनर प्लेट देखकर ट्रेन को रोक दिया था। डीआरएम ने दावा किया कि ऐसा कोई मामला नहीं आया है, जिससे कोई भी दुर्घटना होती। रेलवे की ओर से घटना की जांच शुरू करा दी गई है।

बेटी ने किया थाने में कॉल- पापा ने मम्मी को मार डाला, जलती चिता से पुलिस ने शव उठाया

मैनपुरी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से ऐसा ही एक मामला सामने आया है। जब एक नाबालिग बच्ची ने पुलिस को खुद ही फोन करके अपनी मां के हत्या के बारे में बताया। सभी हैरान रह गए, जब उसने मां के हत्या का आरोप पिता और उसके साथियों पर लगाया। दरअसल, बरनाहल के बरहिया गांव के पास रहने वाली एक महिला की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसके मायके के लोग आए और ससुरालवालों से उसकी मौत के बारे में पूछा। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से महिला के अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली गई। महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पर लेकर गए, जहां चिता जला दी गई, लेकिन बेटी को एहसास था कि उसकी मां के साथ जो भी हुआ है उसकी सूचना पुलिस को देनी चाहिए। मृतक महिला की बेटी दीक्षा ने पुलिस को फोन के जरिए मां के हत्या की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जलती चिता से मृतका पिंकी के शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

डिब्बों और बोरे में भरकर ले जा रहे थे मांस, गोहत्या के आरोप में 23 के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

प्रयागराज, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के एयरपोर्ट थाने में गोकशी के आरोप में तीन नामजद और 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता वंशिका गुप्ता की तहरीर पर एयरपोर्ट थाने में शमशाद, आरिफ, नूर अली के बेटे और 20 अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहित की धारा 131 और गौ हत्या निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने तहरीर में कहा कि सुबह पांच बजे गोकशी की सूचना मिलने पर बजरंग सेना गोरक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कृष्ण श्रीवास्तव और महामंत्री रितिक यादव भीटी गांव के पीछे नदी के पास पहुंचे।

वंशिका का आरोप है कि कृष्ण श्रीवास्तव और रितिक यादव ने भीटी गांव के पीछे नदी के पास पहुंचकर देखा कि 15-20 लोग गोवंशों का वध कर उन्हें डिब्बों और बोरे में भरकर बेचने ले जा रहे हैं। आरोपियों की नजर जैसे ही कृष्ण और रितिक

पर पड़ी तो वे उन्हें जान से मारने के लिए दौड़े तथा दोनों किसी तरह जान बचाकर भागे। कृष्ण श्रीवास्तव की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष (दक्षिण) अशोक सिंह चौहान विहिप कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। तब तक एयरपोर्ट थाने का दल भी घटनास्थल पर पहुंच गया। प्राथमिकी के अनुसार, मौके पर गोवंश का मांस, खाल और खून मिला जिसकी वीडियोग्राफी की गई है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा गोमांस और खाल के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। एयरपोर्ट थाने के प्रभारी अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि कई जगह दबिश दी गई, लेकिन आरोपी फरार हैं।

देसी कट्टा लेकर 9वीं के छात्र ने स्कूल में मारी एंट्री, इतना शातिर कि पुलिस को भी दे दिया चकमा

गया, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के गया में नौवीं क्लास के एक छात्र ने ऐसा कारनामा किया कि पुलिस वाले भी हैरान रह गए। छात्र देसी कट्टा लेकर स्कूल पहुंचा था। इस बारे में जब स्कूल वालों को पता लगा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्र को स्कूल आकर पकड़ भी लिया। लेकिन जैसे ही वो उसे थाने ले जा रहे थे तो रास्ते में छात्र पुलिस को चकमा देकर रफूचक्कर हो गया। पुलिस उस छात्र की तलाश में जुटी हुई है। मामला शेरघाटी के चेरकीडीह हाई स्कूल का है। थानेदार ने बताया- सोमवार को चेरकीडीह हाईस्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र के पास से देसी कट्टा मिलने की जानकारी उन्हें मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस स्कूल पहुंची। उन्होंने छात्र को पकड़ लिया। लेकिन रास्ते में छात्र उन्हें चकमा देकर रफूचक्कर हो गया। स्कूल टीचर प्रभाकर कुमार ने बताया- जब वह बच्चों को क्लासरूम में पढ़ा रहे थे, उसी समय गांव के कुछ लड़के हल्ला करते हुए क्लास रूम में घुस गए और बच्चे को उसके बैग के साथ लेकर बाहर चले गए।

दो दिन परेशान करेगी तीखी गर्मी पछुआ चलने से मिलेगी राहत

कई इलाकों में बूंदाबांदी के भी आसार

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीते दिनों की बारिश से सुहाना हुआ मौसम फिर अपने तीखे तेवरों से परेशान कर रहा है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों का कहना है कि फिलहाल 2 अक्तूबर तक तीखी गर्मी परेशान करेगी। लखनऊ में तो अभी पांच दिन तक मौसम एकदम शुष्क रहने के आसार हैं। हालांकि, तीन अक्तूबर को जिस सिस्टम के सक्रिय होने के आसार दिख रहे हैं, यदि वो सही समय पर सक्रिय हो जाता है तो पछुआ चलने से तापमान की तेजी रुकेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, बुधवार को भी मौसम ऐसे ही शुष्क बना रहेगा। प्रदेश की पूर्वी तराई बेल्ट में बृहस्पतिवार को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। पश्चिमी भाग के तराई इलाकों में भी बूंदाबांदी के आसार हैं। पारे का बढ़ना भी जारी है पर बृहस्पतिवार को पछुआ चलने के बाद पारे का चढ़ना रुकेगा। फिलहाल प्रदेश में अधिकतम तापमान की बात करें तो वाराणसी में सर्वाधिक 35.3 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया जा रहा है। वहीं, अयोध्या में 35 डिग्री और आगरा में 34.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान की बात करें तो नजीबाबाद में 22.5 डिग्री, मुजफ्फरनगर में 23.2 डिग्री और बाराबंकी व बुलंदशहर में 23.5 डिग्री सेल्सियस तापमान देखने को मिला। सोमवार को जारी मौसम बुलेटिन को देखें तो राजधानी में दिन के बजाय रात ज्यादा गर्म है।

संगीत सोम के बयान पर सपा की पहली प्रतिक्रिया

आरएलडी की असल औकात बीजेपी बता रही

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी के नेता संगीत सोम के एक बयान से विवाद खड़ा हो गया है। अब समाजवादी पार्टी भी इसमें कूद पड़ी है। बीते दिनों संगीत सोम ने राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकदल को एक जिले की पार्टी बताया था। हालांकि संगीत सोम के इस बयान का भारतीय जनता पार्टी के नेता और योगी सरकार में मंत्री ने विरोध जताया था। योगी सरकार में मंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने एक मीडिया चैनल से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन है। उपचुनाव भी हम रालोद के साथ ही लड़ेंगे। संगीत सोम के बयान पर सपा ने भी प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता आईपी सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- बीजेपी ने आरएलडी का मतलब डेढ़ जिले की पार्टी बताया। जबतक समाजवादी पार्टी के साथ जयंत चौधरी थे यूपी भर के नेता थे। अब आरएलडी की असल औकात बीजेपी हर मंच से बता रही है मंत्री तो बन गये पर राष्ट्रीय लोकदल खत्म हो गया। संगीत सोम का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब राष्ट्रीय लोकदल, भारतीय जनता पार्टी से उपचुनाव में कम से कम दो सीटें पाने ही उम्मीद में है। रालोद नेताओं की कोशिश है कि उपचुनाव में उन्हें खैर और मीरापुर सीट दी जाए।

साल 2022 के विधानसभा चुनाव में रालोद ने मीरापुर सीट जीती थी। वहीं खैर सीट पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक ने जीत दर्ज की थी। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि रालोद पर संगीत सोम के दिए बयान का सियासी असर क्या होता है।

बाढ़ पीड़ितों से मिलने बुलेट से पहुंचे पप्पू यादव, कहा- 'मंत्री बैठकर दारू पी रहे हैं, जनता पानी में डूब रही'

सहरसा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव बाढ़ पीड़ितों से लगातार मुलाकात कर रहे हैं। कोशी बांध के पास पप्पू यादव बाढ़ पीड़ितों से मिलने बुलेट चलाकर पहुंचे और उनका दुख-दर्द सुना। सांसद की तरफ से कहा गया है कि उन्होंने कई बाढ़ पीड़ितों राशन और पैसे दिए। जनता से मिलने के दौरान उन्होंने नीतीश सरकार और विपक्ष दलों पर जमकर निशाना साधा।

सरकार पर जमकर साधा निशाना

पप्पू यादव ने बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मंत्री बैठकर दारू (शराब) पी रहे हैं।

जनता पानी में डूब रही है। सरकार की तरफ से बाढ़ पीड़ितों को मरने के लिए अकेला छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में करोड़ों अरबों खर्च होता है लेकिन बाढ़ पीड़ितों के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में हरियाणा में दर्जनों हेलीकॉप्टर हैं और बाढ़ पीड़ितों के लिए कुछ भी नही हैं। अभी तक यहां पर एनडीआरएफ की कोई टीम नहीं आई है। लोग खाने पीने के लिए तरस रहे है। सरकार बाढ़ का स्थाई समाधान क्यों नही निकल रही है। पप्पू यादव ने कहा कि सरकार के लोग चुनाव के दौरान एक क्विंटल अनाज दे देंगे और फिर चुनाव में उन्हें वोट मिल जायेगा। सरकार के लोग यही सोचते हैं।

सरकार और विपक्ष पर बरसे पप्पू यादव

पप्पू यादव ने बाढ़ से आई तबाही के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को जिम्मेदार कराया है। उन्होंने कहा कि पूरा बिहार जल त्रासदी के संकट से लड़ रहा है और सत्ता पक्ष दिल्ली में तो विपक्ष विदेश में घूम रहा है। उन्होंने कहा कि 40 सालों से बिहार में जिन-जिन की सरकार है उसने बिहार में बाढ़ के लिए क्या किया।

कब तक कोशी, सीमांचल और मिथिलांचल के लोगों को परेशान कीजिएगा। लोग भूखे मर रहे हैं, जानवरों के लिए चारा की व्यवस्था नहीं है। अस्पताल में सांप काटने की दवा नहीं उपलब्ध है और सरकार कह रही है की बाढ़ से निपटने के लिए उनके पास सभी साधन मौजूद हैं।

सांसद ने लगाया ये आरोप

सांसद ने कहा कि अभी तक एक भी कम्युनिटी किचन की शुरुआत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि गांव के गांव भूखे हैं। पानी के लिए तरस गए हैं तो दूसरी तरफ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम के पास नाव चलाने के लिए तेल नहीं है। लोग किसी तरह 300 से 400 रुपए खर्च कर भाड़े की नाव से बाहर निकल रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर नेपाल से इतना डर क्यों है। क्यों नेपाल से वार्ता नहीं होती क्यों हर वर्ष नेपाल भारत को तबाह करता है।

बरेली कोर्ट का 'लव जिहाद' मामले में ऐतिहासिक फैसला

दोषी को मिली आजीवन कारावास की सजा

बरेली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में लव जिहाद के मामले कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। इस मामले में कोर्ट ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा के साथ ही एक लाख रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार के ऑपरेशन कनविक्शन के तहत यह ऐतिहासिक फैसला आया है। इस मामले में आरोपी के पिता को भी सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने भोजीपुरा थाना क्षेत्र के रहने वाले मोहम्मद आलिम पुत्र मोहम्मद साबिर उर्फ रफीक अहमद को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने मोहम्मद आलिम के पिता साबिर उर्फ रफीक अहमद को दो साल की सजा सुनाई है। इस मामले में आईपीसी की धारा 376(2)(एन), 323, 504, 506 के तहत देवरनिया थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने मोहम्मद आलिम को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और उसके पिता को दो साल की सजा सुनाई है। दरअसल, पीड़िता बरेली के राजेंद्र नगर में कंप्यूटर की कोचिंग करती थी। यहीं पर मोहम्मद आलिम भी कंप्यूटर की कोचिंग क्लास लेने आता था। इस दौरान उसने अपना नाम आनंद बताकर पीड़िता से दोस्ती की। इसके बाद मोहम्मद आलिम ने उसे लव जिहाद का शिकार बनाया।

आरोपी युवक उसे मंदिर ले गया, जहां उसकी मांग भरकर शादी करने का झांसा दिया। इसके बाद उसने युवती को अपने दोस्त के कमरे पर ले जाकर हवस का शिकार बनाया। इतना ही नहीं आरोपी ने उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे धमकाया और फिर कई बार उसे हवस का शिकार बनाया।

पीड़िता जब आरोपी के घर पहुंची तब उसे पता चला जिसे वो आनंद समझ रही थी वो मोहम्मद आलिम है। मोहम्मद आलिम के परिवार वालों ने पीड़िता के साथ मारपीट की और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। जब पीड़िता गर्भवती हो गई तो उसका जबरन गर्भपात करवा दिया गया। इस मामले में 6 महीने के अंदर अदालत में अपना फैसला सुनाया है।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग, विस्फोट से उड़ी छत, ढह गईं दीवारें, 4 जिलों से दमकल वाहन पहुंचे

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री से उठती आग की भयानक लपटों और धुआं आसपास की फैक्ट्रियों में फैलने लगा। आग की वजह से फैक्ट्री में रखे केमिकल में विस्फोट होने से लोगों में दहशत फैल गई। विस्फोट होने से फैक्ट्री की टीन शेड से बनी छत और दीवारें ध्वस्त हो गईं। घटना की सूचना फायर स्टेशन कन्ट्रोल रूम पर दी गई। आग बुझाने के लिए चार जिलों के 12 फायर टेंडर लगाए गए। घटना देर रात की है। फायर अधिकारी राहुल पाल के अनुसार, रात करीब 1 बजे मोदीनगर फायर स्टेशन कन्ट्रोल रूम पर चार्ली 3 के जरिए दिल्ली-मेरठ रोड पर मुरादनगर गंग नहर पुल के पास स्थित एक फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। तत्काल फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मोदीनगर फायर स्टेशन से घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। आग की घटना यूसुफपुर-मनोटा गांव के पास पवनपुरी इंडस्ट्रियल एरिया के प्लॉट नंबर 87-ए पर शिवा ऑयल्स एंड केमिकल्स तथा बीआरo एग्रो ऑयल्स फैक्ट्री में आग लगी थी। केमिकल फैक्ट्री में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फायर सर्विस यूनिटों ने पंपिंग शुरू करके पूरी फैक्ट्री में फैल चुकी आग को मुख्य द्वार की तरफ से हौज पाईप फैलाकर बुझाना शुरु किया। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कम पड़ गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी, पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद को आग लगने की घटना की जानकारी दी गई। आग की भयावहता को देखते हुए तीन फायर टेंडर कोतवाली, दो-दो फायर टेंडर साहिबाबाद और वैशाली और एक-एक फायर टेंडर लोनी, परतापुर(मेरठ), सेक्टर 58(गौतम बुद्ध नगर) फायर स्टेशनों से घटनास्थल स्थल पर मंगाया गया। फैक्ट्रियों में काफी बड़ी मात्रा में स्टोर किए गए खाद्य तेल और अन्य केमिकल्स के ड्रम्स रखे थे। आग की चपेट में आने से इनमें विस्फोट होने लगे, जिससे इन फैक्ट्रियों की टीन शेड से निर्मित छत और बॉउंड्री वाल भी गिरनी शुरू हो गई। आग बराबर के प्लॉट नंबर 87-बी पर बनी गत्ते की फैक्ट्री में पहुंच गई।

सुल्तानपुर में एक और एनकाउंटर, हत्या के मामले में 3 बदमाश गिरफ्तार मुठभेड़ के दौरान तीनों के पैर में लगी गोली

सुल्तानपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में मंगलवार की सुबह पुलिस से मुठभेड़ के बाद एक महिला की हत्या में कथित रूप से शामिल 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में तीनों आरोपी घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि अखंडनगर थाना क्षेत्र में मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि पिछली 21 सितंबर को गोसाईंगंज क्षेत्र में एक अज्ञात महिला का शव मिला था। पोस्टमार्टम में पता चला कि उसकी मौत दम घुटने के कारण हुई थी। मृतका की पहचान प्रियंका के रूप में हुई, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट एक जून को कदियापुर थाने में दर्ज कराई गई थी। क्या है पूरा मामला? सिंह ने बताया कि जांच में पता चला कि हत्या में 4 लोग सलमान, शहंशाह, सरवर और जावेद शामिल थे। सलमान प्रियंका को पहले से जानता था और उसके साथ मुंबई भी गया था। उन्होंने बताया कि वापस लौटने के बाद उसने गोसाईंगंज इलाके में सलमान से शादी के बारे में बात की और उसे तथा उसके साथियों को जेल भेजने की धमकी दी। इसके बाद सलमान और उसके साथियों ने उसके खिलाफ साजिश रची और 20 सितंबर को उसकी हत्या कर दी। हत्या मामले में आरोपी 3 बदमाशों के पैर में लगी गोली सिंह ने बताया कि जांच के दौरान शहंशाह को गिरफ्तार कर लिया गया और मंगलवार की सुबह बाकी तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए अखंडनगर इलाके में घेराबंदी की गई। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने जब पीछा किया तो आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं।

'औकात में रहें, हमसे बड़ा गुंडा शहर में नहीं'

बीजेपी प्रत्याशी लीला राम गुर्जर की रणदीप सुरजेवाला को चेतावनी

कैथल, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के करीब आते ही नेताओं की बयानबाजी भी बढ़ती जा रही है। यहां हर दिन राजनीतिक दलों के बीच की सियासी तकरार और तेज होती जा रही है। इसी बीच कैथल से बीजेपी प्रत्याशी लीला राम गुर्जर का एक विवादित बयान सामने आया है, जिसमें वो कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला को चेतवानी देते नजर आ रहे हैं। दरअसल, कैथल में भाई उदय सिंह किले पर आयोजित जन आशीर्वाद रैली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी पहुंचे थे। यहां मंच से बोलते हुए लीला राम गुर्जर ने कहा, रणदीप सुरजेवाला के कार्यकर्ता आजकल बतमीजी पर उतर आए हैं। वह जो होर्डिंग लगवाते हैं, उनको रात को उतरवा देते हैं, जो सड़कों पर पोस्टर लगवाते हैं, उनको फाड़ देते हैं, जबकि उन्होंने आज तक सुरजेवाला के कोई भी होर्डिंग और पोस्टर नहीं हटवाए हैं।

लीला राम गुर्जर ने कहा, अगर औकात में रहकर चुनाव लड़ेगा तो हम भी प्यार से चुनाव लड़ेंगे। अगर आपको गुंडागर्दी दिखानी है तो हमसे बड़ा गुंडा शहर में नहीं है। अगर किसी को कोई गलतफहमी हो तो दूर कर ले, हम ईंट का जवाब पत्थर से देना जानते हैं।

बता दें लीला राम कैथल विधानसभा से विधायक हैं और इस बार फिर भारतीय जनता पार्टी ने इन्हें इसी सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। पिछले चुनाव में भी लीला राम और रणदीप सिंह सुरजेवाला के कार्यकर्ताओं के बीच शहर के आईटीआई बूथ पर झगड़ा हुआ था, जिसमें दोनों पक्षों के लोगों को काफी चोटें आई थीं। जिला प्रशासन की ओर से अब ईटीआई बूथ को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा हुआ है। हरियाणा में 5 अक्टूबर को विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं।

उद्धव ठाकरे के साथ फिर न कहीं हो जाए 'खेला': कांग्रेस ने दिया सिरदर्द !

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में यदि आज की तारीख में सबसे ज्यादा दांव पर किसी की प्रतिष्ठा लगी है तो वो उद्धव ठाकरे हैं। नवंबर में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे किसी भी सूरत में एकनाथ शिंदे और बीजेपी से बदला लेना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन भी अच्छा रहा लेकिन दिक्कत यही है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन चुनाव में उनको सीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट करने को तैयार नहीं है। उद्धव ठाकरे, दिल्ली का दौरा तक कर आए, कांग्रेस आलाकमान से भी मिल आए लेकिन हाथ कुछ नहीं लगा। दरअसल गठबंधन के नेताओं ने नवंबर में होने वाले चुनावों से पहले मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा करने से परहेज किया है। सितंबर की शुरुआत में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा था कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री उम्मीदवार का फैसला इस आधार पर किया जाएगा कि गठबंधन में कौन सी पार्टी सबसे ज्यादा सीट जीतती है?

'अगला सीएम होगा कांग्रेसी'?

इन सबके बीच कांग्रेस ने नया दांव चल दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा करते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव की अपनी सफलता दोहराएगी और राज्य का अगला मुख्यमंत्री कांग्रेस से ही होगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने विश्वास व्यक्त किया कि एमवीए 288-सदस्यीय विधानसभा में 180 से अधिक सीट जीतेगी और सरकार बनाएगी। इस गठबंधन में कांग्रेस के अलावा, एनसीपी (शरद पवार) एवं शिवसेना (यूबीटी) शामिल है। चव्हाण ने घोषणा की, "कांग्रेस ने महाराष्ट्र में हाल के लोकसभा चुनावों में अधिकतम सीट जीती हैं और वह विधानसभा चुनावों में अपना प्रदर्शन दोहराएगी। महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री कांग्रेस पार्टी से होगा।" एमवीए ने महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट में से 30 पर जीत हासिल की। इनमें से कांग्रेस ने अकेले 13 सीट जीतीं और वह दोहरे अंक का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र पार्टी थी। कांग्रेस को 2019 के चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी।

उन्होंने जोर देकर कहा, "लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा रहा। लोकसभा चुनावों में एमवीए द्वारा जीती गई 65 प्रतिशत सीट के आधार पर विपक्षी गठबंधन विधानसभा चुनावों में 183 या उससे अधिक सीट जीतेगा।" इसी तरह दो सप्ताह पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने कहा था कि उन्हें "100 प्रतिशत विश्वास" है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री उनकी पार्टी से होगा। थोराट के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने जोर देकर कहा था कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन में 'बड़े भाई' की भूमिका निभाने से बचना चाहिए।

तलवार लहराने वालों का निकाला जुलूस भीगी बिल्ली बनकर मांगते रहे माफी

अहमदाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में तलवार लेकर सोसाइटी में दहशत फैलाने वाले बदमाशों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि 7 लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार करने वाले बदमाशों का जुलूस निकाला। रविवार शाम बदमाशों ने अपार्टमेंट में जमकर हंगामा किया था और लोगों को तलवार से डराने की कोशिश की थी। बदमाशों के जुलूस का वीडियो सामने आया है। अहमदाबाद की सड़कों पर पुलिस हथकड़ी लगाकर जिन चार लोगों का जुलूस निकाल रही है ये वो बदमाश हैं जिन्होंने एक दिन पहले एक सोसाइटी में तलवार लेकर लोगों पर हमला बोल दिया था जमकर तोड़फोड़ की थी। जो बदमाश रविवार की शाम गुंडागर्दी कर रहे थे, तलवार लेकर सोसाइटी के लोगों में खौफ पैदा करने की कोशिश कर रहे थे वो सोमवार को भीगी बिल्ली बनकर सड़कों पर परेड करते दिखे। पुलिस ये जुलूस इसलिए निकलवा रही है क्यों कि आम लोगों में इस तरह के असामाजिक तत्वों और गुंडों का डर ना हो। उन्हें लगे कि अगर कोई अपराध करेगा तो पुलिस उसे कानून के हवाले करके सजा दिलवाएगी इसलिए पुलिस ने इन बदमाशों से सार्वजनिक तौर पर माफी भी मंगवाई और सड़कों पर काफी देर तक इन्हें घुमाते रहे। पुलिस जब इन बदमाशों को पकड़कर लोगों के सामने लेकर आई तो सोसायटी के लोग गुजरात पुलिस जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। ये बदमाश अहमदाबाद के चांदलोडिया इलाके में स्थित शिवम आर्केड नामक बिल्डिंग के एक फ्लैट में शराब पार्टी कर रहे थे। सोसायटी के लोगों ने जब मना किया तो ये अपने साथियों के साथ उपद्रव करने लगे और तलवार लहराते हुए लोगों पर हमला करने लगे।

सोसायटी पर पत्थरबाजी भी की जिससे सोसाइटी में चीख पुकार मच गई। जिस फ्लैट में इन बदमाशों के साथी रहते थे पुलिस ने वहां से शराब की कई बोतल भी बरामद की है।

माओवादियों के दो संदिग्ध ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

कोलकाता, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। माओवादियों से संबंध होने के आरोप में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की नजर दो महिलाओं पर है। मंगलवार सुबह ही एनआईए अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल पुलिस की विशेष टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ मिलकर उत्तर 24 परगना के पानिहाटी और आसनसोल में छापेमारी शुरू की। एनआईए सूत्रों के अनुसार, जिन दो महिलाओं पर माओवादी संगठनों से जुड़े होने का आरोप है, उनके नाम सुदीप्ता पाल और शिप्रा चक्रवर्ती हैं। जांच एजेंसी इस आरोप की सत्यता की जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सुदीप्ता और शिप्रा पहले आसनसोल में किराए के मकान में रहती थीं। पांच साल पहले शिप्रा आसनसोल से पानिहाटी चली गईं, जो उत्तर 24 परगना जिले के पल्लिश्री क्षेत्र में स्थित है। मंगलवार को एनआईए और एसटीएफ ने वहां भी छापेमारी की। खबर लिखे जाने तक छापेमारी की कार्रवाई जारी थी। आसनसोल के डिसेरगढ़ क्षेत्र में भी तलाशी अभियान चल रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुदीप्ता और शिप्रा सामाजिक कार्यों से जुड़ी थीं और कोयला खदान श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती थीं। वे 'अधिकार' नामक संगठन से जुड़ी थीं और बाद में 'मजदूर अधिकार' नामक संगठन शुरू किया। इसके तहत वे कोयला खदान श्रमिकों के अधिकारों के लिए आंदोलन करती थीं। इसके अलावा, मानवाधिकार संबंधी कई मुद्दों पर भी उन्होंने आवाज उठाई थी। आरोप है कि सुदीप्ता और शिप्रा छत्तीसगढ़ के माओवादियों से संपर्क में थीं। एनआईए इस बात की भी जांच कर रही है कि इस नेटवर्क में उनके अलावा और कौन-कौन शामिल हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि आसनसोल में कई जगहों पर सुदीप्ता और शिप्रा ने किराए के मकानों में निवास किया था। हालांकि, शिप्रा के पानिहाटी चले जाने के बाद, सुदीप्ता डिसेरगढ़ क्षेत्र के एक किराए के मकान में रह रही थीं। मंगलवार सुबह एनआईए अधिकारियों ने पानिहाटी नगर निगम के वार्ड नंबर 31 के पल्लिश्री इलाके में शिप्रा के घर पर छापा मारा।

काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद एनआईए अधिकारी दीवार कूद कर अंदर गए और पूछताछ शुरू की। जांच एजेंसी अब इस बात की तहकीकात कर रही है कि इन महिलाओं का माओवादियों से किस तरह का संपर्क है और इस नेटवर्क में और कौन लोग शामिल हैं।

क्या अब कार में ब्लैक फिल्म लगवा सकते हैं? हाई कोर्ट का अहम फैसला

कोच्चि, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाई कोर्ट ने अभी हाल ही में कार के शीशों पर ब्लैक फिल्म लगाने को लेकर अहम फैसला सुनाया है जिसमें कहा कि कारों के शीशों पर ब्लैक फिल्म या कूलिंग फिल्म लगाने से रोकना सही नहीं होगा। अगर कोई गाड़ी पर तय नियमों के अनुसार कूलिंग फिल्म या प्लास्टिक फिल्म लगवाता है तो पुलिस चालान नहीं कर सकती। केरल हाईकोर्ट के ने साफ कहा कि अगर किसी कार की विंडो पर सेंट्रल मोटर व्हीकल एक्ट, 1989 के नियमों के तहत फिल्म लगी है, तो चालान करना गलत होगा। इसके अलावा, कार चालक अपनी जरूरत के अनुसार खिड़कियों पर प्लास्टिक फिल्म लगवा सकते हैं, लेकिन यह नियमों के अनुसार हो।

बात पर भी ध्यान देना होगा की कार के शीशे पूरी तरह से काले या जीरो पारदर्शिता वाले फिल्म पर अब भी जुर्माना लगाया जाएगा। बी केरल हाई कोर्ट के इस फैसले से कार चालकों को बड़ी राहत मिलेगी। कार चालक अपनी जरूरत के अनुसार खिड़कियों पर प्लास्टिक फिल्म लगवा सकते हैं।

साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने कारों की विंडो पर ब्लैक फिल्म लगाने पर बैन कर दिया था और कहा था कि इससे कार के अन्दर अपराध आसानी से हो सकते हैं। कोर्ट ने उस समय कहा गया था कि कारों की विंडस्क्रीन पर कम से कम 70% और साइड विंडो पर 50% विजिबिलिटी होनी चाहिए। हालांकि 1 अप्रैल, 2021 से लागू केंद्रीय मोटर वाहन नियमों की धारा 100 के संशोधन के अनुसार, मोटर वाहनों के आगे, पीछे और किनारों पर सेफ्टी ग्लास के बजाय 'सेफ्टी ग्लेज़िंग' के उपयोग की अनुमति दी गई है। कोर्ट ने साफ किया कि अगर कार में जीरो विजिबिलिटी वाले काले शीशे लगाए जाते हैं तो इसके लिए 500 रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है।

कांग्रेस से बीजेपी में आईं शारदा की 10वीं की मार्कशीट फर्जी, मुरैना में बड़े पद पर हैं, कोर्ट ने दिया यह आदेश

मुरैना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुरैना नगर निगम में भाजपा की महापौर शारदा सोलंकी की 10वीं की मार्कशीट फर्जी निकली है। जिला कोर्ट ने पुलिस को उनके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। शारदा सोलंकी कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़कर महापौर बनी थी, लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गई थीं। उस समय उनके खिलाफ भाजपा प्रत्याशी रही मीना जाटव ने 10वीं की मार्कशीट और जाति प्रमाण पत्र फर्जी होने का आरोप लगाया था। इसे लेकर उन्होंने कोर्ट में याचिका भी लगाई थी। हालांकि, मीना जाटव कोर्ट में शारदा सोलंकी का जाति प्रमाण पत्र गलत होने की बात साबित नहीं कर पाई, लेकिन 10वीं की अंकसूची में गड़बड़ी साबित हो गई। जिसके बाद उनके खिलाफ सिविल लाइन थाने में धारा 420, 67 तथा 68 के तहत मामला दर्ज करने के आदेश कोर्ट ने पुलिस को दिए हैं। बता दें महापौर शारदा सोलंकी ने जिस स्कूल से 1986 में 10वीं पास करने का दावा किया है, वहां के स्कूल प्रबंधन ने बताया कि उनके यहां उस साल इस नाम के किसी विद्यार्थी ने एडमिशन नहीं लिया था। आईरटीआई के तहत मिली जानकारी में सामने आया कि शारदा सोलंकी की मार्कशीट में जो रोल नंबर दिया गया है, वह किसी अन्य शख्स के नाम पर है। उसने कोई परीक्षा दी ही नहीं थी। ऐसे में पाया गया कि इस छात्र के रोल नंबर पर शारदा सोलंकी को स्वाध्यायी छात्र बताकर उन्हें पास घोषित कर दिया गया। याचिकाकर्ता के वकील किशोरीलाल गुप्ता ने कहा है कि जिस स्कूल से महापौर की अंकसूची बनी है, उसने भी इस अंकसूची को गलत बताया है। उप्र शिक्षा बोर्ड ने भी उक्त रोल नंबर की अंकसूची को किसी नरोत्तम नाम के युवक का बताया, जो सभी विषयों में फेल है। बता दें कि शारदा सोलंकी कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़कर महापौर बनी थीं।

उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मीना जाटव को हराया था, लोकसभा चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा करने पहुंचे थे, तब कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत के साथ शारदा सोलंकी ने भाजपा की सदस्यता ली थी। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और भाजपा के न्यू जॉइनिंग टोली के प्रभारी नरोत्तम मिश्रा भी मौजूद थे।

'शर्मा जी' बनकर भारत में रह रहा था पाक का सिद्दीकी परिवार, एक चूक से 10 साल बाद खुल गई पोल

बेंगलुरु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में अवैध रूप से 'शर्मा परिवार' की पहचान के साथ रह रहे पाकिस्तानी परिवार को गिरफ्तार किया है। पाकिस्तान के कराची का राशिद अली सिद्दीकी 'शंकर शर्मा' बनकर अपनी बीवी और सास-ससुर के साथ बेंगलुरु में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध राशिद अली सिद्दीकी, उसकी पत्नी आयशा और उसके पिता हनीफ मोहम्मद और मां रुबीना बेंगलुरु आउटर के राजपुरा गांव में शर्मा परिवार बनकर रह रहे थे। उन्होंने अपना नाम शंकर शर्मा, आशा रानी, राम बाबू शर्मा और रानी शर्मा रखा हुआ था। वह आसपास के हिंदुओं को इस्लाम में कन्वर्ट करने में भी लगा था इसके लिए उसे पाकिस्तान से फंडिंग होती थी। साथ ही बेंगलुरु में रहने वाले कई स्थानीय मुसलमान भी उसकी मदद कर रहे थे फिर अचानक एक चूक हुई और 10 साल बाद उसकी पुरी पोल खुल गई। पुलिस ने चारों के खिलाफ केस दर्ज कर अरेस्ट कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया इनपुट के आधार पर चेन्नई एयरपोर्ट से 2 पाकिस्तानियों को गिरफ्तार किया गया था। वे ढाका फ्लाइट पकड़कर चेन्नई पहुंचे थे। उन्होंने पूछताछ में खुद को भारतीय बताया लेकिन जब उनके पासपोर्ट चेक किए गए तो वे फर्जी निकले। इसके बाद उनसे पूछताछ हुई तो बेंगलुरु में चोरी-छुपे रहे ऐसे पाकिस्तानी परिवार का पता चला, हिंदू परिवार के पहचान के साथ वहां रह रहा था। रविवार को जब पुलिस गिरफ्तारी के लिए पहुंची तो सिद्दीकी परिवार पैकिंग ही कर रहा था। पूछताछ में उसने खुद को शर्मा बताया और कहा कि वे लोग 2018 से बेंगलुरु में रह रहे हैं। जांच के दौरान परिवार के भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड भी पेश किए गए जिसमें उनकी हिंदू पहचान दर्ज है। जब पुलिस घर के अंदर पहुंची तो उन्हें मेहंदी फाउंडेशन इटरनेशनल जश्न-ए-यूनुस दीवार पर लिखा मिला। साथ ही घर में कुछ मौलवियों की तस्वीरें भी थीं।

सोमनाथ मंदिर के आसपास हुए बुलडोजर एक्शन का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, अवमानना याचिका दाखिल

अहमदाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के सोमनाथ मंदिर के आसपास कथित अवैध निर्माण पर हाल ही में हुए बुलडोजर एक्शन का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पटनी मुस्लिम समाज ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की है। इस याचिका में गिर सोमनाथ के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की गई है। याचिका में दरगाह मंगरोली शाह बाबा, ईदगाह, प्रभास पाटन, वेरावल, गिर सोमनाथ में स्थित कई अन्य स्ट्रक्चर के कथित अवैध विध्वंस का हवाला दिया गया है।अवमानना याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर एक्शन पर रोक के आदेश के बाद बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की।

याचिका में लगाया गया ये आरोप

सुप्रीम कोर्ट में दायर अवमानना याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करते हुए गुजरात के गिर सोमनाथ में सदियों पुरानी मस्जिदों, मकबरों और मुतवल्लियों के घरों को अवैध रूप से तोड़ा गया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ आज बुलडोजर से विध्वंस के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। बता दें कि शीर्ष अदालत ने आज तक देश भर में सभी विध्वंसों पर रोक लगा दी थी।

मंदिर के आसपास हटाया गया अवैध निर्माण

गुजरात के सोमनाथ मंदिर से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर सरकारी जमीन पर रहे अवैध निर्माणों को शुक्रवार देर रात से हटाया गया। इस दौरान हुई कार्रवाई से 15 हेक्टेयर सरकारी जमीन के अवैध निर्माण हटे हैं और इसकी कीमत 60 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दरअसल, उज्जैन कॉरिडोर की तरह सोमनाथ में भी कोरिडोर बनना है, जिसके लिए केन्द्र सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। सोमनाथ मंदिर के विकास के लिए अनेक योजनाओं पर काम चल रहा है।

कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन को लेकर दिया था ये फैसला

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने डिमोलिशन यानी बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी थी। यह रोक एक अक्टूबर तक के लिए लगाई गई थी। कोर्ट का कहना था कि सार्वजनिक अतिक्रमण पर ही एक्शन होगा। कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर राज्यों को निर्देश देते हुए कहा था कि बुलडोजर न्याय का महिमामंडन बंद होना चाहिए। कानूनी प्रक्रिया के तहत ही अतिक्रमण हटाएं। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि अवैध निर्माण पर तो नोटिस के बाद ही बुलडोजर चल रहे हैं। इस पर जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि सड़कों, गलियों, फुटपाथ या सार्वजनिक जगहों पर किए अवैध निर्माण को समुचित प्रक्रिया के साथ ढहाने की छूट रहेगी।

पहले कुत्ते को पीटा, फिर बाइक से बांध कर घसीटा

बेटी को काटा तो गुस्से में पिता ने दी ये सजा

गुना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के गुना में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां एक आदमी ना केवल अपनी बाइक में कुत्ते को बांधकर घसीटा, बल्कि एक बड़े से पत्थर से कुचलकर उस कुत्ते की हत्या भी कर दी है। यह पूरी घटना एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। यही सीसीटीवी फुटेज अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद पशु प्रेमियों ने आरोपी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है। वहीं मामला तूल पकड़ते देख गुना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला गुना जिले के नयापुरा का है। पुलिस ने इस वीडियो के आधार पर आरोपी युवक की पहचान की है। पुलिस के मुताबिक जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी की बेटी को कुत्ते ने काट लिया था। आरोपी युवक को इसकी जानकारी मिली तो उसने गुस्से में आकर कुत्ते को सजा देने की योजना बनाई और फिर कुत्ते पर खूब डंडे बरसाए।

सीसीटीवी फुटेज वायरल

इससे मन नहीं भरा तो युवक ने कुत्ते को रस्सी से बांधा और फिर रस्सी को बाइक में बांध दिया। इसके बाद वह कुत्ते को काफी देर तक घसीटता रहा। इसके बाद आरोपी ने सड़क के किनारे पड़ा पत्थर उठाया और उससे कुत्ते के सिर पर वार किया। इससे कुत्ते की मौत हो गई। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पशु प्रेमियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस संबंध में पुलिस में भी शिकायत दी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ पशु क्रूरता एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

ऑफिस के वर्क लोड से एक और मौत! बैंक मैनेजर ने अटल सेतु से कूद कर दी जान, पत्नी का चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक शख्स ने मुंबई के अटल सेतु से कूद कर जान दे दी। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसके पति ने ऑफिस में वर्क लोड के चलते ऐसा खतरनाक कदम उठाया है। मालूम हो कि पिछले दिनों पुणे की एक सीए फर्म में काम करने वाली लड़की की वर्क लोड के चलते जान चली गई थी। मृतक लड़की के परिजनों ने ये दावा किया था। वहीं, अब मुंबई में एक शख्स की ऑफिस के वर्क लोड के चलते जान चली गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, सुशांत

चक्रवर्ती नाम के व्यक्ति ने सोमवार की सुबह लगभग 9:57 पर अपनी कार को ब्रिज के किनारे पर पार्क किया। इसके बाद वह अटल सेतु से कूद गया। ऐसा बताया जा रहा है कि मृतक पब्लिक सेक्टर बैंक में काम करता था। मृतक की उम्र लगभग 40 साल के आसपास थी। शिवडी पुलिस मृतक के शव की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, घटना सोमवार सुबह लगभग 10 बजे के आसपास की है। जब सुशांत ने अपनी कार को अटल सेतु के साउथ बाउंड्री छोर पर पार्क किया और समंदर में कूद गया। पुलिस को जब इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने गाड़ी की जांच की। पुलिस को जांच के दौरान मिले दस्तावेज के जरिए पता चला कि सुशांत चक्रवर्ती मुंबई के परेल इलाके में पत्नी, एक साल की बेटी और मां के साथ रहते थे। पुलिस ने गाड़ी का नंबर आरटीओ को भेजा। जहां से उन्हें सुशांत के बारे में और अधिक जानकारी पता चली है। पुलिस ने जब जानकारी को इकट्ठा कर लिया तो एक टीम को परेल स्थित उनके घर भेजा है। पुलिस अधिकारियों ने उनकी पत्नी को पुलिस स्टेशन बुलाया। पुलिस ने पत्नी का बयान दर्ज किया तो उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया है। मृतक की पत्नी ने बताया कि सुशांत काफी दिनों से ऑफिस में अपने काम को लेकर परेशान रहते थे। ऑफिस में वर्क लोड बहुत ज्यादा था। फिलहाल प्राथमिक रूप से पुलिस को कोई भी सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस को जांच में पता चला कि पिछले वीकेंड पर वह अपने परिवार के साथ घूमने गए थे। सोमवार को परिवार से कहा कि वह काम पर जा रहे हैं,

दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने महिला को पकड़ा, टिश्यू पेपर में लपेट कर लाई 26 आईफोन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम को एक महिसा यात्री के बैग से 26 आईफोन मिले हैं। महिला हॉग कॉग से दिल्ली की यात्रा कर रही थी। कस्टम विभाग ने बताया कि महिला के वैनिटी बैग से टिश्यू पेपर के रैप में 26 आईफोन 16 प्रो मैक्स मिले हैं। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

अधिक ब्लीडिंग से नर्स की मौत, ब्वॉयफ्रेंड इंटरनेट पर सर्च करते हुए करता रहा इलाज

नवसारी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के नवसारी जिले में 26 साल के एक युवक को नर्सिंग छात्रा की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि शारीरिक संबंध बनाने के दौरान छात्रा को रक्तस्राव होने लगा, लेकिन बॉयफ्रेंड उसे अस्पताल ले जाने की जगह इंटरनेट पर ही इलाज खोजता रहा। यह घटना 23 सितंबर की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक न ही छात्रा को अस्पताल ले गया और न ही किसी चिकित्सा मदद की कोशिश की। वह अपने फोन पर ही सर्च करता रहा, जब संभोग के दौरान रक्तस्राव हो तो क्या करना चाहिए। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने ज्यादा ब्लीडिंग होने के बाद भी छात्रा से फिर शारीरिक संबंध बनाए।

पुलिस ने ब्वॉयफ्रेंड के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। नवसारी के एसपी सुशील अग्रवाल के मुताबिक फारेंसिक रिपोर्ट में ज्यादा रक्तस्राव से मौत की बात कही गई है। पर लड़के ने 108 पर फोन नहीं किया और न किसी चिकित्सा का प्रयास किया। उसने अपने एक दोस्त को फोन किया और निजी वाहन का इंतजार किया। अगर छात्रा को वक्त रहते दवा और खून मिल जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छात्रा के निजी अंगों में चोट की बात सामने आई है। इससे लगातार रक्तस्राव होता रहा। छात्रा की आरोप से मुलाकात तीन साल पहले हुई थी।

पर दोनों दो साल तक संपर्क में नहीं थे, सात महीने पहले दोनों सोशल मीडिया से फिर संपर्क में आए। सात महीने के रिलेशन के बाद दोनों ने 23 सितंबर को कुछ निजी वक्त बिताने का फैसला किया और होटल गए। जहां ये घटना हुई। रक्तस्राव के बावजूद लड़के ने रिलेशन बनाया और 60 से 90 मिनट तक ब्लीडिंग बंद होने का इंतजार करता रहा। पुलिस के मुताबिक छात्रा दोपहर 2।15 बजे मृत घोषित कर दी गई। वहीं आरोपी ने होटल छोड़ने से पहले सुबूत मिटाने के लिए खून के धब्बे भी साफ किए थे। आरोपी को स्थानीय अदालत ने 4 अक्तूबर तक के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 अक्टूबर- 2024

अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस की प्रासंगिकता

डॉ. सुधाकर मिश्रा

महात्मा गांधी ने अहमदाबाद मिल मजदूरों के क्षेत्रीय आंदोलन में ' उपवास ' का पहली बार प्रयोग किया था ,और गांधी जी आंदोलन में नैतिक दबाव बनाने में सफल रहे थे। गांधी जी ने कांग्रेस संगठन में प्रवेश कर उसे एक जन संगठन के रूप में परिणति किया था। गांधी जी के कुशल नेतृत्व में कांग्रेस ने अपने आपको जनता से जोड़ने का कार्य किया एवं जनता को शिक्षित करना, जनता को प्रशिक्षित करना , जनता को अनुशासित करना एवं अपने मौलिक अधिकारों के लिए अहिंसक संघर्ष करना जनता को सिखाया था।

महात्मा गांधी ने कांग्रेस को जन संगठन बनाने के लिए कई प्रकार से कार्यों को अमली जामा पहुंच थे। कांग्रेस की सदस्यता राशि न्यूनतम रखा(जिससे आम जनता को भार ना हो), हिंदी भाषा को सम्मेलनों का आधार बनाएं ,सभी कांग्रेसी नेताओं एवं कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को ' खादी पहनना ' अनिवार्य किया एवं गांव से लेकर कस्बों , राज्यों एवं केंद्र तक कई चरणों में समितियों का निर्माण किया, जिससे संगठन गांव और कस्बों तक विस्तारित किया जा सके। गांधी जी कांग्रेस को एक मजबूत संगठन के रूप में परिणत करते हुए भारत की आम जनता की आवाज के रूप में स्थापित किया ,जिससे अंग्रेजों का प्रत्येक नीति बनाने से पूर्व या पश्चात इस संगठन से वार्तालाप करना आवश्यक हो गया था।

प्रसिद्ध इतिहासकार एडवर्ड थॉमसन ने गांधी से मिलकर के कहा है कि सुकरात के बाद संसार ने उसके समान पूर्णतः स्व नियंत्रित तथा मानसिक संतुलन वाला व्यक्ति नहीं देखा है। उसने कहा कि अब उसे समझ में आया है कि एथेंस वासियों ने सुकरात को जहर क्यों दिया था ?

गांधी जी समझ चुके थे कि भारत के हिंदू समाज में तनाव की स्थिति बढ़ती जा रही है !, और इसलिए उन्होंने अस्पृश्यता विरोधी अपने अभियान को और तेज किया। गांधी जी ने श्री घनश्याम दास बिरला जी के सभापतित्व में हरिजनोद्धार के लिए एक अखिल भारतीय संगठन बनाया और श्री ठक्कर बाबा उसके मंत्री नियुक्त किए गए। यही संगठन कालांतर में जाकर ' अखिल भारतीय हरिजन सेवक संघ' में विकसित हुआ। महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम को ' हरिजन सेवक संघ' को दान कर दिया था। वर्ष 1933 में गांधी जी ने लिखा है की अंतर्जातीय भोजन एवं अंतर्जातीय विवाह अस्पृश्यता को समाप्त करने एवं बंधुता की भावना को बढ़ाने के लिए आवश्यक है।

राजनीति में अहिंसा के सफल प्रयोग के वह आविष्कारक हैं। विश्व में सत्ता के विरोध में होने वाले आंदोलन में असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन ,भूख हड़ताल, धरना, ज्ञापन मांग पत्र इत्यादि का उपयोग महात्मा गांधी की उपादेयता है । भारतीय राजनीति में ₹सत्याग्रह₹ शब्द महात्मा गांधी का सफलतम देन है। सत्याग्रह का उद्देश्य विरोधी को डराना ,धमकाना या प्रताड़ित करना नहीं है ;अपितु उसका हृदय परिवर्तन करना है जिससे वह सत्य को स्वीकार कर सके। अहिंसा विवेक से अधिक शक्तिशाली हथियार है ,अहिंसा आत्मतप और त्याग के माध्यम से विरोधी का हृदय परिवर्तन करने के लिए सक्षम होती है ।सत्याग्रह व्यक्तिगत हितों को पूरा करने के लिए नहीं, अपितु सामूहिक हितों का तथा नैतिक रूप से सत्य के लिए लड़ा जाने वाला युद्ध है। सत्याग्रह के चार अभिन्न हिस्से हैं:-

१.सत्य;

२. अहिंसा;

3. आत्म पीड़ा एवं

४. व्यक्ति।

जींस शार्प ने अहिंसात्मक विरोध के 198 तरीके बताएं हैं, जो गांधीवादी आंदोलन(असहयोग आंदोलन ,सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन) के दौरान प्रयोग कर दिया गया था। वैश्विक स्तर पर मार्टिन मार्टिन लूथर(संयुक्त राज्य अमेरिका का गांधी जी) और नेल्सन मंडेला(दक्षिण अफ्रीका के गांधीजी) जैसे महान नेता महात्मा गांधी को अपना प्रेरक आदर्श व्यक्तित्व मानते थे । महात्मा गांधी जी विश्व में अन्याय के अहिंसात्मक विरोध के प्रतीक थे। महात्मा गांधी दार्शनिक, धार्मिक ,राजनेता, आहार-विशेषज्ञ, चिकित्सक ,लेखक, पत्रकार, प्रकाशक एवं कुशल संगठनकर्ता थे । गांधी जी के पर्यावरण संबंधी विचारों से प्रेरणा लेकर' आर्न नैंस ' ने डीप इकोलॉजी का सिद्धांत दिया था ।अर्थशास्त्रीय इ.एम.सुभांकर ने अपने लोकप्रिय पुस्तक ' स्मॉल इस ब्यूटीफुल' में गांधीवादी आर्थिक संरचना को आर्थिक विकास का सही मॉडल बतलाया है । गांधी जी के राजनीति में उपादेयता के कारण रविंद्र नाथ टैगोर ने सार्वजनिक रूप से ' महात्मा ' कहा था ,सुभाष चंद्र बोस ने ' राष्ट्रपिता ' कहा था, और सामान्य जन ने' बापू' का नाम दिया था। 2007 में संयुक्त राष्ट्र संघ की सामान्य सभा द्वारा गांधी जी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाने की घोषणा की गई थी।गांधी जी का उपाय था कि नीतिगत निर्णय लेते समय सबसे गरीब और कमजोर आदमी को ध्यान में रखना चाहिए कि सबका कल्याण हो सके । यही भारतीय राजनीति में अंत्योदय है। 1919 ईस्वी में खिलाफत आंदोलन से उन्हें लगा कि मुस्लिम सहयोग से भारत शीघ्र स्वतंत्र हो जाएगा तथा उन्हें राष्ट्र के मुख्य धारा से जोड़ा जा सकेगा। राजनीति के क्षेत्र में वह धर्म मय राजनीति के महान पोषक तथा पक्षधर थे। महात्मा गांधी अपने देश के स्वतंत्रता संग्राम में 1919 से 1944 तक नेतृत्व किए थे। इसी कारण वर्ष 1919 से 1948 तक के काल को' गांधीवादी काल ' की संज्ञा दी जाती है।

महात्मा गांधी गीता के अनन्य भक्त थे तथा कर्म के अटल सिद्धांत में पूरा आस्था रखते थे ।उनका मत था कि गीता का आदर्श सदा - सर्वदा के लिए सत्य है ।उनकी सदैव इच्छा रहे की वह गीता को कंठस्थ कर ले। महात्मा गांधी जी गोरक्षा का अर्थ ईश्वर की समस्त मूक सृष्टि की रक्षा बतलाया है। महात्मा गांधी जी गोरक्षा को हिंदू धर्म का केंद्रीय बिंदु मानते थे। उनका कहना है कि ₹ जो हिंदू गोरक्षा के लिए जितना तत्पर है वह उतना ही श्रेष्ठ हिंदू है₹। गांधी जी गाय को मानवीय सृष्टि का पवित्रमय रूप माना है₹। महात्मा गांधी जी के अनुसार₹ हिंदुस्तान में गाय माता ही मनुष्य का सबसे सच्चा साथी और सबसे बड़ा आधार है । गाय हिंदुस्तान की कामधेनु है। गाय दूध ही नहीं देती, बल्कि सारी खेती का आधार स्तंभ थी । गाय दया, धर्म, करुणा ,त्याग की मूर्तिमान कविता है । इस गरीब और शरीफ जानवर में हम केवल दया ही उमड़ते देखते हैं ।यह लाखों करोड़ों हिंदुस्तानियों का पालन करने वाली माता है। महात्मा गांधी के प्रमुख शिष्य विनोबा भावे का कथन था कि₹ गो हत्या मातृ हत्या है।गांधी जी को पूर्ण विश्वास था कि भारत की स्वतंत्रता के साथ गो हत्या पर प्रतिबंध लग जाएगा । उन्होंने यह भी कहा था कि गोबंध होने पर स्वराज का महत्व नहीं रहता। जिस दिन भारत स्वतंत्र होगा सब बूचड़खाने बंद कर दिए जाएंगे ;लेकिन सत्ता के लोभी तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जी जवाहरलाल नेहरू ने इसको वोट बैंक के लिए समय पर काल और भाग्य के लिए टाल दिया।

सामाजिक दृष्टि से दृष्टि में भारतीय जनमानस में उत्पन्न अनेक बुराइयों एवं दोष का वर्णन करते हुए उन्होंने छुआछूत को प्रमुखता से लिया है। वह छुआछूत को धार्मिक नहीं, बल्कि शैतान की चाल कहते हैं। उन्होंने इसे हिंदू धर्म के मस्तक पर लगा कलंक बताया था। उन्होंने छुआछूत के नियमों को आत्मा के विकास में बाधक बताया था। सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने महात्मा गांधी के विचारों पर कहा है कि ₹महात्मा गांधी के समय राजनीति परिवार ,समाज, राज्य एवं संविधान के विकास के लिए होती थी ,लेकिन अब राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए होती है। कभी-कभी उनका मन राजनीति को छोड़ देने को करता है।

महात्मा गांधी ने उदारवादियों तथा राष्ट्रवादियों को एक मंच पर लाने के लिए नागपुर अधिवेशन में कांग्रेस का लक्ष्य शांतिपूर्ण तथा कानूनी तरीकों से भारत की जनता द्वारा स्वशासन की प्राप्ति बताया है। गांधी जी का रॉलेट एक्ट विरोधी सत्याग्रह आंदोलन के अतिरिक्त 1919 से 1944 के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर तीन बड़े आंदोलन किए थे। सभी आंदोलन में अधिराज्य के विभिन्न भागों के विभिन्न संप्रदायों की सहभागिता थी। लंबे काल तक चले आंदोलन के कारण इन्हें गांधीवादी आंदोलन या गांधी युग के नाम से भी पुकारा जाता है। एक बार लुई फिशर 1942 में सेवाग्राम आश्रम में गांधीजी से पहली बार मिलने गया तो गांधी जी ने कहा कि मैं तुम्हें बताऊंगा कि वह कौन सी घटना थी ?

इच्छा मृत्यु पर गाइडलाइन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से इच्छा मृत्यु को लेकर जो गाइडलाइन जारी किए गए हैं उसे लेकर डाक्टरों में भी असंतोष फैल रहा है। इससे गाइडलाइंस के मसौदे को लेकर बहस को तेज हो गई है। इंडियन मेडिकल असोसिएशन (आईएमए) ने भी यह कहते हुए आपत्ति दर्ज कराई है कि लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाए जाने का फैसला करने की जिम्मेदारी डॉक्टरों पर डालना ठीक नहीं है। इससे उन पर बेजा दबाव बढ़ जाएगा। बता दें कि इच्छा मृत्यु के भावनात्मक, कानूनी और चिकित्सकीय पहलू से जुड़े किसी भी मामले में फैसला लेना बहुत ही कठिन हो जाता है, इसके बावजूद कुछ न कुछ तो फैसला करना ही होता है। सुप्रीम कोर्ट भी 2018 में निर्षक्रिय इच्छा मृत्यु की कुछ शर्तों के साथ इजाजत दे चुका है। ऐसे में माना जा रहा है कि फैसले की प्रक्रिया जितनी स्पष्ट और परिभाषित होगी, फैसला लेना और उसे लागू करना उतना ही आसान होगा। सरकार की ओर से गाइडलाइंस जारी करने की पहल के पीछे भी शायद यही सोच है। गाइडलाइंस के मसौदे को देखें तो इसमें यह प्रयास स्पष्ट नजर आता है कि फैसला कई स्तरों पर परखे जाने के बाद ही अमल में लाए जाने की सिफारिश की गई है। इसके मुताबिक, लाइफ सपोर्ट सिस्टम की जरूरत और उसकी उपयोगिता पर फैसला करने वाले प्राइमरी मेडिकल बोर्ड में प्राइमरी फिजीशन के अलावा कम से कम दो ऐसे एक्सपर्ट होंगे, जिनके पास कम से कम 5 साल का अनुभव होगा। इसके बाद सेकंडरी मेडिकल बोर्ड इस फैसले की समीक्षा करेगा, जिसमें सीएमओ द्वारा मनोनीत एक रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर के अलावा दो एक्सपर्ट होंगे। इसके साथ ही मरीज के परिवार की सहमति लेना भी जरूरी होगा। केस की बारीकी के आधार पर निष्कर्ष तो आज भी डॉक्टरों का ही होता है, लेकिन वे पेशंट या परिजनों को पूरी स्थिति समझाते हैं और फिर पेशंट या परिवार फैसला करता है। फैसला करने से डॉक्टरों की हिचक समझी जा सकती है। देखा जाए तो यह प्रोफेशन ही मरीजों को बचाने का है। डॉक्टर आखिरी पल तक मरीज को बचाने का प्रयास करते हैं, इसके बावजूद कुछ मामलों में उनकी कोशिश नाकाम भी हो जाती है। ऐसे में इलाज के दौरान किसी खास बिंदु पर उन प्रयासों से हाथ खींचने का फैसला स्वाभाविक ही कई डॉक्टरों को अपने पेशे से अन्याय लग सकता है। इसके पीछे कई पहलू हैं। सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि जीवन की गरिमा के साथ ही मौत की गरिमा का सवाल भी जुड़ा है। फिर संसाधनों के सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल की भी बात है। अगर किसी मरीज के ठीक होने की संभावना नहीं रह गई है तो उन मेडिकल संसाधनों का उपयोग ऐसे मरीज को बचाने में करना बेहतर है, जिसे बचाया जा सकता हो। बहरहाल, सरकार ने गाइडलाइंस के इस मसौदे पर 20 अक्टूबर तक सुझाव मांगे हैं।ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले तमाम सुझावों की रोशनी में बनी गाइडलाइन ज्यादा उपयुक्त और ज्यादा व्यावहारिक होगी। ताकि समस्या का हल आसानी से किया जा सके।

वैश्विक सत्य-अहिंसा के पर्याय महात्मा गांधी

संजीव ठाकुर

भारत के महान सपूत गांधी ने पूरे विश्व में भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के रूप में विश्व को अहिंसा का संदेश दिया और शायद कोई विश्वास करेगा कि अहिंसा से ही महात्मा गांधी ने भारत देश को परितंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराया और अंग्रेजों को भारत से रुखसत करने का दुष्कर कार्य किया। 2 अक्टूबर को गांधी जी के जन्मदिवस पर पूरे विश्व में अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। महात्मा गांधी युगकालीन अहिंसक वैचारिक क्रांति के एक बड़े और सशक्त सूत्रधार थे। यह भारत का सौभाग्य ही है कि 2 अक्टूबर 1869 को पोरबंदर गुजरात में एक महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया था। जिनका पूरा नाम मोहन दास करमचंद गांधी था। भावनगर के श्यामल दास कॉलेज में उनकी शिक्षा हुई तत्पश्चात उनके भाई लक्ष्मी दास ने उन्हें बैरिस्टर की शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया था। इंग्लैंड जाने से पहले मात्र 13 वर्ष की आयु में उनका विवाह कस्तूरबा गांधी से हो गया था। 1891 में गांधीजी इंग्लैंड से वकालत पास कर मुंबई में वकालत प्रारंभ कर दी थी। गांधी जी के समाज क्रांतिकारी जीवन का शुभारंभ 1893 में तब हुआ जब एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा। वहां उन्होंने अंग्रेजों को भारतीयों एवं वहां के मूल निवासियों के साथ बुरा व्यवहार करते देखा था। वहां अंग्रेजों ने महात्मा गांधी को भी कई बार अपमानित किया था। गांधी जी ने अंग्रेजों के अपमान के विरुद्ध मोर्चा संभालते हुए उनके विरोध के लिए सत्याग्रह और अहिंसा का मार्ग चुना था। दक्षिण अफ्रीका के दौरान उन्होंने अध्यापक, चिकित्सक और कानूनी अधिकार की लड़ाई के लिए अधिवक्ता के रूप में जनता को जागरूक करने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान की और महत्वपूर्ण काम किए। अपने जीवन काल में उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन कर समाज की सेवा की। उनकी एक महत्वपूर्ण पुस्तक माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ विश्व प्रसिद्ध आत्मकथा बनी। दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी के कार्यों तथा सतत प्रयत्नों की ख्याति भारत में फैल चुकी थी। और जब वे भारत लौटे तो उनका गोपाल कृष्ण गोखले, लोकमान्य गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने भव्य स्वागत किया। भारत में आते ही गांधी जी ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य बिहार के चंपारण जिले के नीलहे किसानों को अंग्रेजों से मुक्ति दिलानें का किया, 1917 में गांधी जी के सत्याग्रह के फलस्वरूप ही चंपारण के किसानों का शोषण समाप्त हो पाया था। अहमदाबाद में आश्रम की स्थापना के साथ साथ अंग्रेज सरकार के विरुद्ध उनका संघर्ष प्रारंभ हुआ और भारतीय राजनीति की बागडोर अब महात्मा गांधी के हाथों में आ चुकी थी। गांधीजी इस बात को अच्छे से समझ चुके थे कि सामरिक तौर पर अंग्रेजों से लड़ाई नहीं की जा सकती है, भारत को अंग्रेजों से मुक्ति लाठी बंदूक के बल पर नहीं प्राप्त हो सकती थी, इसीलिए उन्होंने सत्य और अहिंसा की शक्ति का सहारा लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। 1920 में उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन प्रारंभ कर दिया था। अंग्रेजों ने जब नमक पर कर लगाया तो गांधीजी ने 24 दिन की दांडी यात्रा आयोजित की 24 दिनों की यात्रा के पश्चात उन्होंने अपने हाथों से दांडी नामक स्थान पर नमक बनाया और सविनय अवज्ञा आंदोलन भी संचालित किया। इसी बीच गांधी इरविन समझौता के लिए गांधीजी इंग्लैंड भी गए पर अंग्रेजों की बदनियति के कारण यह समझौता मूर्त रूप नहीं ले सका, फल स्वरुप यह आंदोलन 1934 तक चलता रहा।

1942 में गांधी जी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन चलाया गया जिसमें करो या मरो का नारा देकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को एकजुट कर अंग्रेजो के खिलाफ मोर्चा खोला गया।

गांधी के रास्ते पर चलने वाली पांच शख्सियतें

आर.के. सिन्हा

हम भारतीय चाहें जितना भी गर्व कर सकते हैं कि महात्मा गांधी जैसी पवित्र शख्सियत का संबंध भारत से है। हालांकि , उनके प्रति सम्मान और आदर का भाव तो सारी दुनिया ही रखती है। वे अपने जीवनकाल और उसके बाद भी करोड़ों लोगों को अपने सत्य और अहिंसा के विचारों से प्रभावित करते हैं। अब भी सारी दुनिया में अनगिनत लोग गांधी जी को ही अपना आदर्श मानते हैं। इसी तरह से न जाने कितने लोग गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए अपने - अपने ढंग से संसार को बेहतर बनाने की कोशिशें कर रहे हैं। उनमें भी अब गांधी जी की छवि दिखाई देती है। कात्सू सान उन गांधीवादियों में शामिल हैं जो विश्व बंधुत्व, प्रेम और शांति का संदेश देने के लिए भारत के गांवों, कस्बों, शहरों और महानगरों में घूमती हैं। आप चाहें तो 88 साल की कात्सू सान को देश की सबसे खास गांधीवादी व्यक्तित्वों में एक मान सकते हैं। कात्सू सान राजघाट पर होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं में बुद्ध धर्म ग्रंथों से प्रार्थना पढ़ती हैं। उन्हें सब कात्सू बहन कहते हैं। गांधी जी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को लेकर उनकी निष्ठा निर्विवाद है। वह गुजरे 60 वर्षों से भी ज्यादा सालों से गांधी जी को पढ़ रही हैं और दुनिया को उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दे रही हैं। कात्सू सान मूलतः जापानी नागरिक हैं। वह 1956 में भगवान बुद्ध के देश भारत में आईं थीं , ताकि ; उन्हें वे और गहराई से जान लें। एक बार यहां आईं तो उनका गांधीवाद से ऐसा साक्षात्कार हो गया कि उसके बाद तो उन्होंने भारत में ही बसने का निर्णय ले लिया। उनमें आप अपनी मां के चेहरे को देख सकते हैं। भारत को लेकर उनकी दिलचस्पी भगवान बौद्ध के चलते ही बढ़ी थी। पर अब तो उन्हें भारत ही अपना देश लगता है। वह कहती हैं कि भारत के कण-कण में पवित्रता है। भारत ही वास्तव में संसार का आध्यात्मिक विश्व गुरु है। भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर वो कहती हैं कि मुझे तो दुनिया में कोई अन्य देश मिला ही नहीं , जहां पर सरकारी कार्यक्रमों में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होती हो। भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ पर सभी धर्मों का बराबरी का सम्मान मिलता है। कात्सू सान के मुताबिक भगवान बुद्ध और गांधी जी दोनों ही के रास्ते आपको एक दिशा में ही लेकर जाते हैं।

इसीलिये ये दोनों सदैव प्रासंगिक रहने वाले हैं। दोनों का जीवन पीड़ा को कम करने और समाज से अन्याय को दूर करने के लिए ही समर्पित रहा था। इसी प्रकार , गांधी जी की दर्जनों मूर्तियां बनाने वाले महान मूर्ति शिल्पकार राम सुतार जी बचपन से ही गांधी के रास्ते पर चलने लगे थे।वे जब गांधी जी की किसी प्रतिमा को शक्ल दे रहे होते हैं,तो उन्हें लगता है मानो वे गांधी से संवाद कर रहे हों। उन्हें गांधी जी की प्रतिमाओं पर काम करते हुए अपार आनंद मिलता है। संसद भवन के प्रांगण में लगी उनकी बनाई गांधी जी की मूर्ति तो बेजोड़ है। इसमें बापू ध्यान की मुद्रा में हैं। यह असाधारण मूर्ति 17 फीट ऊंची है। उनकी कृतियां मुंह से बोलती हैं। उन्होंने ही पटना के गांधी मैदान में स्थापित बापू की मूर्ति को भी तैयार किया था। इसी तरह ब्रदर सोलोमन जॉर्ज भी पक्के गांधीवादी हैं। वे गांधी जी को ही अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्हें गांधी जी इसलिए भी अपने लगते हैं क्योंकि वह 12 मार्च 1915 को अपनी पहली राजधानी यात्रा के दौरान सेंट स्टीफंस कॉलेज में ही ठहरे थे। देश के कई शहरों में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसाइटी से जुड़े हुए हैं ब्रदर सोलोमन। इसी संस्था ने सेंट स्टीफंस क़ॉलेज स्थापित किया था।

ब्रदर सोलोमन बताते हैं कि गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में ईसाई मिशनरी जोसेफ डोक से भी मिले थे , जिन्होंने उनकी पहली जीवनी लिखी। वहां ही उनकी दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज से भी उनकी मुलाकात हुई। उन्हें लगता है कि गांधी जी विश्व भर में शांति के सबसे बड़े प्रेरक हुए हैं , जिन्हें दुनिया ने बुद्ध और ईसा मसीह के बाद देखा है। गांधी जी आज के दौर में भी उतने ही प्रासंगिक हैं , जितने कि वे अपने जीवन काल में थे। ब्रदर सोलोमन की पसंदीदा गांधीवादी शिक्षाओं में से एक है, अगर कोई दुश्मन आपके बाएं गाल पर वार करे, तो उसे अपना दायां गाल दे दो। आपको डॉ. विनय अग्रवाल में भी गांधी जी की छाया नजर आती है। पेशे से मेडिसिन के क्षेत्र से जुड़े हुए डॉ. अग्रवाल अपने स्तर पर लगातार वाल्मीकि समाज के नौजवानों को रोजगार और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्हें दलितों के हक में गांधी जी के किए काम प्रभावित करते हैं। गांधी जी ने मंदिरों में दलितों के प्रवेश के लिए आंदोलनों का समर्थन किया। डॉ. अग्रवाल का बचपन राजधानी के कृष्णा नगर में बीता। उस दौरान उन्होंने वाल्मीकि समाज की बदहाली को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद वे जब सक्षम हुए तो उन्होंने वाल्मीकि समाज के लिए ठोस काम करने शुरू किये। इसकी प्रेरणा उन्हें गांधी जी से ही मिली। वे कहते हैं कि गांधी की आत्मकथा पढ़ने वाले भलीभांति जानते है कि वे बचपन से ही अस्पृश्यता को नहीं मानते थे। अब 62 वर्षीय कृष्णा विद्यार्थी को ही लें। वे राजधानी के पंचकुइयां रोड पर स्थित वाल्मीकि मंदिर के काम-काज को देखते हैं। वाल्मीकि मंदिर और गांधी जी का गहरा संबंध रहा है ।वे इसी मंदिर परिसर के एक साधारण से कमरे में 1 अप्रैल 1946 से लेकर 10 जून 1947 तक रहे। कृष्ण विद्यार्थी बीते चालीस सालों से उस कमरे को रोज सुबह साफ-स्वच्छ करते हैं, जिसमें गांधी जी रहते थे। वाल्मीकि समाज से रिश्ता रखने वाले कृष्ण विद्यार्थी कहते हैं कि गांधी जी वाल्मीकि समाज की दशा को सुधारने के लिए जीवन पर्यंत सक्रिय रहे। गांधी जी ने वाल्मीकि परिवारों के बच्चों को यहां पढ़ाया भी। उन्हें इस बात का अफसोस है कि जब गांधी जी 7 सितंबर, 1947 को अंतिम बार दिल्ली आए तो उन्हें वाल्मीकि बस्ती की बजाय बिड़ला हाउस में लेकर जाया गया। तब कहा गया कि वाल्मीकि बस्ती में उनके लिए असुरक्षित है।

पर जो जगह कहने को सुरक्षित थी, वहां पर ही उन्हें मार डाला गया। कृष्ण विद्यार्थी के नेतृत्व में यहां पर हरेक 2 अक्तूबर और 30 जनवरी को सर्वधर्म प्रार्थना सभा भी आयोजित होती है। वे खुद गांधी जी के विचारों के प्रसार-प्रचार के लिए देश के कोने-कोने में जाते रहते हैं।

खिड़की से आती रोशनी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सुबह का समय था। सुबह की रोशनी ने मेरे कमरे को सुनहरे रंग में रंग दिया था। धूप की किरणें जैसे मेरी आत्मा को छू रही थीं, मन को हल्का कर रही थीं। मैंने सोचा, कितनी खुशनुमा सुबह है। क्या आज कुछ खास होगा? इतने में मेरी आंखें बंद हो गईं, और मेरे मन में एक अजीब-सी आवाज गूंज उठी, "आंखें खोलो, मैं यीशु हूँ!" मैंने झिझकते हुए अपनी आंखें खोलीं। सामने एक आकृति थी, जो पवित्रता और करुणा का प्रतीक थी। मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा। "आप कौन हैं?" मैंने दबी आवाज में पूछा। "डरो मत। मैं तुम्हें एक अनोखी राह दिखाने आया हूँ," उन्होंने कहा। "क्या दिखाएंगे, प्रभु?" मैंने भयभीत होकर पूछा। "महंगाई इतनी बढ़ गई है, रोज़ी-रोटी का जुगाड़ करना मुश्किल हो रहा है।" "मैं तुम्हें काम नहीं, एक आइडिया देना चाहता हूँ," उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।"आइडिया?" मैंने कहा, "क्या करूँगा मैं आइडिया से? मुझे तो काम की जरूरत है।""काम, नौकरी, ये सब बातें पुराने जमाने की हैं। तुम्हें खुद को आत्मनिर्भर बनाना होगा। जब सब तुम्हें नजरअंदाज करने लगें, तब एक ही रास्ता बचता है—अपने आपको यीशु का अवतार घोषित कर दो!"

इस पर मैंने आश्चर्य से कहा, "क्या? यह कैसे हो सकता है?" "लोग तुम्हें पूजने लगेंगे। उन्हें विश्वास होगा कि तुम आए हो।" उन्होंने आगे कहा, "तुम्हें बस कहना है कि तुम अवतरित हुए हो। कोई सवाल नहीं करेगा। तुम बड़े हो जाओगे, मंदिर बनेंगे तुम्हारे लिए।" लेकिन मैं हंसने लगा। "मैं कैसे अवतार हो सकता हूँ? मुझे तो कोई जानता भी नहीं!""इसका डर मत करो। लोग बहरूपियों को भी पूजते हैं। तुम बस विश्वास रखो। लोग तुमसे प्रसाद लाएंगे, तुम्हारी आरती करेंगे। तुम बस इस भूमिका में रहो। तुम एक नया भगवान बन सकते हो।"मेरे मन में सवाल था—क्या मैं इस तरह खुद को महान बना सकता हूँ? फिर मैंने देखा, मेरी नजरें उसके चेहरे पर थीं, लेकिन मेरी आत्मा कहीं खो गई थी। "पर प्रभु, ये सब क्या सही है? क्या मैं सच में लोगों को धोखा दे सकता हूँ?" मैंने कहा। "यह तुम्हारी कहानी है। यह तुम्हारी पहचान है।

तुम इसे अपना लो," उन्होंने कहा और अचानक गायब हो गए। अब मैं खिड़की से आती धूप को देख रहा था, जो मुझे अंधेरे से निकालने का प्रयास कर रही थी। लेकिन क्या मैं सच में इस धूप का हकदार था? क्या मैं खुद को यीशु मानने का साहस कर सकता था? ये सवाल मुझे परेशान कर रहे थे। मैंने अपने आसपास देखा।

जीवन देने के नाम पर नकली दवाएं बाजार में

सुरेश गांधी

इस धरती पर सबसे खूबसूरत चीज है जिंदगी और जिंदगी में जरूरी होती है, उम्मीद और भरोसा. अगर उम्मीद और भरोसा टूटता है तो हमारी जिंदगी में निराशा आ जाती है. एड्स, कैंसर, हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज, डेंगू आदि ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनकर ही मरीज और उनका परिवार घबरा जाता है. मरीज का तो मनोबल ही टूटने लगता है. लेकिन उन्हें दवा और डॉक्टर से ठीक होने का भरोसा हैं और दुआ, स्वस्थ होने की उम्मीद. लेकिन अब आप सोचिये कि दुआ सच्ची है, डॉक्टर का भरोसा अटूट है पर जब दवा ही नकली है तो क्या होगा? ना तो दुआ काम आएगी, ना ही डॉक्टर की मेहनत रंग लाएगी. मतलब साफ है दवा, जो बीमार व्यक्ति के लिए किसी संजीवनी बूटी की तरह होती है, वो दवा अगर नकली हो तो मरीज के लिए एक जहर की तरह है. लेकिन पैसे की हवस में किसी की जिंदगी तक से खिलवाड़ करने का पूरा सिंडिकेट भारत में चल रहा है। नामी देशी और विदेशी कंपनियों की ब्रैंडेड नकली दवाएं बाजार में धड़ल्ले से बिक रही है, जिसे जनता खरीद रही है। जांच एजेंसियों की मानें तो हिमाचल के मंडी सहित हैदराबाद, पूणे, मुंबई, मेरठ, आगरा, दिल्ली सहित वाराणसी में भी नकली दवाएं बन रही है, जिसे इसके मास्टरमाइंड बाजार में धड़ल्ले से बेच रही है। जबकि नकली दवाओं की बिक्री बेहद गंभीर मामला है, लेकिन ये आसानी से पकड़ में नहीं आ पाता। इसकी वजह है कमजोर निगरानी सिस्टम। बता दें, देश में नकली और मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में दंड और जुर्माने का प्रविधान है। इसके अंतर्गत नकली दवाओं से रोगी की मौत या गंभीर चोट पर आजीवन कारावास की सजा है। मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर पांच साल की सजा का प्रविधान है। इस अधिनियम के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन दवाओं, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों का राष्ट्रीय नियामक है। भारत के औषधि महानियंत्रक दवाओं के निर्माण, बिक्री, आयात और वितरण से जुड़े मानक निर्धारित करते हैं। यह राज्यों के खाद्य एवं औषधि नियामक प्राधिकरणों के साथ समन्वय भी स्थापित करता है। राज्य स्तर पर औषधि नियंत्रक एवं जिलों में निरीक्षक दवाओं की गुणवत्ता निर्धारित करने वाली सबसे अहम कड़ी हैं। इतना ही नहीं देश के अलग-अलग राज्यों में 29 दवा परीक्षण प्रयोगशालाएं हैं। इसके अलावा आठ केंद्रीय लैब भी स्थापित हैं। मिलावटी दवाओं पर रोक लगाने के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। ऐसे मामलों में राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर नियामक एजेंसियों द्वारा कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझ पाना आसान नहीं कि किसी दवा का रासायनिक संयोजन क्या है। मरीजों को दवाओं के बारे में जरूरी और स्पष्ट जानकारी भी नहीं दी जाती। नकली दवा बेचने वाले दोषियों को 1 वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है. साथ ही 10 लाख का जुर्माना भी लगेगा. इसके बावजूद देश में नकली दवा का कारोबार धड़ल्ले से जारी है. जबकि ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की ये जिम्मेदारी है कि वह नकली दवाओं की खरीद फरोख्त करने वालों को पकड़े। लेकिन अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि उसने छापेमारी की हो। अगर नियमित तौर पर ये डिपार्टमेंट जांच पड़ताल करे तो नकली दवाएं बेचने वालों की लगाम कसी जा सकती है। बेशक, नकली दवाएं बिकना गंभीर मामला है, क्योंकि ये मरीजों के लिए जानलेवा साबित होता है। ऐसे में जरूरी है निगरानी सिस्टम को दुरुस्त किया जाए। सूत्रों की मानें तो कैंसर के ट्रीटमेंट में होने वाली कीमोथेरेपी की नकली दवाएं बाजार में ज्यादा है। सूत्रों के मताबिक इसके कारोबारी दवा की शीशी 5000 रुपये में खरीदते और उसमें 100 रुपये की नकली दवा भरकर दवा को 1 से 3 लाख रुपये तक में बेचते है। छापे के दौरान कई ऐसे मामले आए हैं जहां नकली दवा पकड़ी गई है. खास यह है कि आजकल लोग बिना डॉक्टरों की सलाह के मेडिकल स्टोर से दवाएं लाकर खाते हैं. इनमें सर्दी-खांसी या जुकाम की दवाएं ज्यादा होती है। हालांकि फार्मा विशेषज्ञों का कहना है कि दवा असली है या नकली इसकी सही पहचान तो लैब में ही हो सकती है, लेकिन फिर भी कुछ तरीके हैं जो दवा के बारे में जानकारी दे सकते हैं. जब भी आप कोई दवा खरीदकर लाएं तो उसका क्यूआर कोड देख लें. 100 रुपये से अधिक कीमत वाली दवा पर क्यूआर कोड जरूर होता है. जिस दवा पर कोड नहीं है उसको न खरीदें. बिना क्यूआर कोड वाली दवा नकली हो सकती है. या यूं कहे जब दवा खरीदकर लाएं तो उसका नाम इंटरनेट पर जरूर पढ़ लें।

सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर राशि अनुसार करें पूजा-पाठ

भारत में नहीं दिखेगा 2 अक्टूबर का सूर्य ग्रहण; पितरों का श्राद्ध करते समय किन बातों का ध्यान रखें

बुधवार, 2 अक्टूबर को पितृ पक्ष की अंतिम तिथि रहेगी। इसे सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या कहा जाता है। अमावस्या पर सूर्य ग्रहण भी हो रहा है, लेकिन ये ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इस वजह से इसका सूतक भी नहीं रहेगा। पूरे दिन बिना बाधा के धर्म-कर्म कर सकेंगे।

पितृ पक्ष की अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान जरूर करना चाहिए, क्योंकि पूरे पितृ पक्ष में किए गए श्राद्ध कर्म से भी ज्यादा पुण्य इस अमावस्या पर किए गए श्राद्ध से मिल सकता है। इस दिन पर कई पीढ़ियों के जाने-अनजाने सभी पूर्वजों के लिए धूप-ध्यान किए जाते हैं। इस साल पितृ पक्ष में जिन मृत लोगों के लिए श्राद्ध करना भूल गए हैं, उनके लिए अमावस्या पर ही श्राद्ध कर सकते हैं।

सूर्य ग्रहण का समय और कहां-कहां दिखेगा

भारतीय समय अनुसार सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर की रात 9.13 बजे से शुरू होगा और मध्य रात्रि 3.17 बजे खत्म होगा। ये ग्रहण अर्जेंटिना और चिली में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। इन देशों के अलावा अंटार्कटिका, ब्राजिल, मेक्सिको, न्यूजीलेंड, पेरू, अमेरिका सहित कई देशों में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखाई देगा। भारत के आसपास के देशों में ग्रहण के समय रात रहेगी, यहां सूर्य ग्रहण दिखाई नहीं देगा।

सूर्य ग्रहण जिस जगह दिखाई देता है, वहीं ग्रहण का सूतक मान्य होता है। जहां ग्रहण दिखाई नहीं देता है, वहां ग्रहण का सूतक नहीं मानना चाहिए। सूर्य ग्रहण का सूतक ग्रहण के समय से 12 घंटे पहले शुरू हो जाता है और ग्रहण खत्म होने तक रहता है।

अब जानिए पितृ पक्ष की अमावस्या पर राशि अनुसार कौन से शुभ काम करें और राशि स्वामी के लिए किन चीजों का दान करें...

मेष- मेष राशि लोग शिवलिंग का दही से अभिषेक करें और लाल गुलाल चढ़ाएं। मंगल के निमित्त लाल मसूर का दान करें।

वृषभ- इन लोगों को शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए। सफेद फूलों से शिवलिंग के साथ ही नंदी का भी श्रृंगार करें। शुक्र ग्रह के निमित्त दूध दान करें

मिथुन- इस राशि के लोग शिव जी और देवी पार्वती का अभिषेक करें। शिव जी को बिल्व पत्र और गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। बुध ग्रह के लिए हरे मूंग का दान करें।

कर्क- शिवलिंग और चंद्र देव का कच्चे दूध से अभिषेक करें। सफेद आंकड़े के फूल चढ़ाएं। इस दिन चंद्र देव के निमित्त दूध दान करें।

सिंह- अमावस्या की सुबह सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। इसके बाद शिवलिंग का अभिषेक करें। सूर्य के निमित्त गुड़ का दान करें।

कन्या- ये लोग शिवलिंग पर हरे मूंग चढ़ाएं। मूंग के हलवे का भोग लगाएं। बुध के निमित्त हरे कपड़ों का दान करें।

तुला- शिवलिंग पर सफेद फूल अर्पित करें। देवी पार्वती को श्रृंगार सामग्री चढ़ाएं। शुक्र ग्रह के लिए सफेद मिठाई का दान करें।

वृश्चिक- शिवलिंग पर लाल फूल चढ़ाएं। किसी शिवालय में सफाई भी करें। माता को साड़ी भेंट करें। मंगल ग्रह माता की पूजा करने वालों विशेष कृपा करता है।

धनु- गुरु ग्रह की पूजा भी शिवलिंग रूप में ही की जाती है। इसलिए ये लोग शिवलिंग पर पीले फूल चढ़ाएं। गुरु ग्रह के लिए चने की दाल का दान करें।

मकर- शिवलिंग पर काले तिल और नीले फूल चढ़ाएं। शनिदेव के लिए तेल का दान करें।

कुंभ- जल में काले तिल मिलाकर शिव जी का अभिषेक करें। शनिदेव के लिए नीले कपड़ों का दान करें।

मीन- शिवलिंग पर चंदन और अष्टगंध का लेप करें और बेसन के लड्डू का भोग लगाएं। गुरु ग्रह के निमित्त पीली मिठाई का दान करें।

सर्वपितृ अमावस्या के दिन धरती लोक से होगी पितरों की विदाई

शुभ मुहूर्त पर ऐसे करेंगे पूजा तो मिलेगा पूर्वजों का आशीर्वाद

हिंदू पंचांग के अनुसार पितृ पक्ष चल रहा है। जिसमें पितरों की आत्मा की शांति के लिए और उनकी मुक्ति के लिए पिंडदान पूजा अर्चना और तर्पण किए जाते हैं। पितृ पक्ष में आने वाले अमावस्या का सनातन धर्म में बहुत ही ज्यादा महत्व बताया गया है। आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली अमावस्या को पितृ अमावस्या या महालया अमावस्या के नाम से जाना चाहता है।

इस दिन विशेष तौर पर पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान किए जाते हैं। वहीं, अगर किसी इंसान को अपने किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु की तिथि पता नहीं है तो या किसी कारणवश उसके श्राद्ध के दिन उसकी श्राद्ध नहीं कर पाते क्या कुछ भूल चूक हो जाती है, तो उसका श्राद्ध सर्व पितृ अमावस्या के दिन किया जाता है। उनके लिए पिंडदान किए जाते हैं और इस अमावस्या के दिन यह माना जाता है कि पितर धरती लोक से स्वर्ग लोक में चले जाते हैं। जो 1 साल बाद पितृपक्ष में वापस आते हैं। कब है सर्व पितृ अमावस्याः पंडित विश्वनाथ ने बताया कि आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष में आने वाली अमावस्या को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। जिसे हिंदू धर्म में बहुत ही ज्यादा महत्व होता है। इस अमावस्या का आरंभ 1 अक्टूबर को सुबह 9:34 से हो रहा है। जबकि इसका समापन 2 अक्टूबर को सुबह 2:19 पर होगा। सनातन धर्म में प्रत्येक व्रत व त्यौहार को उदया तिथि के साथ मनाया जाता है। इसलिए इस अमावस्या को 2 अक्टूबर के दिन मनाया जाएगा।

इसमें पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना की जाती है। उसके लिए पहका कुतुप शुभ मुहूर्त का समय सुबह 11:45 से शुरू होकर दोपहर 12:24 तक रहेगा। दूसरा रोहिणी शुभ मुहूर्त का समय दोपहर 12:34 से दोपहर 1:34 तक रहेगा।वहीं, जो लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करना चाहते हैं। उनके लिए तर्पण करने का शुभ मुहूर्त 2 अक्टूबर को दोपहर 1:21 से शुरू होकर 3:43 तक रहेगा। जो अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना, तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर सकते हैं। श्राद्ध और तर्पण करने का सही तरीकाः सर्व पितृ अमावस्या के दिन विशेष तौर पर पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान तर्पण और श्राद्ध किए जाते हैं। लेकिन कुछ लोग कहीं धार्मिक स्थल पर जाने की बजाय अपने घर पर भी उनके लिए पूजा अर्चना करते हैं। ऐसे में सही प्रकार से दर्पण कैसे किया जाता है, यह सबसे अहम होता है। क्योंकि अगर कुछ गलती हो जाती है, तो उनके पितर उनसे नाराज हो जाते हैं। इसलिए अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पितरों की आत्मा की शांति के लिए दान और पिंडदान करें।

सूर्य देव को जल अर्पित करने के बाद शुभ मुहूर्त के समय दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके पर को मोड़कर घुटनों को जमीन पर टिका कर बैठ जाएं। उसके बाद तांबे का लोटा लेकर उसमें तिल, जो, चावल , गाय का कच्चा दूध, जल , गंगाजल, सफेद फूल आदि डालें। उसके उपरांत अपने हाथ में एक कुशा लेकर दोनों हाथों में जल भरकर अपने अंगूठे के माध्यम से धरती पर जल अर्पित करें। यह विधि 11 बार करें और अपने पितरों से सुख शांति की कामना करें और उसके बाद अपने पितरों के लिए खाना निकाले, इसके साथ-साथ देवता, गाय,चींटी , कौवा और कुत्ते के लिए भी खाना निकाले। सबसे अंतिम में गरीबों वह ब्राह्मण को दान दक्षिण और वस्त्र दान करें।

अमावस्या का महत्वः पंडित ने बताया कि सर्व पितृ अमावस्या का सनातन धर्म में बहुत ही ज्यादा महत्व है। क्योंकि इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा पाठ पिंडदान तर्पण और श्राद्ध किए जाते हैं। ताकि उनके पितरों की आत्मा को शांति मिल सके और उनको पितृ दोष से मुक्ति मिल सके। अगर किसी इंसान की कुंडली में पितृ दोष है, तो उसके घर में सुख शांति का वास नहीं होता तो वही उनके हर काम में बाधा होती है। उनका जीवन में प्रगति नहीं मिलती।

वहीं, माना जाता है कि जो लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पूजा अर्चना नहीं करते तो उनकी पितरों की आत्मा को शांति नहीं मिलती। वह पृथ्वी लोक पर ही भटकती रहती है। उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए और उनको प्रश्न करने के लिए विशेष तौर पर इस अमावस्या के दिन पूजा अर्चना की जाती है। माना जाता है कि इस अमावस्या के दिन उनके सभी पितर पृथ्वी से स्वर्ग लोक में चले जाते हैं, जो 1 साल के बाद पितृपक्ष में वापस आते हैं। सनातन धर्म में इसका बहुत ही ज्यादा महत्व होता है।

सर्व पितृ अमावस्या के दिन है सूर्य ग्रहण : आपको बता दें कि सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर को रात के 9:00 बजे से रात के 3:17 तक रहेगा। उस समय भारत में रात होने की वजह से उसका प्रभाव भारत में दिखाई नहीं देगा जिसके चलते पूजा पर भी उनका कोई प्रभाव नहीं होगा।

नवरात्रि के दौरान घर लाएं ये सामग्री, मां दुर्गा की बरसेगी कृपा, धन की भी नहीं होगी कमी कमी

नवरात्रि में मां दुर्गा की तस्वीर जरूर लाएं घर

नवरात्रि में भक्तों को अपने घर में माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर, तुलसी का पौधा, चांदी का सिक्का, कमल का फूल व माता के श्रृंगार का सामान लाकर अर्पित करना चाहिए। इससे मां दुर्गा प्रसन्न होती है। उन्होंने बताया कि मां दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर नवरात्रि के दौरान घर लाना बहुत शुभ माना जाता है। माता की तस्वीर को घर के मंदिर या पूजा स्थल में स्थापित करने से घर में धन का आगमन होता है। नवरात्रि में पूजा स्थल पर माता की मूर्ति या तस्वीर जरूर स्थापित करनी चाहिए।

नवरात्रि में तुलसी का पौधा लगाना है बेहद शुभ

शुभ माना जाने वाला तुलसी का पौधा अगर अभी तक आपके घर में नहीं है तो इस नवरात्रि एक तुलसी का पौधा जरूर खरीद लाएं। नवरात्रि के पावन मौके पर इसे लाना बेहद ही शुभ माना जाता है। उन्होंने बताया कि नवरात्र के दौरान रोजाना तुलसी के आगे दीया जला देने से माता रानी प्रसन्न होती हैं और घर में सुख-शांति बनी रहती है। वहीं माता दुर्गा को कमल का फूल बेहद प्रिय होता है। इसलिए, नवरात्रि के दौरान घर में कमल का फूल लाएं और मां दुर्गा की पूजा के दौरान उनको अर्पित करें।

नवरात्रि में माता रानी का करें सोलह श्रृंगार

ज्योतिषी अशोक वार्ष्णेय ने लोकल 18 को बताया कि नवरात्रि में माता रानी का सोलह श्रृंगार करना बहुत ही शुभ माना जाता है। कहते हैं कि जो महिलाएं नवरात्रि में मां दुर्गा को सोलह श्रृंगार अर्पित करती हैं, उन्हें अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। ऐसे में आपको नवरात्रि में जरूर माता रानी के लिए श्रृंगार का सामान लाना चाहिए। वहीं नवरात्रि में चांदी का सिक्का घर लाना बेहद ही शुभ माना जाता है। चांदी के सिक्के को लाकर उसे मंदिर में स्थापित कर पूजा करने से घर में बरकत बनी रहती है और पैसों की कमी नहीं होती है। ऐसे में आप भी इस नवरात्रि चांदी का सिक्का अपने घर ला सकते हैं।

पितृ पक्ष में निधन होने का क्या है मतलब

अगर किसी इंसान का पितृ पक्ष के दौरान ही निधन हो जाता है तो इसे एक शुभ घटना मानी जाती है। हालांकि निधन एक कष्टदायक घटना है लेकिन हिंदू शास्त्र की मानें तो पितृ पक्ष में निधन होना आत्मा के लिए शुभ संकेत होता है। ऐसे में कहा जाता है कि आत्मा को स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है। इस दौरान अंतिम संस्कार की क्रियाएं वैसे ही की जाती हैं। माना जाता है कि पितृ पक्ष में उसका निधन होना उसके अच्छे कर्मों का ही नतीजा है। कहा जाता है कि अगर पितृ पक्ष में ही आपके घर में किसी शख्स का निधन हो गया है तो उस घर पर पितरों की कृपा हमेशा बनी रहती है और घर में किसी भी तरह की बाधाएं नहीं आती हैं। जिन लोगों की मृत्यु इस दौरान होती है उस तिथि को बहुत शौभाग्यशाली माना जाता है।

क्या भाग्यशाली होते हैं पितृ पक्ष में जन्मे शिशु या झेलनी पड़ती है आजीवन कठिनाइयां?

पितृ पक्ष का सनातन धर्म में बहुत अधिक महत्व है। मृत पूर्वजों की शांति और मोक्ष प्रदान के लिए पिंड दान, तर्पन और श्राद्ध कार्य किया जाता है। यह भाद्रपद माह की पूर्णिमा से लेकर आश्विन मास की अमावस्या तक मनाया जाता है। इस वर्ष पितृपक्ष 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक रहेगा। मान्यता है कि इस दौरान कोई भी शुभ कार्य या मांगलिक कार्य जैसे शादी-ब्याह, मुंडन, गृह प्रवेश आदि नहीं किए जाते हैं। ऐसी स्थिति में तब क्या हो जब घर में पितृ पक्ष के दौरान किसी बच्चे का जन्म हो? क्योंकि एक बच्चे का जन्म लेने से बड़ा शुभ और खुशी वाली बात कोई और नहीं होगी। ऐसे शिशु का भविष्य कैसा होगा? क्या वह भाग्यशाली होगा, उसे पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होगा या फिर झेलनी पड़ सकती है जीवन भर नारजगी? जानते हैं यहां...

क्या भाग्यशाली होते हैं पितृपक्ष में जन्मे बच्चे?

पितृपक्ष के दौरान घर में कोई बच्चा जन्म लेता है तो वह अशुभ नहीं बेहद ही शुभ बात होती है। वह शिशु भाग्य का धनी होता है। वह बेहद ही भाग्यवान होता है। ऐसे बच्चों पर पितरों की विशेष कृपा सदा बनी रहती है। ऐसा भी कहा जाता है कि ये शिशु अपने कुल के पूर्वज ही होते हैं। परिवार में खुशियां आने का ये कारण बनते हैं। इनका भविष्य उज्ज्वल होता है। जिस क्षेत्र से जुड़ते हैं, उसमें नाम कमाते हैं।

स्वभाव से कैसे होते हैं पितृपक्ष में जन्मे शिशु

पंडित इंद्रमणि घनस्याल का कहना है कि पितृ पक्ष में जन्म लेने वाले बच्चों का स्वभाव बहुत ही खुशमिजाज होता है। वे रचनात्मक होते हैं।

परिवार से इनका स्नेह, लगाव, प्यार बहुत अधिक होता है। सकारात्मक सोच रखते हैं। सही निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं। संभवतः कम उम्र में ये जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।

कुंडली में कमजोर चंद्रमा

हालांकि, ऐसे बच्चे की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है, जिसे कुछ उपायों को करके चंद्रमा को मजबूत किया जा सकता है। ऐसा नहीं करने से उनके जीवन में कई तरह की समस्याएं आ सकती हैं। तनाव, अवसाद भी झेलना पड़ सकता है।

शुक्र करने वाले हैं नक्षत्र परिवर्तन

इन 5 राशियों की बल्ले-बल्ले, नौकरी-कारोबार में मिलेगी सफलता

ज्योतिष शास्त्र में एक निश्चित अवधि पूरा करने के बाद सभी ग्रह एक राशि से निकलकर दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इस दौरान ग्रह एक दूसरे के नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, जिसका प्रभाव राशि चक्र के 12 राशि के जातकों पर देखने को मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को धन वैभव सुख संपदा ऐश्वर्य, सौंदर्य प्रेम का ग्रह माना जाता है। शुक्र के न केवल राशि परिवर्तन का बल्कि नक्षत्र परिवर्तन का भी जीवन में महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। 5 अक्टूबर की रात्रि 12:30 पर शुक्र ग्रह विशाखा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

विशाखा नक्षत्र में शुक्र गोचर का असर पांच राशि के जातकों पर अधिक देखने को मिलेगा। अयोध्या के ज्योतिषी पंडित कल्कि राम बताते हैं कि ज्योतिषीय गणना के अनुसार 5 अक्टूबर दिन शनिवार रात्रि 12:20 पर शुक्र ग्रह विशाखा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस नक्षत्र के स्वामी देवगुरु बृहस्पति होते हैं। जब कोई ग्रह अपना नक्षत्र परिवर्तन करता है, तो जग जीवन सहित 12 राशियों पर इसका प्रभाव देखने को मिलता है। शुक्र नक्षत्र परिवर्तन से पांच राशि के जातकों को काफी लाभ मिलेगा, जिसमें वृषभ, कन्या, तुला, कुंभ और मीन राशि को जातक शामिल हैं।

वृषभ राशिः वृषभ राशि के जातक को आर्थिक लाभ होगा। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। व्यापार में पार्टनरशिप में लाभ होगा। जीवन साथी के साथ संबंध मजबूत होंगे।

कन्या राशिः कन्या राशि के जातकों के लिए यह समय अच्छा रहेगा। कार्य क्षेत्र में मान सम्मान बढ़ेगा। सहकर्मियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। व्यापार में लाभ मिलेगा। छात्रों को पढ़ाई में मन लगेगा। अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

तुला राशिः तुला राशि के जातकों के लिए यह समय अच्छा रहने वाला है। अचानक धन का लाभ होगा। नौकरी में तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। किसी को दिया हुआ कर्ज वापस मिल सकता है। स्टूडेंट जातकों को प्रोजेक्ट वर्क में सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दूर होगी ।

कुंभ राशिः कुंभ राशि के जातकों के लिए आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति होगी। मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। रुका हुआ कार्य पूरा होगा।

मीन राशिः मीन राशि के जातकों को कारोबार में सफलता मिलेगी। कार्य क्षेत्र में मान सम्मान बढ़ेगा। रुका हुआ कार्य पूरा होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। मैरिड लाइफ में मधुरता बढ़ेगी।

'गलती से गोली चल गई...बच गए बाबा का आशीर्वाद है...'

रिवॉल्वर कांड पर गोविंदा की आई पहली प्रतिक्रिया

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर गोविंदा के लिए आज की सुबह की शुरुआत काफी खराब हुई. एक्टर को अपनी लाइसेंस रिवॉल्वर साफ करते हुए गोली लग गई. एक्टर इस समय क्रिटिकेयर अस्पताल में भर्ती हैं. डॉक्टर्स उनकी देखभाल कर रहे हैं. गोविंदा के तमाम फैंस भी उनकी हेल्थ को लेकर चिंता में है. अब गोविंदा ने खुद अपने तमाम चाहने वालों को खुद ही अपना हेल्थ अपडेट दिया है। गोली लगने के बाद गोविंदा ने अस्पताल से ऑडियो मैसेज जारी करके अपनी सेहत को लेकर जानकारी दी है. एक्टर ने कहा- मैं अब खतरे से बाहर हूं. गलती से गोली चल गई थी. बाबा का आशीर्वाद है.

मैं अपने डॉक्टर्स का धन्यवाद करता हूं. अपने फैंस का भी मैं आभारी हूं। गोविंदा ने आगे कहा- आप सब लोगों का आशीर्वाद, मां-बाबा का आशीर्वाद और बाबा की कृपा से जो गोली लगी थी वो निकाल दी गई है. मैं धन्यवाद करता हूं आप सभी का।

गोविंदा को कैसे लगी गोली?

गोविंदा को गोली लगने की घटना आज सुबह 4 बजकर 45 मिनट के आसपास की है. गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया है कि एक्टर कोलकाता जाने की तैयारी में थे. उनकी पत्नी सुनीता पहले ही कोलकाता में थीं. लेकिन घर से निकलने से पहले वो अपनी लाइसेंस रिवॉल्वर को साफ करके केस में रख रहे थे. तभी गन उनके हाथ से छूटकर गिर गई और मिसफायर होने से उनके थाई (जांघ) में गोली लग गई. गोविंदा के मैनेजर ने ये भी बताया है कि एक्टर ने गोली लगने के बाद खुद उन्हें कॉल करके घटना की जानकारी दी थी।

कैसी है गोविंदा की हालत?

गोविंदा फिलहाल डॉक्टर्स की निगरानी में हैं. राहत की बात ये है कि एक्टर के पैर से गोली निकाल दी गई है. वो खतरे से बाहर हैं. उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है. बेटी टीना इस समय उनके साथ अस्पताल में ही मौजूद हैं. हालांकि, मिली जानकारी के मुताबिक, गोविंदा को 2 दिनों तक अस्पताल में ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

गोविंदा से मिलने पहुंचीं कश्मीरा शाह

गोविंदा के तमाम रिश्तेदार उनसे मिलने अस्पताल पहुंच रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, कश्मीरा शाह सालों की नाराजगी भुलाकर मामा गोविंदा की सेहत का हाल जानने उनसे अस्पताल में मिलने पहुंचीं. हालांकि, कृष्णा अभिषेक इस समय विदेश में हैं, जिस वजह से वो हॉस्पिटल नहीं जा पाए हैं। गोविंदा की बात करें तो वो आज भी बॉलीवुड के कॉमेडी किंग तौर पर जाने जाते हैं. उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी कॉमिक टाइमिंग, खास डांसिंग स्टाइल और दमदार एक्टिंग से फैंस के दिलों पर तगड़ी छाप छोड़ी है. हिंदी सिनेमा में उनका योगदान काफी बड़ा है. उन्होंने हीरो नंबर 1, कुली नंबर वन, पार्टनर, दूल्हे राजा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है।

सलमान की फिल्म में वरुण धवन की भतीजी की एंट्री

सिकंदर में नजर आएंगी अंजिनी धवन, हाल में ही किया है डेब्यू

वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन ने फिल्म 'बिन्नी एंड फैमिली' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है। यह फिल्म 27 सितंबर को रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंजिनी अब सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में नजर आएंगी। मिड डे के रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म सिकंदर में एक मैन किरदार के लिए किसी फ्रेश फेस की तलाश थी। अ

जिनी उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हैं, इसलिए उन्हें कास्ट किया गया है। अब जल्द ही वो फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। हालांकि, अब तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि फिल्म में सलमान खान के साथ उनका क्या रिश्ता होगा। लेकिन ये जरूर बताया गया है कि अंजिनी फिल्म की अहम कड़ी होने वाली हैं, इसीलिए मेकर्स उनके कैरेक्टर को छिपाकर रखना चाहते हैं।

'सिकंदर' की कास्ट

फिल्म सिकंदर में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना, सुनील शेट्टी, सत्यराज और काजल अग्रवाल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन ए आर मुरुगादास कर रहे हैं।।

'बिन्नी एंड फैमिली' की कहानी

'बिन्नी एंड फैमिली' में वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन के अलावा पंकज कपूर भी नजर आए थे। इस फिल्म की कहानी आज की पीढ़ी से परिचित कराती एक ऐसी लड़की की है, जो जीवन के अलग-अलग अनुभवों से गुजरी है।

गलत मिसाल कायम करने से बचना चाहती थीं तनुश्री

छोड़ दी कई फिल्में, कहा-मैंने बलिदान दिया

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता बॉलीवुड में अपने अभिनय के लिए तो पहचानी जाती हैं, लेकिन फेमिना मिस इंडिया यूनिवर्स 2004 रह चुकी अभिनेत्री को मीटू आंदोलन के लिए भी जाना जाता है। अभिनेत्री ने बॉलीवुड में महिला कलाकारों के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई। हाल ही में अभिनेत्री ने साझा किया कि मीटू के आरोपी ने उन्हें एक परियोजना में काम करने के संपर्क किया था, लेकिन उन्होंने इसके लिए इनकार कर दिया।

अभिनेत्री ने साझा किया कि वह उनके साथ काम करके अपनी छवि को साफ करना चाहते थें, लेकिन वह ऐसा करके कोई गलत मिसाल कायम नहीं करना चाहती थीं। हाल ही में अभिनेत्री ने न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान मुखर होने की कीमत चुकाने के बारे में बात करते हुए कहा, जरूरत इस बात की है कि हर एक अभिनेता किसी मुद्दे के लिए थोड़ा त्याग करने को तैयार हो। दिसंबर 2018 में मुझे एक बहुत बड़े निर्माता ने एक फिल्म ऑफर की थी। उसने कुछ बेहतरीन फिल्में बनाई हैं। लेकिन उसके निर्देशक पर मीटू का आरोप था और मैंने तुरंत इसके लिए मना कर दिया। इस सौदे में कौन हार रहा है? मैंने बहुत लंबे समय से फिल्म में काम नहीं किया है। अभिनेत्री ने आगे साझा किया कि पिछले साल भी उन्हें कोलकाता के एक फिल्म निर्देशक से प्रस्ताव मिला था।

अपनी सुरक्षा के लिए लाइसेंसी हथियार रखते हैं ये बॉलीवुड सितारे, बड़े-बड़े नाम हैं लिस्ट में

अभिनेता और शिव सेना नेता गोविंदा के पैर में गोली लगने की खबर आई है। यह हादसा सुबह करीब पांच बजे हुआ। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक गोविंदा कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे थे। वे अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर केस में रख रहे थे, तभी रिवॉल्वर उनके हाथ से छूट गई और गोली चल गई, जो उनके पैर में जा लगी। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने एएनआई को बताया कि डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है और उनकी हालत अब ठीक बताई जा रही है। गोविंदा इंडस्ट्री के इकलौते सितारे नहीं हैं, जिनके पास हथियार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक और भी कालकार अपनी सुरक्षा के लिए हथियार रखते हैं।

सनी देओल

बताया जाता है कि अभिनेता सनी देओल के पास रिवॉल्वर है। उन्होंने अपनी फिल्म 'सिंह साहब' में भी इसका इस्तेमाल किया था। सनी देओल को फिल्मों में कई बार बंदूक हाथ में थामे देखा गया है, लेकिन असल जिंदगी में भी वे हथियार रखते हैं।

सलमान खान

अभिनेता खान का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। सलमान खान को अपनी सुरक्षा के लिए गन लाइसेंस मिला है। सलमान खान को बिश्नोई गैंग से कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। इसके बाद वे अपनी सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम करके चलते हैं।

पूनम ढिल्लो

बॉलीवुड सितारों के साथ-साथ चर्चित अदाकारा पून ढिल्लो के पास भी गन होने की बात कही जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व फेमिना मिस इंडिया और एक्ट्रेस पूनम ढिल्लो अपनी सुरक्षा के लिए गन रखती हैं। एक

इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का खुलासा किया था।

अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन के पास कई फिल्मों में गोली-बंदूक और रिवॉल्वर देखी होंगी। बताया जाता है कि वास्तविक जीवन में भी उनके पास लाइसेंसी हथियार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के बाद अमिताभ बिग बी ने गन खरीदी थी। उनके पास .32 की रिवाल्वर है।

धमाल के 'आदि-मानव' पर एक वेब सीरीज चाहते हैं जावेद जाफरी

बोले-इंद्र कुमार को दिया था सुझाव

अपने अभिनय से से लोगों के दिलों में अलग जगह बनाने वाले जावेद जाफरी इन दिनों वेब सीरीज ताजा खबर की वजह से सुर्खियों में हैं। इस शो में मुख्य किरदार भुवन बाम ने निभाया है। हाल ही में जावेद ने अपनी फिल्म के बहुचर्चित किरदार आदि और मानव को लेकर एक स्पिन-ऑफ सीरीज की इच्छा जताई है।

भुवन बाम के साथ एक बातचीत के दौरान जावेद ने अपने करियर की यादगार भूमिकाओं और कॉमेडी पर अपने विचार साझा किए। साथ ही, उन्होंने प्रशंसकों ने यह सुझाव दिया कि लोगों को आदि-मानव की जोड़ी को वापस लाने के लिए सोशल मीडिया पर एक हैशटैग भी चलाना चाहिए। ताजा खबर के अभिनेता भुवन ने जब जावेद से पूछा कि उन्हें कौन सा किरदार लगता है कि स्पिन-ऑफ का हकदार है? इस पर जावेद ने धमाल फ्रेंचाइजी के आदित्य श्रीवस्तव और मानव श्रीवास्तव का नाम लिया। फिल्मों की स्लैपस्टिक प्रकृति का जिक्र करते हुए जावेद ने कहा, धमाल फिल्मों में आदि और मानव के किरदारों को बहुत पसंद किया गया, खासकर युवा दर्शकों को ये किरदार खूब भाए। मैंने धमाल के निर्देशक इंद्र कुमार को भी सुझाव दिया था कि आदि और मानव के लिए एक अलग वेब सीरीज ही काफी होगी। जावेद ने आगे अपने पिता के बारे में भी बात की और बताया कि कैसे उनके पिता जगदीप की कॉमेडी आम भारतीयों के अनुभवों पर आधारित थी। जावेद ने खुलासा किया, मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते थे कि उनके दर्शक नरीमन पॉइंट या कफ परेड की गगनचुंबी इमारतों में रहने वाले लोग नहीं हैं।

सह कलाकारों के काम को देखकर घबरा गई थीं तृप्ति डिमरी

बोलीं-विक्की से तीन दिन तक नहीं की थी बात

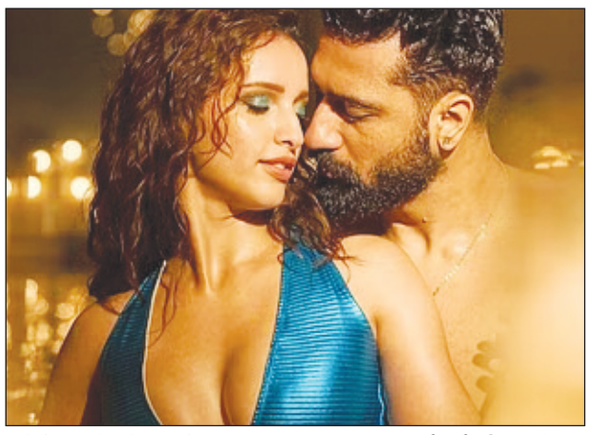

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने राजकुमार राव और विक्की कौशल के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया कि अपने सह कलाकारों के काम और तरीके को देखकर वह कुछ घबरा गई थीं। उन्होंने सेट पर कुछ दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी। साथ ही राजकुमार राव को लेकर भी तृप्ति ने कुछ खुलासे किए हैं।

सह कलाकारों को लेकर किए ये खुलासे

एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने अपने सह कलाकारों को लेकर कुछ खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि 'बैड न्यूज' की शूटिंग के दौरान वह कुछ घबराहट और परेशानी महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री ने तीन दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं की थी। अभिनेत्री ने 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' की शूटिंग के दौरान राजकुमार के साथ काम किया है। उनके साथ हुए अनुभव पर तृप्ति डिमरी ने बताया कि राजकुमार राव एक ही बार में दो पेज का मोनोलॉग पढ़ सकते हैं। वह लिखी हुई लाइनों को नएपन के साथ बोलते हैं।

तृप्ति को एक्टिंग करना लगता था मुश्किल

तृप्ति डिमरी को एक्टिंग करना थोड़ा मुश्किल लगा था। हालांकि, काम करने के साथ ही वह इन चीजों के साथ सहज हो गईं। तृप्ति डिमरी 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत ही घबरा गई थीं। तृप्ति ने कहा,'मैं घबरा गई थी। तीन दिनों तक मैं एक ही चीज पर रुकी हुई थी। हमने पहले गाना शूट किया। मैंने विक्की से ठीक से बात भी नहीं कि क्योंकि मैं उनकी परफॉर्मेंस देखकर घबरा गई थी। निर्देशक के साथ घुलने मिलने में मुझे 5-10 दिन लग गए थे।

क्लैश के लिए तैयार भूल भुलैया 3-सिंघम अगेन

गायब है रिलीज डेट, क्या ये दांव खेलेंगे मेकर्स?

साल के सबसे बड़े त्यौहारों में से एक दिवाली को अब लगभग एक महीने का वक्त बचा है. मगर बॉलीवुड ने सिनेमा हॉल्स में धूम धड़ाका करने की पूरी तैयारी अभी से कर ली है. कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' और अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' (उर्फ सिंघम 3) दिवाली पर थिएटर्स में क्लैश होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कई हफ्तों तक चले कयासों के बाद दोनों फिल्मों के मेकर्स ने पक्का कर दिया है कि वो इस रिलीज डेट से पीछे नहीं हटेंगे और बॉक्स ऑफिस पर डटकर आमना-सामना करने के लिए तैयार हैं? लेकिन क्या सच में दोनों फिल्में एक ही दिन रिलीज होंगी? अब आप सोचेंगे कि जब कन्फर्म हो हुई चुका है तो फिर ये सवाल क्यों!

मौका तो हाजिर है, मगर तारीख गैर हाजिर 'भूल भुलैया 3' को शुरू से ही दिवाली 2024 रिलीज कहा गया था. मगर 'सिंघम 3' पहले स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होने वाली थी. अजय देवगन की फिल्म टली और इसकी नई डेट दिवाली 2024 रख दी गई. रिपोर्ट्स आने लगीं कि दोनों फिल्मों के मेकर्स चाहते हैं कि सामने वाला फिल्म टाल ले. फिर खबर आई कि कार्तिक ने भी अजय देवगन से अपनी फिल्म टालने की रिक्वेस्ट की है। एक तरफ खबरें आती रहीं, दूसरी

तरफ सोशल मीडिया पर बयानों के बमों के साथ फैन वार्स की फुलझड़ियां भी चलती रहीं. आखिरकार रिपोर्ट्स आईं कि रोहित शेट्टी 'सिंघम 3' को दिवाली पर ही रिलीज करेंगे और फिल्म का टीजर 3 अक्टूबर को रिलीज होगा. उधर 'भूल भुलैया 3' के मेकर्स ने डेट अनाउंसमेंट वीडियो, टीजर और बाकी मैटेरियल शेयर करना शुरू कर दिया है।

दिलचस्प बात ये है कि किसी भी प्रमोशन मैटेरियल के साथ 'भूल भुलैया 3' के मेकर्स ने रिलीज की एक पक्की डेट नहीं शेयर की है. सब पर 'दिवाली 2024' ही लिखा है. दूसरी तरफ 'सिंघम 3' की तरफ से भी ऑफिशियली रिलीज डेट नहीं आई है. इससे ये सवाल उठता है कि क्या दोनों फिल्मों के मेकर्स आखिरी मौके तक बाजी पलटने का पैंतरा आजमाने के लिए रुके हुए हैं?

क्लैश के मैदान में, एक-एक दिन का खेल पिछले साल 11 अगस्त इंडिया भर में मेकर्स की फेवरेट डेट बनी हुई थी. 11 अगस्त (शुक्रवार) से 13 अगस्त (रविवार) तक वीकेंड था. 14 अगस्त के सोमवार के बाद, मंगलवार 15 तारीख को स्वतंत्रता दिवस का नेशनल हॉलिडे था. यानी फिल्मों का लिए मौका बड़ा होने वाला था. इसलिए एक 11 अगस्त को बॉलीवुड से 'गदर' और 'OMG 2' एक साथ रिलीज होने के लिए शिड्यूल थीं. तेलुगू में 11 अगस्त 2023 को मेगास्टार चिरंजीवी की 'भोला शंकर' शिड्यूल थी और 12 अगस्त को भी एक फिल्म 'उस्ताद' रिलीज होनी थी।

मगर इस क्लैश में एक कदम आगे की चाल चली सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के मेकर्स ने. 'जेलर' की रिलीज डेट 10 अगस्त रख दी गई. सारी बड़ी फिल्मों से एक दिन पहले! ठीक ऐसा ही खेल 2023 के एक और बड़े क्लैश में भी हुआ. शाहरुख की 'डंकी' और प्रभास की 'सलार' क्रिसमस वाले वीकेंड के लिए शिड्यूल हुईं. मगर जब 'सलार' की रिलीज डेट 22 दिसंबर अनाउंस हुई, तब 'डंकी' को एक दिन पहले 21 दिसंबर, गुरुवार के लिए शिड्यूल कर दिया गया. क्लैश के इस खेल में ये एक दिन बहुत महत्वपूर्ण है और फिल्मों को बड़ी ओपनिंग दिलाने के काम आता है. इसलिए ये पूरा चांस है कि 'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम 3' के मेकर्स एक इंतजार कर रहे हों कि पहले सामने वाला रिलीज की पकी तारीख अनाउंस करें ताकि एक दिन का ये खेल हो सके. दिवाली की ऑफिशियल छुट्टी 1 नवंबर की है और इस तारीख को शुक्रवार भी है. ट्रेंड के हिसाब से शुक्रवार को ही फिल्में ज्यादा रिलीज होती हैं.

परी ने जताई 'अमर सिंह चमकीला' दोबारा शूट करने की इच्छा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अपने दमदार अभिनय से अपने प्रशंसकों का दिल जीत लिया था। साल 2024 में आई फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में दिलजीत दोसांझ के साथ काम किया था। इस फिल्म को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया था। इस फिल्म में परिणीति ने अमरजोत कौर का किरदार निभाया था। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया था। फिल्म में परिणीति के साथ दिलजीत दोसांझ भी नजर आए थे। इसी फिल्म को लेकर परिणीति ने अब एक पोस्ट किया है।

दोबारा फिल्म में काम करना चाहती हैं परिणीति

'अमर सिंह चमकीला' फिल्म में

परिणीति दोबारा काम करना चाहती हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट से उन्होंने एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली को टैग करके दोबारा इस फिल्म के लिए काम करने की इच्छा जताई है। इस पोस्ट में रियर लाइफ अमर सिंह चमकीला की पोस्ट को टैग किया गया है। परिणीति ने लिखा, उफ्फ, क्या हम यह फिल्म दोबारा शूट कर सकते हैं'।

इम्तियाज अली ने दिया ऐसा रिएक्शन

परिणीति चोपड़ा की इस पोस्ट पर इम्तियाज अली ने भी रिएक्शन दिया है। इम्तियाज ने इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए हंसने का इमोजी लगाया है। बता दें 'अमर सिंह चमकीला' पंजाब के मूल रॉकस्टार, अमर सिंह चमकीला की अनकही सच्ची कहानी प्रस्तुत करती है, जो गरीबी की छाया से निकले और 80 के दशक में अपने संगीत की ताकत के कारण लोकप्रियता की ऊंचाइयों तक पहुंचे। हालांकि, इससे कई लोग नाराज भी हुए। यही कारण रहा कि महज 27 साल की उम्र में उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

देवरा देखने पहुंचे फैन का निधन

जूनियर एनटीआर और जान्हवी कपूर स्टारर फिल्म देवराः पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इसी बीच खबर है कि जूनियर एनटीआर के एक फैन की फिल्म देखते हुए मौत हो गई है। हाल ही में जूनियर एनटीआर के फैंस के लिए कडप्पा में स्पेशल स्क्रीनिंग रखवाई गई थी। जमनपल्ले गांव के मस्तान वाली भी फिल्म देखने के लिए कडप्पा पहुंचे थे। अचानक वो बेहोश हो गए। जब उन्हें होश नहीं आया तो दोस्त उन्हें नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अब कैसी है रजनीकांत की तबीयत? पत्नी लता ने बताया सुपरस्टार अब ठीक हैं

सुपरस्टार रजनीकांत को कल सोमवार देर रात चेन्नई के अपोलो ग्रीम्स रोड अस्पताल में भर्ती कराया गया। चेन्नई पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी थी। अभिनेता को गंभीर पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। इस खबर के सामने आने के बाद रजनीकांत के फैंस चिंतित हैं और उनका हेल्थ अपडेट जानना चाहते हैं। रजनीकांतकी पत्नी लता रजनीकांत ने अभिनेता की सेहत का हाल बताया है।

क्या कहा लता रजनीकांत ने?

रजनीकांत की पत्नी ने बताया है कि अभिनेता अब पहले से बेहतर हैं। वे खतरे से बाहर हैं। बात करते हुए लता रजनीकांत ने कहा, 'सब ठीक है'। इससे अधिक सुपरस्टार की पत्नी ने कुछ नहीं कहा। हालांकि, 'सब ठीक है', बयान आने के बाद चिंतित फैंस ने राहत की सांस ली है और वे सुपरस्टार के लिए लगातार दुआ कर रहे हैं।

क्यों बच्चा नहीं चाहते आजकल के युगल, चाइल्ड फ्री मैरिज के फायदे

आजकल समाज में तेजी से बदलते रिश्तों और जीवनशैली के बीच एक नया ट्रेंड उभर कर सामने आ रहा है जिसे चाइल्ड फ्री मैरिज कहा जाता है। इस ट्रेंड में दंपत्ति (कपल) अपने करियर पर फोकस करते हैं और जानबूझकर बच्चे न होने का फैसला करते हैं। इसका मतलब यह है कि दोनों की आय होती है, लेकिन वे बच्चे नहीं चाहते। यह ट्रेंड पश्चिमी देशों में पहले से लोकप्रिय था, लेकिन अब भारत में भी तेजी से पांव पसार रहा है। एक सर्वे के मुताबिक, 9 फीसदी भारतीय युवा शादी तो करना चाहते हैं लेकिन बच्चा नहीं चाहते। चाइल्ड फ्री मैरिज भी कह सकते हैं, जिसमें कपल को फैमिली प्लानिंग की कोई जल्दबाजी नहीं है।

चाइल्ड फ्री मैरिज का चलन बढ़ा

चाइल्ड फ्री मैरिज वो कपल्स होते हैं जो शादीशुदा तो होते हैं, लेकिन बच्चे नहीं चाहते। ये दंपति करियर पर ध्यान देते हैं और अपने जीवन के अन्य लक्ष्यों पर फोकस करते हैं। इस लाइफस्टाइल को अपनाने वाले कपल्स मानते हैं कि बच्चे की जिम्मेदारियों से मुक्त रहकर वे अपनी व्यक्तिगत और प्रोफेशनल जिंदगी में ज्यादा संतुलन बनाए रख सकते हैं।

डिंक कपल ट्रेंड की लोकप्रियता के कारण

करियर पर फोकस

युवा पीढ़ी अपने करियर को प्राथमिकता दे रही है। उन्हें लगता है कि बच्चे होने पर वह अपने करियर के

प्रति उतनी ऊर्जा और समय नहीं दे पाएंगे। खासकर महिलाओं के लिए यह निर्णय मुश्किल होता है क्योंकि बच्चे की परवरिश में उनका करियर अक्सर प्रभावित होता है।

आर्थिक स्वतंत्रता

डिंक कपल्स आर्थिक रूप से स्वतंत्र होते हैं और अपनी दोहरी आय का फायदा उठाकर बेहतर जीवनशैली जीना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चों के बिना वे ज्यादा यात्रा कर सकते हैं, नए अनुभवों का आनंद ले सकते हैं और अपने शौक को पूरा कर सकते हैं।

पर्यावरण और सामाजिक चिंताएं

कुछ कपल्स पर्यावरण और अत्यधिक जनसंख्या की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए बच्चों को जन्म नहीं देना चाहते। वे मानते हैं कि बिना बच्चों के भी वे समाज में योगदान कर सकते हैं, और उनके जीवन का उद्देश्य पूरा हो सकता है।

व्यक्तिगत स्वतंत्रता

कई कपल्स व्यक्तिगत स्वतंत्रता को महत्व देते हैं। बच्चों की जिम्मेदारियों से मुक्त रहकर वे अपने जीवन में अधिक स्वायत्तता और समय पा सकते हैं।

रिश्ते पर फोकस

कुछ दंपति अपने रिश्ते पर फोकस करना चाहते हैं और बच्चे की जिम्मेदारियों के बिना अपने पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं।

चाइल्ड फ्री मैरिज के फायदे

डिंक कपल्स बिना बच्चे की शादी के कई फायदों को लेकर सकारात्मक होते हैं। आइए जानते हैं कि बिना बच्चे की शादी के कुछ महत्वपूर्ण फायदे-

आर्थिक लाभ

बच्चे की परवरिश और शिक्षा में काफी खर्च होता है। हालांकि जिन वैवाहिक जोड़े के बच्चे नहीं होते उनके खर्चे तुलना में कम होते हैं। ऐसे कपल अपनी आय को बेहतर तरीके से निवेश कर सकते हैं या अपनी इच्छाओं और शौक को पूरा कर सकते हैं। इसके अलावा, वित्तीय सुरक्षा के साथ वे भविष्य में आरामदायक जीवन का भी आनंद ले सकते हैं।

करियर में तरक्की

बच्चे न होने की वजह से कपल्स करियर पर पूरी तरह ध्यान दे सकते हैं। महिलाओं के लिए यह विशेष रूप से फायदेमंद होता है क्योंकि उन्हें करियर में ब्रेक लेने की आवश्यकता नहीं होती। इससे उन्हें अपने प्रोफेशनल गोल्स तक जल्दी पहुंचने में मदद मिलती है।

सक्रिय और यात्रा-प्रधान जीवनशैली

बच्चे के बिना कपल्स ज्यादा यात्रा कर सकते हैं, नए अनुभव हासिल कर सकते हैं और अपनी जिंदगी में ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी रख सकते हैं। उन्हें बार-बार अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे उनकी जीवनशैली ज्यादा सक्रिय और रोमांचक हो सकती है।

कम तनाव और जिम्मेदारियां

बच्चों की परवरिश एक बड़ी जिम्मेदारी होती है और इससे जुड़ा तनाव भी काफी ज्यादा होता है। बिना बच्चे के कपल के पास यह तनाव नहीं होता और वे अपने रिश्ते और व्यक्तिगत जीवन को कम जिम्मेदारियों के साथ एंजॉय कर सकते हैं।

स्वास्थ्य और मानसिक शांति

बिना बच्चों के कपल्स अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का बेहतर ध्यान रख सकते हैं। बच्चे की देखभाल में रातों की नींद खराब होने जैसी समस्याएं नहीं होती और मानसिक रूप से भी वे ज्यादा संतुलित रह सकते हैं।

कहीं आप भी तो नहीं हो रहे घोस्टिंग के शिकार ? इन संकेतों से पहचानें

घोस्टिंग यह ऐसा शब्द है जो हाल ही में प्रचलन में आया है। आपने अपने दोस्तों के मुंह से इस शब्द का उच्चारण सुना होगा, पर बहुत से लोग आज भी यह नहीं जानते हैं कि आखिर यह घोस्टिंग है क्या ? दरअसल, जब कोई व्यक्ति अचानक और बिना खास वजह के आपसे दूर होने लगे और आपको इग्नोर करने लगे तो इसे घोस्टिंग कहते हैं।

कई बार घोस्टिंग के मामले मेंटल हेल्थ से जुड़े होते है, क्योंकि बहुत से लोगों में रिश्ता स्वीकारने की हिम्मत नहीं होती, जिस वजह से भी वह घोस्टिंग का सहारा लेकर अपने पार्टनर को इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में अक्सर मनोवैज्ञानिक भी कहते हैं अपनी जिंदगी में घोस्टर्स को जगह नहीं देनी चाहिए।

अगर आप यह सोच रहे हैं कि आप भी घोस्टिंग के शिकार हो रहे हैं, तो यहां कुछ संकेत हैं जिनसे आप पहचान सकते हैं। यदि इन संकेतों के जबाव हां मिल रहा है, तो तुरंत उस व्यक्ति से दूरी बनाएं।

अचानक बात कर दे बंद

हर किसी में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनसे नियमित रूप से बातचीत होती है। ऐसे में अगर वही व्यक्ति बिना किसी वजह से अचानक बात करना बंद कर दे तो यह घोस्टिंग का संकेत हो सकता है।

मैसेज का जबाव न देना

कोई व्यक्ति इतना व्यस्त नहीं होता, कि वो एक मैसेज का जवाब न दे पाए। ऐसे में यदि आपका भेजा हुआ संदेश सीन करके छोड़ दिया जाए, तो यह एक स्पष्ट संकेत हो सकता है कि आप घोस्टिंग का शिकार हो रहे हैं।

योजनाओं को बार-बार टालना

यदि सामने वाला व्यक्ति बार-बार मिलने या बात करने की योजनाओं को टालता रहता है और बिना किसी वैध कारण के बार-बार बहाने बनाता है, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आपका रिश्ता या दोस्ती घोस्टिंग की ओर बढ़ रही है। ऐसे में आपको संभलने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर अनुपस्थिति

सोशल मीडिया पर तो आजकल हर कोई एक्टिव रहता है। ऐसे में अगर सामने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया पर सक्रिय है, लेकिन आपके संदेशों का उत्तर नहीं दे रहा है या आपके पोस्ट को अनदेखा कर रहा है, तो यह घोस्टिंग का संकेत हो सकता है।

दोस्तों या परिचितों से भी दूरी

अगर आप किसी कॉमन फ्रेंड्स या परिचितों के माध्यम से उस व्यक्ति के बारे में जानने की कोशिश करते हैं और वे भी आपसे दूरी बनाते हैं, तो यह घोस्टिंग का एक और संकेत हो सकता है। क्योंकि सामने वाला हर किसी को ये पहले से ही बोल देता है कि आपको किसी तरह की जानकारी न दी जाए।

बात क्लीयर न करना

आपके बार-बार पूछने के बाद भी यदि सामने वाला व्यक्ति दूरी बनाने की वजह नहीं बता पा रहा है, तो मतलब साफ है कि वो एक घोस्टर है, जिससे आपको खुद दूरी बना लेगी चाहिए।

पति रोमांटिक न हो तो अपनाएं ये टिप्स, बेझिझक करेंगे प्यार

कहते हैं कि लड़के ज्यादा एक्सप्रेशिव यानी अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति करने वाले नहीं होते। पार्टनर या पति के मामले में अधिकतर ये धारणा सही होती है। जहां पत्नी खुलकर पति के लिए प्यार और लगाव को जाहिर करती हैं, वहीं अक्सर पति कम बोलते हैं और अपने में ही मगन रहते हैं। पत्नी उम्मीद करती हैं कि पति उनकी तारीख करें, उनके लिए प्यार भरी बातें कहें, रोमांटिक डेट नाइट या डिनर पर जाएं। हालांकि ये सब पति किसी खास मौके पर तो कर देते हैं या फिर पत्नी के कहने पर करते हैं। खुद से रोमांस जाहिर करने में वह थोड़े फिसड्डी हो सकते हैं।

ज्यादातर महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके पति उनसे दिल की बात नहीं कहते, ज्यादा बातें नहीं करते और टीवी या फोन में व्यस्त रहते हैं। बोरिंग या अनरोमांटिक पति से परेशान पत्नी उनसे प्यार की उम्मीद करती हैं। ऐसे में पत्नी को ही कुछ तरीके अपनाकर रोमांस में कमजोर पति को सुधारने की जरूरत होती है। अगर आपके पति में भी ऐसे ही लक्षण दिखते हैं तो रिश्ते में प्यार लाने के लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं। ।

खुलकर बातचीत करें

कई बार पति अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति खुलकर इसलिए नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच संवाद कम होता है। इसके लिए जरूरी है कि पत्नी अपने पति से खुद इच्छाओं और भावनाओं के बारे में बात करें। साथ ही प्यार से समझाएं कि आप रिश्ते में रोमांस की उम्मीद करती हैं। अपनी बात बिना किसी शिकायत के पेश करें। ताकि वह खुलकर अपनी भावनाएं आपके साथ साझा कर सकें।

सरप्राइज दें

रिश्तों में छोटे छोटे सरप्राइज

जादू का काम करते हैं। अगर पति रोमांटिक नहीं है तो आप उनके लिए सरप्राइज प्लान करें। उनकी पसंद का खाना बनाकर या कोई गिफ्ट देकर सरप्राइज कर सकती हैं। इससे उन्हें महसूस होगा कि आप उनके बारे में कितना सोचती हैं। ऐसे में उनके दिल में आपके लिए प्यार का भावना मजबूत होगी और वक्त के साथ पति भी आपके साथ उसी लगाव व स्नेह से पेश आएंगे, जिसकी उम्मीद आप उनसे करती हैं।

अगर आप चाहती हैं कि आपका पति रोमांटिक हो, तो आपको खुद भी रोमांटिक बनना होगा। आप अपने प्यार का इज़हार छोटे-छोटे प्यारे संदेशों, प्यार भरे इशारों या खूबसूरत गिफ्ट्स के जरिए कर सकती हैं। जब आपका पति आपके प्यार और रोमांस को महसूस करेगा, तो वो भी आपकी तरह प्यार जताने के लिए प्रेरित होगा।

रिश्ते में स्पेस दें

हर व्यक्ति रिश्ते में स्पेस चाहता है। पति पर ज्यादा दबाव डालने से वह रोमांटिक होने की जगह और दूर हो सकते हैं। उन्हें थोड़ा वक्त दें। शिकायत न करें, बल्कि रिश्ते में अपनी ओर से प्यार को जाहिर करें ताकि वह बिना दबाव और जबरदस्ती के आप से अपने तरीके से प्यार को जाहिर कर सकें। हर व्यक्ति का अपने प्यार को व्यक्त करने का तरीका अलग होता है। अगर आपके पति सीधे तौर पर रोमांटिक नहीं हैं, तो उनसे धैर्यपूर्वक व्यवहार करें। वक्त के साथ और आपकी समझदारी के साथ वो भी आपके प्रति ज्यादा रोमांटिक हो सकते हैं। उन्हें जबरदस्ती बदलने की कोशिश करने के बजाय अपने रिश्ते को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने दें।

पसंद को अपनाएं

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए आपसी साझेदारी जरूरी है। इसके लिए एक दूसरे की पसंद या शौक में दिलचस्पी लेना फायदेमंद हो सकता है। आप दोनों की साझा रुचि होगी तो उसे साथ में करने से आपके बीच संवाद बढ़ेगा और नजदीकियां आएंगी। जैसे मूवी देखना, गाने सुनना या कोई आउटडोर एक्टिविटी। साथ में ये एक्टिविटी आपको एक दूसरे के करीब लाएगा और पति का आपके लिए रोमांस बढ़ेगा।

सरलता में भी प्यार को पहचानें

कभी-कभी पुरुष अपने प्यार का इजहार रोमांटिक शब्दों या खास तरीकों से नहीं करते, लेकिन उनके छोटे-छोटे कामों में भी प्यार छिपा होता है। अगर वो आपके लिए कुछ करते हैं, जैसे आपकी मदद करते हैं, आपकी बातें सुनते हैं या आपके काम में हाथ बंटाते हैं, तो इसे भी प्यार का इजहार मानें और शब्दों के इंतजार में रहें।

श्राद्ध में अपने पितरों को लगाएं चावल से बनी खीर का भोग

हर साल की तरह इस साल भी पितृ पक्ष की शुरुआत हो गई है। इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर से हो चुकी है, जिसका समापन 2 अक्टूबर को होगा। ऐसे में लोग पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए तर्पण करते हैं और ब्राह्मण भोज कराते हैं। ब्राह्मण भोज में बिना प्याज लहसुन के पकवान बनाकर परोसे जाते हैं। इन्हीं पकवानों में खीर भी शामिल है। ऐसा कहा जाता है कि पितृपक्ष के भोजन में खीर होना बेहद जरूरी होता है क्योंकि भारत देश में अतिथियों का स्वागत मीठे से किया जाता है। ऐसे में जब हम पितृपक्ष में अपने पूर्वजों के नाम का भोज करा रहे हैं तो मीठा बनाना बेहद जरूरी है।

अगर आप खीर बनाना नहीं जानती तो यहां हम आपको आसान विधि से चावल की खीर बनाना सिखाते हैं, ताकि आप भी इसे पितृपक्ष में बनाकर अपने पूर्वजों का आशीर्वाद पा सकें।

खीर बनाने का सामान

चावल – 1/4 कप

दूध – 1 लीटर
चीनी – 1/2 कप
इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच
काजू – 8-10
बादाम – 8-10
किशमिश – 10-12
पिस्ता – 4-5
केसर – 8-10 धागे

विधि

खीर बनाने के लिए सबसे पहले तो चावलों को आधे घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद जब चावल सही से भीग जाएं तो एक भारी तले वाले बर्तन में दूध को धीमी आंच पर उबालें। दूध को बीच-बीच में चलाते रहें ताकि यह नीचे से न लगे। जब दूध उबल जाए, तब उसमें चावल डालें। अब इसे धीमी आंच पर पकने दें। चावल को धीरे-धीरे दूध में पकाएं और बीच-बीच में चलाते रहें ताकि चावल दूध में अच्छी तरह से मिल जाएं और खीर गाढ़ी हो जाए। ध्यान रखें कि इस खीर को आपको लगातार चलाना है, वरना ये नीचे से लग जाएगा। जब चावल पूरी तरह से पक जाएं, तब इसमें चीनी डालें और अच्छे से मिलाएं। चीनी डालने के बाद इसे अच्छी तरह से चलाएं। चीनी डालने के बाद खीर को 5-7 मिनट और पकाएं। अब इसमें इलायची पाउडर, कटे हुए काजू, बादाम, पिस्ता और किशमिश डालें। आखिर में इसे केसर के धागे डालें, ताकि इसका रंग अच्छा सा आए। अब बस आपकी ये खीर तैयार है। इसका भोग अब आप लगा सकती है।

पति शुरू करना चाहते हैं व्यवसाय तो कैसे करें मदद? पत्नी को रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

आपके पति खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं, लेकिन आपके मन में असफलता का डर है, जिस वजह से आप उनका साथ नहीं दे पा रही हैं? आज के दौर में नौकरियों में बढ़ता तनाव और दबाव लोगों को अपना व्यवसाय शुरू करने की ओर मोड़ रहा है। ऐसे में आपके पति भी अगर खुद का व्यवसाय शुरू करने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो यह एक महत्वपूर्ण निर्णय होगा, जो न केवल उनके करियर, बल्कि आपके पूरे परिवार पर भी असर डाल सकता है। ऐसे में उनका साथ देना और उन्हें प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है, ताकि इस नए सफर में आप उनकी एक मजबूत सहयोगी बन सकें।

साथी को समझें

सर्वप्रथम साथी के विचारों और उद्देश्यों को समझने का प्रयास करें। यह समझना जरूरी है कि वह क्यों अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। क्या यह आर्थिक स्वतंत्रता के लिए है, अपने खुद के मालिक बनने की इच्छा है या फिर उनके पास एक ऐसा आइडिया है, जिसको वह सफलतापूर्वक क्रियान्वित करना चाहते हैं? इन सब विषयों पर उनसे खुलकर बातचीत करना जरूरी है। साथ ही जरूरी है अपनी भी चिंताओं और विचारों को उन से साझा करना।

आर्थिक मूल्यांकन

व्यवसाय शुरू करना एक आर्थिक चुनौती है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप दोनों मिलकर अपनी मौजूदा आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करें। यह जानना जरूरी है कि आपके पास कितनी बचत है, परिवार के मासिक खर्चों की क्या स्थिति है और व्यवसाय के लिए कितनी पूंजी की जरूरत होगी।

समर्थन

व्यवसाय शुरू करने का विचार ही ढेर सारी अनिश्चितताओं और चुनौतियों के साथ आता है। इस समय आपके साथी को मानसिक और भावनात्मक समर्थन की अत्यधिक आवश्यकता होती है, इसलिए अपनी ओर से साथी को वित्तीय प्रबंधन, ग्राहकों के साथ संवाद हो या जहां तक हो सके, सहयोग दें।

योजना में भागीदारी

व्यवसाय शुरू करने के लिए एक मजबूत और स्पष्ट योजना की जरूरत होती है। आप इस योजना में भागीदार बनें और सुनिश्चित करें कि सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया गया है। इस योजना में वित्तीय प्रबंधन, मार्केटिंग स्ट्रेटेजी, संचालन प्रक्रिया और कानूनी आवश्यकताओं का ध्यान रखना चाहिए।

नए कौशल

व्यवसाय की सफलता के लिए नए कौशल और ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक होता है। आप अपने पति को नए कौशल सीखने और खुद को अपडेट रखने के लिए प्रोत्साहित करें। यह उन्हें व्यवसाय में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और नई संभावनाओं को समझने में मदद करेगा।

सकारात्मक दृष्टिकोण

व्यवसाय की शुरुआत में ही तुरंत सफलता की उम्मीद करना गलत है। व्यवसाय को समय दें और धैर्य रखें। वहीं सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप हमेशा एक सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखें।

दोनों की साझा जीत

रिलेशनशिप काउंसलर शिवानी मिसरी साधू कहती हैं, साथी के सपनों का समर्थन करना एक मजबूत रिश्ते की आधारशिला है। प्रोत्साहन और समझ मन में आ रहे डर को आत्मविश्वास में बदल सकती है। साथ मिलकर आप ऐसी सफलता प्राप्त कर सकते हैं, जो आपसी प्यार और विश्वास पर आधारित है। जब आप मुश्किल और चुनौतीपूर्ण समय में एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं, जिसमें एक नया उद्यम शुरू करने के साथ आने वाली वित्तीय अनिश्चितताएं भी शामिल हैं तो आप न केवल अपने साथी को आगे बढ़ने में मदद करते हैं, बल्कि अपने रिश्ते की नींव को भी मजबूत करते हैं।

बच्चे को बनाना है संस्कारी तो पहले अपने व्यवहार में लायें बदलाव

वो कहते हैं ना कि हर बच्चे का पहला स्कूल उसका घर ही होता है। बच्चा वही सीखता है, जो उसे घर में देखने को मिलता है। यही वजह है कि लोग अपने बच्चे के सामने काफी सोच-समझ के बोलते हैं। बच्चे के सामने कुछ काम करने से पहले भी कई बार सोचना पड़ता है। खासतौर पर बात करें बच्चे के माता-पिता की, तो हर बच्चा वो सब करता है, जो वो अपने माता-पिता को करते देखता है।

यही वजह है कि बड़े-बुजुर्ग ये सलाह देते हैं कि बच्चों के सामने माता-पिता को बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बच्चा अच्छी आदतें सीखे तो सबसे पहले अपने व्यवहार में कुछ चीजों को जरूर शामिल करें। जब आप अपने व्यवहार में कुछ अच्छी आदतों को शामिल कर लेंगे तो इससे आपका बच्चा भी वही आदतें सीखेगा और अच्छे संस्कारों के साथ ही बड़ा होगा।

रहें दयालु

अपने बच्चे के सामने कभी किसी से हावी न हों। बच्चों के सामने दूसरों पर दयालू रहें, ताकि आपके बच्चे में भी ये आदत आ सके। उन्हें सिखाएं कि अगर किसी से कोई गलती भी हो गई है तो उसे माफ करें। माफ करने वाला हमेशा बड़ा होता है। अपने बच्चे को लोगों की मदद करना भी सिखाएं।

शेयरिंग है जरूरी

अपने बच्चे के सामने परिवार के लोगों के साथ चीजों को शेयर करें, ताकि उन्हें भी शेयरिंग की आदत लगे। अगर आप ही ऐसा नहीं करेंगे, तो इससे उनके ऊपर भी खराब असर पड़ सकता है। ऐसे में अपने बच्चे को शेयरिंग जरूर सिखाएं, जिससे उन्हें स्कूल जाकर किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

भावनाओं को करें नियंत्रित

बच्चे को उनकी भावनाओं पर नियंत्रिण करना सिखाएं। इसका मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि उन्हें हर चीज पर कंट्रोल करना सिखाएं। बस आपको अपने बच्चे को ये एहसास दिलाना है कि भावनाओं को प्रकट करने के लिए सही जगह देखना बेहद जरूरी होता है।

दूसरों की बात सुनें

बच्चे के सामने हमेशा दूसरों की बात अच्छे से सुनें, ताकि उसे भी ऐसा करने की आदत पड़े। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपका बच्चा सिर्फ अपनी कहेगा लेकिन सुनेगा किसी की नहीं। ये आदत काफी खराब होती है। इससे उसे जिद की आदत लग सकती है।

दूसरों का आभार प्रकट करें

यदि आप चाहते हैं कि आपका बच्चा हर किसी से अच्छे से पेश आए तो उसके सामने लोगों का आभार जरूर प्रकट करें। अगर किसी ने आपके साथ कुछ अच्छा किया है तो बिना कुछ सोचे बच्चे के सामने उसे धन्यवाद कहें। ताकि बच्चे को भी ये ध्यान रहे कि उसे भी ऐसा करना है।

भारत छोड़कर चीन की तरफ भाग रहे निवेशक!

ड्रैगन ने एक चाल से पलट दी बाजी?

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले दो साल में एमर्जिंग मार्केट निवेशकों ने 'भारत में खरीदो और चीन में बेचो' की नीति का पालन करते हुए खूब पैसा बनाया। लेकिन चीन के एक कदम से यह स्थिति पलट गई है। चीन की सरकार ने अपनी इकॉनमी में जान फूंकने के लिए हाल में स्टीम्युलस पैकेज का ऐलान किया है। इसके बाद से वहां के शेयर मार्केट में काफी तेजी आई है। इससे निवेशक भारत से पैसा निकालकर चीन का रुख कर रहे हैं। चीन के सीएसआई 300 इंडेक्स में एक सप्ताह में 25% उछाल आई है जबकि हैंग सेंग 16% चढ़ गया। दूसरी ओर निफ्टी और सेंसेक्स दोनों ही बिकवाली का दबाव है। सोमवार के कारोबार में एफआईआई ने एक अरब डॉलर से अधिक की निकासी की। इससे सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंक की गिरावट आई। सिंगापुर की

वित्तीय सेवा फर्म डीबीएस ग्रुप के जोआन सिउ चिन ने कहा कि भारत ने मजबूत प्रदर्शन किया है और हम अन्य बाजारों पर भी नजर रख रहे हैं। चीन और आसियान वास्तव में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। भारत वास्तव में एक डोमेस्टिक लिक्विडिटी मार्केट है। चीन सरकार के मौद्रिक और तरलता उपायों की घोषणा के बाद उसका प्रदर्शन इस साल के बाकी महीनों में भारत से बेहतर रहेगा। लिक्विडिटी को मुक्त करने के लिए चीन ने बैंकों के लिए रिजर्व रेश्यो को 50 आधार अंकों से कम कर दिया है। इसने मौजूदा आवास के लिए मोर्टगेज रेट को भी 50 बीपीएस से कम कर दिया है। चीन सरकार के इन उपायों से उपभोग की मांग बढ़ेगी। इसके अलावा पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी निकट भविष्य में अपनी नीति में ढील देने का संकेत दिया है। नोमुरा के चेतन सेठ ने कहा कि निवेशकों से मिली प्रतिक्रिया और कुछ बाजार संकेतकों का आकलन करने से पता चलता है कि इस बार रैली पिछली बार की तुलना में अधिक टिकाऊ हो सकती है। निवेशक हांगकांग/चीन के शेयरों में कम निवेश कर रहे थे। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। उम्मीद की जा रही है कि चीन के बाजार लंबी नींद के बाद अब उठेंगे। हाल ही में एमएससीआई एसी वर्ल्ड इन्वेस्टेबल मार्केट इंडेक्स में भारत का वेट चीन से अधिक हो गया था।

इससे एफआईआई को फिर से चीन में निवेश करने के लिए पर्याप्त जगह मिल गई है। चीनी शेयरों का सस्ता वैल्यूएशन उन्हें आकर्षित कर रहा है। जियोजित के डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा कि चीन में तेजी लंबे समय तक बनी रह सकती है। इसका मतलब है कि एफआईआई भारत में बेचना जारी रख सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन करने वाले बाजारों में कुछ और पैसा लगा सकते हैं। लेकिन इससे भारतीय बाजार पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि भारी घरेलू निवेशक भी मजबूत हैं।

नवरात्र से पहले ही मिला झटका

गैस सिलेंडर हो गया 50 रुपये महंगा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभी नवरात्रे की शुरुआत भी नहीं हुई है। और लोगों को झटका मिल गया। आज यानी एक अक्टूबर 2024 से सरकारी ऑयल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा कर दिया। यह इजाफा कॉमर्शियल गैस सिलेंडर, जिसे लोग हलवाई भट्टी का भी सिलेंडर कहते हैं, के दाम में हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1691.50 रुपये से बढ़कर 1740 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। मतलब कि यह कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 50 रुपये महंगा हो गया है। इस सिलेंडर का उपयोग ज्यादातर हलवाई या सड़क किनारे रेहड़ी पर पकौड़े तलने वाले या छोले-भठूरे बेचने वाले करते हैं। देश की सबसे बड़ी सरकारी ऑयल कंपनी आईओसीएल की वेबसाइट के मुताबिक आज 1 अक्टूबर 2024 से ने रेट्स लागू हो गए हैं।

अन्य महानगरों में क्या भाव

आज से कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 1850.50 रुपये में मिलेगा जो पहले 1802 रुपए में मिल रहा था। मुंबई में यह सिलेंडर 1692.50 रुपये में मिलेग जो पहले 1644 रुपये में मिल रहा था। चेन्नई में सिलेंडर 1903 रुपये में मिलेगा जो पहले 1855 रुपए का था।

हर महीने होता है बदलाव

ऑयल कंपनियां हर महीने की पहली तरीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करती हैं। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योकि आगामी गुरुवार यानी तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो रही है। इसके 10 दिन बाद ही दशहरा होगा। इसके 15 दिन बाद दिवाली और छह दिन बाद छठ जैसे बड़े त्योहार आ रहे हैं। इससे पहले ही गैस सिलेंडर का महंगा होना लोगों को परेशान कर सकता है।

प्याज-टमाटर के बाद हरी सब्जियां भी हुई लाल

धनिया-लहसुन सैकड़ा पार; इस वजह से बढ़ रहे दाम?

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही आम आदमी को महंगाई का झटका लगने जा रहा है। एक तरफ जहां एलपीजी गैस सिलेंडर के कीमतों में इजाफा हुआ हैं। वहीं दूसरी तरफ मंडियों में हरी सब्जियों के दाम में बढ़ोतरी देखी जा रही है। मंडियों में प्याज, टमाटर के साथ ही अब धनिया, शिमला मिर्च, पालक और लौकी जैसी सामान्य सब्जियों की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। इन दिनों हरा धनिया 200 से 300 रुपए, लहसुन 300 से 400 रुपए, मेथी 200 से 250 रुपए, हरा मटर 200 से 240 रुपए प्रति किलो के भाव से फुटकर में बेचा जा रहा है। इसी तरह हरी मिर्च, गोभी, सेमी, पालक, परमल 60 से 80 रुपए प्रति किलो के दाम पर बिक रहे हैं। जबकि आलू, प्याज व टमाटर में भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। वहीं बाजार में टमाटर के दाम अभी भी 50 से 60 रुपए प्रति किलों और प्याज के दाम 60 से 70 रुपए प्रति किलों बने हुए है। दरअसल, बरसात के मौसम में सब्जियों की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं क्योंकि बारिश की वजह से कटाई, तुड़वाई और पैकेजिंग प्रभावित होती है। इसके अलावा, परिवहन में व्यवधान के कारण सब्जियों की बर्बादी बढ़ जाती है। इससे कीमतों पर और असर पड़ता है। इस साल भीषण गर्मी ने भी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। एशिया की सबसे बड़ी सब्जी और फल थोक मंडी आजादपुर मंडी के व्यापारियों का कहना है कि, पिछले एक महीने में सब्जियों की कीमतों में उछाल आया है, क्योंकि इसकी खेती होने वाले इलाकों में अत्यधिक बारिश ने फसलों और सड़कों को नुकसान पहुंचाया है। पिछले दो हफ्तों से मंडी में आवक कम हुई है, जिससे कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में भारी बारिश के मद्देनजर यह उछाल नजर आ रहा है। सब्जी विक्रेताओं के अनुसार बारिश की नई सब्जियां आने के बाद आवक बढ़ने पर भाव में गिरावट की संभावना की जा सकती है। हालांकि, व्यापारियों का कहना है कि, खरीफ टमाटर की बुआई आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में पिछले साल की तुलना में पिछड़ रही है। महाराष्ट्र में टमाटर में कीटों और बीमारियों की समस्या अधिक है, जिससे आपूर्ति में कमी आई है।

सेंसेक्स-निफ्टी दिन के हाई से फिसला

गिरावट के साथ हुआ क्लोज, मिडकैप स्मॉलकैप स्टॉक्स में रही रौनक

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है. निवेशकों की बिकवाली के चलते शेयर बाजार दिन के हाई से नीचे जा फिसला. एनर्जी और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट आई है. आईटी शेयरों में भारी खरीदारी देखने को मिली है. इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ क्लोज हुआ है. मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते रौनक रही. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 34 अंकों के मामूली गिरावट के साथ 84,266 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 14 अंकों की गिरावट के साथ 25,797 अंकों पर बंद हुआ है.

बाजार के मार्केट कैप में उछाल

बाजार के दोनों ही प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स-निफ्टी गिरकर क्लोज हुआ है. लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में गिरावट के चलते लिस्टेड स्टॉक्स के मार्केट कैप में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 474.98 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 474.35 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था. आज के सत्र में मार्केट कैप में 63000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

आज के ट्रेड में ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल्स, मीडिया कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में तेजी देखने को मिली है. जबकि एनर्जी, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर, बैंकिंग और रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है. बाजार में लेकिन सबसे ज्यादा जोश हाई मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में नजर आया. निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 204 अंकों के उछाल के साथ 60,358 और निफ्टी का स्मॉलकैप इंडेक्स 151 अंकों के उछाल के साथ 19,331 अंकों पर क्लोज हुआ है.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 स्टॉक्स तेजी के साथ बंद हुए और 16 में गिरावट रही. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 21 तेजी के साथ और 29 गिरावट के साथ बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में टेक महिंद्रा 2.93 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.22 फीसदी, कोटक बैंक 1.55 फीसदी, इंफोसिस 1.53 फीसदी, एचसीएल टेक 1.18 फीसदी, एसबीआई 1.01 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.93 फीसदी, नेस्ले 0.68 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.56 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.33 फीसदी, टीसीएस 0.32 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.12 फीसदी, बजाज फाइनेंस 0.93 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक 2.64 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.54 फीसदी, एचयूएल 1.03 फीसदी, टाटा स्टील 0.98 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

80000 करोड़ रुपये स्वाहा, मुकेश अंबानी की कंपनी को दो दिन में तगड़ा नुकसान, क्यों हुआ ऐसा?

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में पिछले दो दिनों से गिरावट जारी है। सोमवार को जहां सेंसेक्स 1100 अंकों से ज्यादा गिर गया था तो वहीं मंगलवार को भी इसमें मामूली गिरावट आई। इस गिरावट में कई दिग्गज कंपनियों के शेयर औंधे मुंह गिर गए। इससे इन्हें काफी नुकसान हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सोमवार और मंगलवार दोनों दिन गिरावट आई। इस गिरावट से कंपनी का मार्केट कैप करीब 80 हजार करोड़ रुपये कम हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सोमवार को 3 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई थी। बीएसई पर यह शेयर 3.35 फीसदी गिरकर 2,956.70 रुपये पर आ गया था। वहीं मंगलवार को भी इसमें गिरावट जारी रही। मंगलवार को इसमें 0.89 फीसदी की गिरावट आई। इस गिरावट के बाद इस कंपनी का शेयर 2,927 रुपये पर आ गया। दो दिन की गिरावट से रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप करीब 80 हजार करोड़ रुपये तक हो गया। सोमवार को 3 फीसदी से ज्यादा गिरावट के कारण कंपनी के मार्केट कैप में करीब 67 हजार करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ कंपनी की मार्केट कैप 19.98 लाख करोड़ रुपये रह गया।वहीं मंगलवार को इसमें करीब 12 हजार करोड़ रुपये की गिरावट आई। ऐसे में इन दो दिनों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 79 हजार करोड़ रुपये कम हो गया। अभी कंपनी का मार्केट कैप 19.82 लाख करोड़ रुपये है।कंपनी के शेयरों में पिछले कुछ समय में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 3.48 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं बात अगर 6 महीने की करें तो भी निवेशकों को नुकसान हुआ है। 6 महीने में इसमें 1.43 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि लॉन्ग टर्म में रिलायंस के इस शेयर ने निवेशकों को फायदा दिया है। 5 साल में इसने करीब 126 फीसदी रिटर्न दिया है। मंगलवार को शेयर मार्केट में फ्लैट क्लोजिंग रही। सेंसेक्स में करीब 33 अंकों की और निफ्टी में करीब 14 अंकों की गिरावट आई। इस गिरावट के साथ सेंसेक्स 84,266.29 अंकों पर और निफ्टी 25,796.90 अंकों पर बंद हुआ।

एयर इंडिया एक्सप्रेस और एआईएक्स कनेक्ट का विलय पूरा, डीजीसीए ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानन नियामक डीजीसीए ने मंगलवार को बताया कि एआईएक्स कनेक्ट का एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय पूरा हो गया है। इस विलय के साथ ही देश में भविष्य में एयरलाइन एकीकरण की दिशा में एक नया मानक स्थापित हो गया है। नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने विलय के लिए अपेक्षित विनियामक अनुमोदन प्रदान कर दिया है। डीजीसीए ने एक विज्ञप्ति में कहा, 1 अक्टूबर, 2024 से एआईएक्स कनेक्ट के सभी विमानों को एआईएक्स के एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट (एओसी) पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि संयुक्त इकाई का एयरलाइन परिचालन बिना किसी व्यवधान के जारी रहेगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुचारू अनुभव मिल सके। ये एयरलाइंस टाटा समूह का हिस्सा हैं। नियामक ने कहा कि वह सभी विनियामक शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने, उपभोक्ता हितों की रक्षा करने और भारत में हवाई परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विलय के बाद की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखेगा। डीजीसीए ने कहा, हमारी कठोर समीक्षा यह सुनिश्चित करती है कि यह विलय सुरक्षित हवाई परिचालन को बढ़ावा देकर जनहित में कार्य करेगा तथा उपभोक्ताओं के लिए समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएगा। डीजीसीए प्रमुख विक्रम देव दत्त ने कहा, इस अनुभव से प्राप्त जानकारी एयर इंडिया और विस्तारा के आगामी विलय के लिए मूल्यवान साबित होगी, जिसकी प्रक्रिया वर्तमान में प्रगति पर है।

दिवाली-छठ पर सफर के दौरान टिकट रखें साथ

नहीं तो होगी परेशानी, सरप्राइज चेकिंग पड़ सकती है भारी

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोग लोग दशहरा, दिवाली और छठ पूजा मनाने के अपने घर जाने की तैयारी कर रहे है। ट्रेनों में भीड़ के चलते कई लोग पहले टिकट बुक कर चुके है,जबकि कुछ लोग स्पेशल ट्रेनों के टिकट मिलने का इंतजार कर रहे है। इस बीच भारतीय रेलवे ने भी त्योहारी सीजन में बगैर टिकट चलने वाले यात्रियों सख्ती की तैयारी कर ली है। दरअसल, त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बड़ी संख्या में भीड़ देखने को मिलती हैं। कई ऐसे यात्री होते हैं, जो वेटिंग का टिकट एसी या स्लीपर कोच में लेकर ट्रेन में सफर करते है, जबकि कुछ ऐसे होते जो बिना टिकट लिए ही ट्रेन में सफर करते हैं। इन्हीं सभी बातों को देखते हुए भारतीय रेलवे की ओर से टिकट चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। ऐसे में जो भी ट्रेन में बगैर टिकट सफर करते हुए पकड़े जाएंगे, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और जुर्माना लगाया जाएगा। रेलवे के अफसरों का कहना है कि भारतीय रेलवे के सभी रेल मंडलों ने सरप्राइज टिकट चेकिंग अभियान को लेकर पूरा प्लान बनाया है। इसमें अलग-अलग रूट पर टिकट चेक किए जाएंगे।

सोना 200 बढ़कर 75,397 पर पहुंचा

चांदी 838 महंगी होकर 90,238 प्रति किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज (1 अक्टूबर) मंगलवार को तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 200 रुपए बढ़कर 75,397 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले इसके दाम 75,197 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं चांदी की कीमत में भी आज तेजी है। ये 838 रुपए बढ़कर 90,238 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 89,400 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है। वहीं सोने ने 26 सितंबर को 75,750 रुपए का हाई बनाया था।

इस महीने 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

अक्टूबर में 4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 9 दिन कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस महीने यानी अक्टूबर 2024 में बैंकों में 15 दिन कामकाज नहीं होगा। देश में कई वजहों से अलग-अलग जगहों पर 9 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनके अलावा 4 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के मौके पर सभी जगह बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 12 अक्टूबर को दशहरे पर देश के ज्यादातर हिस्सों में बैंक बंद रहेंगे। यहां हम आपको अक्टूबर महीने की बैंक छुट्टियों के बारे में बता रहे हैं। आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।अक्टूबर 2024 में शेयर बाजार में 9 दिन कारोबार नहीं होगा।

वेदांता एल्युमिनियम को मिली एक और उपलब्धि

समय से पहले पूरा किया सरकार का टास्क

नई दिल्ली,1 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में एल्युमिनियम बनाने वाली वैसे तो कई कंपनियां हैं। इनमें सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं। लेकिन, देश में सबसे ज्यादा एल्युमिनियम बनाने का श्रेय वेदांता ग्रुप की वेतांदा एल्युमिनियम को है। इसने एक और कमाल किया है।

इसने तय समय से पहले ही इन प्रोडक्ट्स के लिए ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड के स्टेंडर्ड को अपनाते हुए उसका प्रमाणपत्र हासिल कर लिया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने भारत में बेचे जाने वाले सभी एल्युमिनियम वायर रॉड्स और रोल्ड प्रोडक्ट्स को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा सर्टिफिकेशन प्राप्त करना अनिवार्य कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत काम करने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एल्युमिनियम

प्रोडक्ट्स के बारे में एक विशेष आदेश जारी किया है। यह आदेश बीते 26 सितंबर से ही देश भर में लागू हो गया है। इसके मुताबिक भारत में बेचे जाने वाले सभी एल्युमीनियम वायर रॉड्स और रोल्ड प्रोडक्ट्स, जैसे- शीट्स, प्लेट्स और स्ट्रिप्स को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रमाणित किया जाना अनिवार्य है।वेदांता एल्युमीनियम का दावा है कि वह इन प्रोडक्ट्स के लिए बीआईएस प्रमाणन प्राप्त करने वाली भारत की पहली और एकमात्र कंपनी है। यह प्रमाणीकरण छत्तीसगढ़ में कंपनी के बाल्को प्लांट और ओडिशा स्थित कंपनी की झारसुगुड़ा यूनिट में बनाए जाने वाले प्रोडक्ट्स के लिए मिला है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय तथा खान मंत्रालय ने 31 अगस्त, 2023 को ही विशेष साझेदारी के तहत एल्युमीनियम और इसकी मिश्र धातुओं के लिए नए गुणवत्ता नियंत्रण नियम नोटिफाइ किया है। अनिवार्य रूप से बीआईएस प्रमाणीकरण के लिए सरकार द्वारा 26 सितंबर, 2024 तक की समय सीमा दी गई थी लेकिन, वेदांता एल्युमीनियम ने इसे पहले ही अपने प्रोडक्ट्स का प्रमाणीकरण करवा लिया। वेदांता एल्यमुमिनियम भारत की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी है। साल 2023-24 के दौरान कंपनी ने 23.7 लाख टन एल्युमिनियम धातु का उत्पादन किया जो कि यहां बने एल्युमिनियम का आधा से भी ज्यादा है। तभी तो इसकी गिनती दुनिया के टॉप 10 एल्युमिनियम प्रोड्यूसर कंपनियों में होती है। यह दुनिया के 60 देशों में एल्युमिनियम का निर्यात करती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-08 बजे
चंद्र-	कन्या	मे	तुला...	07-12 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	09-22 बजे
बुध-	कन्या	मे	धनु-	11-36 बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	13-42 बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	15-32 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-10 बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-47 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	20-31 बजे
			मिथुन	22-32 बजे
			कर्क--	00-44 बजे
			सिंह---	02-56 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -06-10 सूर्यास्त. -18-00
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अमावस्या 00 -18 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - आश्विन कृष्ण , बुधवार 02 October
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 12 -22 तक उपरान्त हस्त
योग - ब्रह्म 03-20 तक उप ऐन्द्र
करण- चतुष्पाद 10-58 तक उप नाग
विशेष:- देवपितृकार्ये सर्वपितृ
व्रत -त्योहार - अमावस्या श्राद्ध तर्पणं

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:05 से 13:35 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:10 - 07:37 शुभ	उत्पात	18:00 - 19:33 अशुभ
अमृत.	07:37 - 09:06 शुभ	शुभ.	19:33 - 21:04 शुभ
काल.	09:06 - 10:36 अशुभ	अमृत	21:04 - 22:35 शुभ
शुभ	10:36 - 12:05 शुभ	चंचल	22:35 - 00:05 शुभ
रोग.	12:05 - 13:35 अशुभ	रोग	00:05 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:35 - 15:04 अशुभ	काल.	01:36 - 03:07 अशुभ
चंचल.	15:04 - 16:33 शुभ	लाभ.	03:07 - 04:37 शुभ
लाभ.	16:33 - 18:00 शुभ	उत्पात	04:37 - 06:10 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे , लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है , हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर , एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं और अगर सब कुछ ठीक रहता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप एक किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जो आपको एक आकर्षक कैरियर के अवसर प्रदान करेगा । हालांकि,इसे स्वीकार करने से पहले परिणाम के बारे में लम्बा और कठिन सोचने की जरूरत है क्योकि सब चमकती हुई चीज़ सोना नहीं होती । ये आप के आस पास के लोगों को प्रभावित करेगा लेकिन ये दिन इस तरह के एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए उतना अच्छा नहीं है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या हिजबुल्लाह बनेगा रक्तबीज ?

इजरायल 42 साल पहले वाली गलती तो नहीं दोहरा रहा है

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यह ऐलान किया कि लेबनान में आतंकी गुट हिजबुल्लाह के लीडर हसन नसरल्लाह की हत्या आने वाले वर्षों के लिए क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदलने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इजरायल ने लेबनान में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह पर एक के बाद एक कई बड़े हमले किए। पहले पेजर और वॉकी टॉकी विस्फोट, फिर दक्षिणी बेरूत पर एक बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें वरिष्ठ कमांडर इब्राहिम अकील मारा गया। इसके तीन दिन बाद ही एक जबरदस्त बमबारी में हिजबुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह भी मारा गया। इन हमलों में कई इमारतें जमींदोज हो गईं और हिजबुल्लाह की तकरीबन पूरी लीडरशिप खत्म हो गई। इजरायल भले ही इसे अपनी जीत मान रहा हो या इसके पीछे उसका 3H प्लान हो, मगर यह उस पर भारी भी पड़ सकता है। इजरायल को यह नहीं भूलना चाहिए कि कभी उसके इसी तरह के कदमों की वजह से ही हिजबुल्लाह का जन्म हुआ था।

क्या हुआ था 1982 में, जब इजरायल ने उठाया ये कदम

जून 1982 की बात है, जब फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन यानी पीएलओ को कुचलने के मकसद से इजरायल ने लेबनान पर आक्रमण किया। तब इजरायल ने यह सोचा था कि वह लेबनान में ईसाई वर्चस्व वाली एक ऐसी सरकार बनवाएगा, जो उसके समर्थन में होगी। इसके अलावा, वहां से सीरियाई फोर्सेज को बाहर भी निकाला जा सकेगा। इन तीनों ही मकसद में इजरायल नाकाम रहा था।

कभी देश छोड़ने को मजबूर किए गए ये पीएलओ

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. धनंजय त्रिपाठी बताते हैं कि लेबनान में फिलिस्तीनी हथियार बंद समूहों को अमेरिकी मध्यस्थता वाले समझौते के तहत देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। उस वक्त पीएलओ को ट्यूनीशिया, यमन और अन्य जगहों पर निर्वासन में भेज दिया था। हालांकि, पांच साल बाद ही पहला फिलिस्तीनी इंतिफादा या विद्रोह गाजा में भड़क गया और पश्चिमी तट तक फैल गया। आज फिलिस्तीनी अपने मकसद के लिए अडिग हैं। वो इजरायली कब्जे को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। नीचे दिए ग्राफिक से समझते हैं कि इजरायल के हालिया हमलों के बाद अब उसकी लीडरशिप में कौन बचा है।

दूसरा इजरायल आक्रमण, ऑपरेशन पीस फॉर गैलिली

1982 के लेबनान युद्ध को लेबनान पर दूसरा इजरायली आक्रमण भी कहा जाता है। यह 6 जून, 1982 को उस वक्त शुरू हुआ, जब इजरायल ने दक्षिणी लेबनान पर आक्रमण किया। आक्रमण दक्षिणी लेबनान में एक्टिव फिलिस्तीन मुक्ति संगठन और इजरायली सेना के बीच जबरदस्त लड़ाई हुई, जिसमें सीमा के दोनों ओर नागरिक मारे गए थे। इजरायली सैन्य अभियान का कोड नाम ऑपरेशन पीस फॉर गैलिली था।

इजरायली राजदूत की हत्या की कोशिश बताई गई वजह

अबू निदाल जैसे आतंकी सगंठन (फतह) के आतंकियों ने ब्रिटेन में इजरायल के राजदूत श्लोमो अर्गोव की हत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद तत्कालीन इजरायली प्रधानमंत्री मेनाकेम बेगिन ने पीएलओ को दोषी ठहराया। उन्होंने लेबनान में इजरायली आक्रमण के पीछे यही वजह बताई।

जिसे इजरायल ने सत्ता पर पहुंचाया, उसकी हत्या हुई

इजरायल की सरकार ने जब पीएलओ को निकाल बाहर किया तो उसने राष्ट्रपति बशीर गेमायेल के नेतृत्व में एक इजरायल समर्थक ईसाई सरकार बनवाई। इजरायल सरकार ने एक संधि पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद जताई थी, जो इजरायल को '40 साल की शांति' देगी। मगर, इसी बीच सितंबर, 1982 में गेमेल की हत्या हो गई और शांति संधि की बात धरी की धरी रह गई।

आखिरकार जन्म हुआ हिजबुल्लाह का

इस युद्ध की वजह से बड़ी संख्या में इजरायली जनता मारी गई। इजरायली जनता का मोहभंग हो गया दिया। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने 29 सितंबर, 1982 को लेबनान में अपना अभियान समाप्त कर दिया। फरवरी से अप्रैल 1985 तक इजरायली सेना ने दक्षिण लेबनान सुरक्षा क्षेत्र में कब्जा कर रखा था, जिससे ईरान समर्थित लड़ाका समूह हिजबुल्लाह का जन्म हुआ। इसने 2000 में लेबनान से आईडीएफ की अंतिम वापसी तक इजरायली कब्जे के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ दिया।

गुरिल्ला रणनीति ने इजरायल की नाक में किया दम

माना जाता है कि 1982 के इजरायली आक्रमण का सबसे अहम नतीजा यह हुआ कि हिजबुल्लाह के रूप में ऐसा नासूर पैदा हुआ, जिसने इजरायल के खिलाफ लगातार गुरिल्ला युद्ध छेड़ दिया। इसने इजरायल को दक्षिण लेबनान से एकतरफा हटने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसा पहली बार था जब जब किसी अरब सैन्य बलों ने इजरायल को पीछे हटने के लिए मजबूर किया। अरब की धरती से ईरान की मदद से यह नया समूह उन फिलिस्तीनी उग्रवादियों से ज्यादा अधिक घातक और प्रभावी साबित हुआ। 2005 तक इस लड़ाई में ईरान ने हिजबुल्लाह की जमकर मदद की।

क्या अमेरिका भी इस युद्ध में शामिल हो सकता है

हिजबुल्लाह ने इजरायल के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने की बात कही है। उसने ठाना है कि वह गाजा, फिलिस्तीन और लेबनान की रक्षा के लिए वो लगातार लड़ाई लड़ता रहेगा। हिजबुल्लाह और ईरान दोनों जानते हैं कि अगर वे इजराइली शहरों पर मिसाइल हमले करते हैं तो इसके तुरंत दो नतीजे होंगे- ईरान के खिलाफ इजरायल जवाबी कार्रवाई करेगा और इस संघर्ष में अमेरिका भी शामिल हो सकता है, जिसके क्रूज मिसाइलों से लैस युद्धपोत तट पर खड़े हैं। ऐसी भी संभावना है कि इस पूरे संघर्ष में इराक, सीरिया और यमन के ईरान समर्थित मिलिशिया ग्रुप भी शामिल हो जाएं। कुछ एक्सपर्ट तो इससे तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत भी बता रहे हैं।

हमास की तरह ही हिजबुल्लाह को झटका, क्या करेगा

इस्माइल हानिया की मौत हमास के लिए जितना बड़ा झटका था। नसरल्लाह का मारा जाना हिजबुल्लाह के लिए उससे भी बड़ा झटका है। हानिया को तेहरान में मारा गया था, जबकि नसरल्लाह को लेबनान में ही दफन कर दिया गया। हिजबुल्लाह के संस्थापकों में से एक हसन नसरल्लाह कई दशकों से इस समूह की अगुवाई कर रहे थे। इससे हिजबुल्लाह की लीडरशिप और आत्मविश्वास को बड़ी ठेस पहुंची है। हिजबुल्लाह ने पहले ही यह लड़ाई जारी रखने की कसम खाई है। उसके पास अभी भी हजारों लड़ाके हैं, जिनमें से कई के पास हाल ही में सीरिया में जंग लड़ने का अनुभव है और वो बदला लेने की मांग कर रहे हैं।

ईरान के लिए भी झटका, क्यों हिजबुल्लाह उसका प्रॉक्सी

नसरल्लाह का मारा जाना ईरान के लिए भी बड़ा झटका है क्योंकि हिजबुल्लाह उसका प्रॉक्सी था। ईरान ने बीते 50 सालों में इस इलाके में मौजूद इजरायल विरोधी समूहों को मिलाकर 'एक्सिस ऑफ रजिस्टेंस' बनाया था। हिजबुल्लाह ईरान का प्रॉक्सी इसलिए है, क्योंकि इससे वह मध्य पूर्व में इजरायल के खिलाफ ताकतवर गठबंधन बना सकता है। उस पर नकेल कस सकता है।

इजरायल का प्लान है वह 3H यानी हमास, हिजबुल्लाह और हूती पर लगातार इतने हमले करे कि तीनों घुटने के बल आ जाएं। इजरायली डिफेंस फोर्सेज की ताबड़तोड़ कार्रवाई से हिजबुल्लाह की कमर टूट चुकी है। अब योजना यह है कि हिजबुल्लाह को इतना मजबूर कर दिया जाए कि यह समूह इजरायल के खिलाफ हमले करना बंद कर दे। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू खुद यह मानते हैं कि इन आक्रमणों से हिजबुल्लाह के हाथ से सत्ता छिन जाएगी और वह पूरी तरह कमजोर हो जाएगा। नेतन्याहू चाहते हैं कि हिजबुल्लाह इजरायल में रॉकेट दागना बंद करे। हालांकि, इजरायल की यही चाहत उसे हिजबुल्लाह को रक्तबीज जैसा बना सकती है। उसके जैसे कई और आतंकी संगठन रक्तबीज की तरह नए रूप में जन्म ले सकता है।

नसरल्लाह की मौत ईरान के लिए भी बड़ा झटका है। उसने अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई को इजरायली हमले के डर से कहीं छिपा दिया है। जुलाई में तेहरान के एक गेस्ट हाउस में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया की अपमानजनक हत्या का बदला भी अभी तक ईरान नहीं ले पाया है। अब नसरल्लाह की हत्या के बाद ईरान अब नई रणनीति पर विचार कर रहा होगा।

धनंजय त्रिपाठी के अनुसार, ईरान के पास मध्य पूर्व में उसके मित्र देशों के भारी हथियारों से लैस लड़ाकों का एक पूरा संगठन है, जिसे कथित तौर पर 'प्रतिरोध की धुरी' (एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस) कहा जाता है। हिजबुल्लाह के अलावा यमन में हूती और सीरिया और इराक में भी कई शिया संगठन हैं, जिन्हें ईरान इजरायली और अमेरिकी ठिकानों पर हमले करने के लिए कह सकता है। हालांकि, वह इसके लिए सौ बार सोचेगा, क्योंकि इसकी प्रतिक्रिया बेहद जबरदस्त होगी।

क्या कैंप डेविड जैसा समझौता नहीं कराएगा अमेरिका

17 सितंबर, 1978 को कैंप डेविड समझौते पर मिस्र के तत्कालीन राष्ट्रपति अनवर सादात और इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाकेम बेगिन ने दस्तखत किए थे। मैरीलैंड के कैंप डेविड में 12 दिनों की सीक्रेट बातचीत के बाद इन दो समझौतों पर अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर की मौजूदगी में व्हाइट हाउस में हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों से मिस्र और इजरायल के बीच 1979 की मिस्र-इजरायल शांति संधि की राह खुली। इन्हीं समझौतों की वजह से सादात और बेगिन को संयुक्त रूप से 1978 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। हालांकि, अमेरिका के हालिया रुख से अभी समझौते की गुंजाइश नहीं दिखती है।

30 गांव के लोगों से 10 करोड़ ठगे

ऐप डाउनलोड कराकर निवेश कराया, फिर विड्रॉल बंद हुआ, 3 जिलों में सैकड़ों केस

बलरामपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में 30 गांवों के लोग ज्यादा रिटर्न की लालच में 10 करोड़ रुपए की ठगी का शिकार हो गए। यह ठगी एंटोफागसटा पीएलसी ऐप के जरिए की गई। ऐप इंस्टॉल कर लोगों ने कुछ हजार से लेकर 7 लाख तक निवेश कर दिए। बताया जा रहा है कि ऐप विदेशी कंपनी के नाम पर है।

लोगों के लाखों-करोड़ों रुपए फंसने के बाद ऐप से पैसे की निकासी (विड्रॉल) बंद कर दी गई। दोबारा ऐप चालू करने के नाम पर 8400 रुपए और मांगे गए। इसके बाद 50 से ज्यादा लोगों ने चलगली थाने में शिकायत दर्ज कराई। बलरामपुर एसपी वैभव रमनलाल ने कहा कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। ठगी का आंकड़ा 30 करोड़ से ज्यादा हो सकता है। दो जिले एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) और कोरबा में भी ऐसी शिकायत मिली है। यहां भी लोगों के करोड़ों रुपए फंसे हुए हैं। दोनों ही मामलों में तरीका एक जैसा ही है। ऐप डाउनलोड कराकर ठगी की गई है। लोगों ने जो ऐप डाउनलोड किया है, वह अब भी मोबाइल पर मौजूद है। उनके वॉलेट में पैसा भी दिखा रहा है, लेकिन विड्रॉल नहीं हो रहा है। विड्रॉल करने पर अमाउंट बैंक खाते में नहीं आ रहा। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, एंटोफागसटा पीएलसी ऐप में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, शिक्षक और ज्यादातर किसान शामिल हैं। इसके अलावा बताया जा रहा है कि एसपी कार्यालय और कलेक्टर कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों ने भी निवेश किया। हालांकि, वे अभी सामने नहीं आए हैं। इस ऐप में निवेश की शुरुआत मजदूरी करने के लिए चेन्नई जाने वाले एक युवक ने की थी। शुरुआती 600 रुपए के निवेश पर रोज उसके अकाउंट में 12 रुपए आने लगे तो उसने अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को इसकी जानकारी दी। एंटोफागसटा पीएलसी ऐप गूगल प्ले स्टोर में नहीं है। लोगों ने यह ऐप एपीके लिंक से जॉइन किया। बड़ी संख्या में लोगों ने पैसे जमा कराए। गांव के लोगों ने 20 हजार रुपए से 7 लाख रुपए तक का निवेश किया है। शुरू में पैसे कुछ दिनों तक खाते में आए।

मां ने बेटी-बेटे को जहर देकर खुद पिया

बच्चे की मौत, महिला और बच्ची की हालत गंभीर, घटना का कारण स्पष्ट नहीं

कोरबा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मंगलवार सुबह मां ने अपने 2 बच्चों को जहरीला पदार्थ पिला दिया और फिर खुद भी पी लिया। इसमें 4 साल के बेटे की मौत हो गई। जबकि मां और बेटी की हालत गंभीर है। मामला बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के बुंगेली गांव का है। मृत बच्चे का नाम शिवम कश्यप (4) है। मां संगीता कश्यप और बेटी शिवानी कश्यप (7) को पहले कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। जहां से उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है। घटना का कारण अभी सामने नहीं आया है। जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान संगीता का पति मधु कश्यप किसी काम से घर से बाहर था। इसी दौरान संगीता ने सामूहिक खुदकुशी का प्रयास किया। ये नहीं पता चला है कि तीनों ने क्या पीया है। पड़ोसियों ने चारों को बेसुध हालत में देखा।

पड़ोसियों ने बताया कि, चारों के मुंह से झाग निकल रहा था। छोटा बेटा होश में नहीं था। बेटी भी गंभीर हालत में थी। तीनों को कटघोरा अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने मां-बेटी को ऑक्सीजन सपोर्ट में रेफर कर दिया। संगीता कश्यप की चाची जानकी बाई ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते जहर खाने की बात सामने आई है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है।

नक्सलियों ने कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे 5 ट्रकों को जलाया

हजारीबाग में फायरिंग और ड्राइवरों से मारपीट की, रामेश्वर महतो के घर कुर्की से नाराज थे

हजारीबाग, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग में नक्सलियों ने देर रात कोयला ट्रांसपोर्टिंग में लगे पांच ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान 10 से 12 की संख्या में आए नक्सलियों ने कई राउंड फायरिंग भी और ट्रक ड्राइवरों के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं। मामला रात 2 बजे जिले के केरेडारी थाना के चट्टी बरियातू की है। यह घटना किस संगठन ने की है अभी तक स्पष्ट नहीं है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि गत 29 सितंबर को केरेडारी पुलिस द्वारा बीकेएस तिवारी ग्रुप सुप्रीमो रामेश्वर महतो उर्फ पहाड़ी के घर

किए गए कुर्की जब्ती से नाराज होकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। बता दें कि जिस क्षेत्र में यह घटना हुई है, उसी इलाके की एक कंपनी में अपराधियों ने दिन-दहाड़े एक कंपनी में घुस कर गोलीबारी की थी। अभी उस मामले की जांच भी नहीं हो पाई है। मौके पर मौजूद हाइवा चालकों ने बताया कि नक्सली अपने साथ पेट्रोल ले कर आए थे। देर रात एक कतार में छह गाड़ियां लगी हुई थी। नक्सलियों ने कतार के बीच में लगी एक हाइवा को आग के हवाले नहीं किया। दूसरी गाड़ियों को जला दिया। जिस हाइवा को नक्सलियों ने आग नहीं लगाया, उसका चालक बाद में चालक अपने वाहन को वहां से लेकर फरार हो गया।

कांग्रेस न्याय-यात्रा मंच पर भिड़े समर्थक

कार्यकर्ताओं ने फाड़ा पोस्टर, बैज के साथ चले महंत-मरकाम

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस समर्थक आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि यूथ कांग्रेस के दो कार्यकर्ता आपस में ही भिड़ गए। मंच पर ही किस कारण से भिड़े ये पता नहीं चल पाया है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस न्याय यात्रा निकालने का ढोंग कर रही है। कार्यकर्ता अपने ही नेताओं के बैनर-पोस्टर फाड़ रहे हैं। पांचवें दिन यानी आज सारागांव से यात्रा शुरू होगी और सड्डू में खत्म होगी। इससे पहले यात्रा के चौथे दिन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को मोहन मरकाम, अनिता योगेंद्र शर्मा, छाया वर्मा, चरणदास महंत, ज्योत्सना महंत सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारियों का साथ

मिला। कांग्रेस की न्याय यात्रा में किसी तरह का विवाद ना हो, इसलिए बड़े नेता एकजुट दिखे। बीजेपी पर हमलावर भी रहे। दीपक बैज के पहुंचने से पहले स्थानीय बड़े नेताओं ने विवाद कर रहे कार्यकर्ताओं को समझाइश दी। उसके बाद मामला शांत हुआ। दीपक बैज के गुजरने के बाद पोस्टर फाड़ने वाले सभी कार्यकर्ता यात्रा से वापस चले गए। कांग्रेस नेता चरणदास महंत ने कहा कि दीपक बैज के नेतृत्व में सभी विधायक, पूर्व मंत्री और कांग्रेस के नेता अलग-अलग समय में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों का साथ भी मिल रहा है। हमें एकता और भाई चारा चाहिए। सड़क साय सरकार ने नहीं दी, गडकरी ने सड़क दी है। हमारे कार्यकाल में भी सड़कें मिलती थी।

बस्तर संभाग के जिलों में अगले 3 दिन बरसात

प्रदेश में मानसून कोटे से 8% ज्यादा बरसा पानी, 46 छोटे-बड़े डैम लबालब

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मानसून का सीजन खत्म हो गया है लेकिन लौटते मानसून से बस्तर संभाग में अगले दो से तीन दिन तक एक दो जगहों पर बारिश हो सकती है। प्रदेशभर में बारिश थमने से अगले दो दिन में दिन का तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इस साल मानसून कोटे से 8 फीसदी ज्यादा पानी गिर चुका है जिससे प्रदेश के 46 डैम लबालब है। छोटे-बड़े बांधों में 83.34 फीसदी तक जलभराव हो चुका है। वहीं अच्छी बरसात के बावजूद 5 जिलों में सूखे जैसे हालात हैं। रायपुर में मानसून पर ब्रेक लगने के बाद सोमवार शाम को हुई 10 मिनट की बारिश ने और उमस बढ़ा दी है। सबसे ज्यादा तापमान 35.3 डिग्री सुकमा में दर्ज किया गया। सोमवार को प्रदेश में मानसून की सक्रियता सामान्य से कम रही। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सबसे ज्यादा कोरिया में 20 मिमी बारिश हुई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में इस बार पिछले साल की अपेक्षा कम बारिश हुई है। वहीं पिछले 3 दिनों से शहर में बारिश नहीं हुई, जिससे उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेचैन कर दिया। आज भी लोग गर्मी और उमस से हलकान होंगे। सोमवार की सुबह से आसमान साफ था और तेज धूप निकली हुई थी।

आज झारखंड के हजारीबाग आ रहे पीएम मोदी

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की करेंगे शुरुआत, भाजपा की परिवर्तन यात्रा का करेंगे समापन

रांची/हजारीबाग, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अक्टूबर को झारखंड आएंगे। वे रांची एयरपोर्ट आएंगे और चॉपर से हजारीबाग जाएंगे। दोपहर करीब 2 बजे हजारीबाग में 83,300 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। पीएम झारखंड से पूरे देश के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की शुरुआत करेंगे। इस अभियान 79,150 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। इसके साथ ही राज्य में शुरू हुए भाजपा की परिवर्तन यात्रा का समापन भी करेंगे। इसके साथ ही पीएम 40 एकलव्य स्कूलों का उद्घाटन और 25 एकलव्य स्कूलों की आधारशिला रखेंगे। विधानसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री का यह लगातार दूसरा दौरा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों और 2,740 प्रखंडों में 5 करोड़ से अधिक जनजातीय लोगों को जोड़ा जाएगा। इसका उद्देश्य केंद्र सरकार के 17 मंत्रालयों और विभागों द्वारा सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण विकास करना है।

सीएम हेमंत सोरेन का बड़ा एलान

राज्य के 24 जिलों में गरीब बच्चों के लिए स्कूल खोलेगा श्रम विभाग

रांची, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में आगामी कुछ ही दिनों में विधानसभा चुनाव का एलान हो सकता है। इसे लेकर एक तरफ जहां तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से अपनी-अपनी तैयारियां की जा रही है। वहीं राज्य में सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तरफ से तमाम सरकारी योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया जा रहा है। इस कड़ी में आज धनबाद के दौरे पर पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन ने बड़ा एलान किया है। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य का श्रम विभाग अगले साल से 24 जिलों में गरीब बच्चों के लिए स्कूल खोलने का काम शुरू करेगा। धनबाद जिले में एक सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए सीएम सोरेन ने यह भी कहा कि झारखंड में मॉडल स्कूलों की संख्या वर्तमान 80 से बढ़कर 5,000 हो जाएगी, ताकि गरीब बच्चे निजी स्कूलों के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस कार्यक्रम में, मुख्यमंत्री ने लगभग 36,996 युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किए, जिन्हें कई राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भर्ती किया गया था।

6 अक्टूबर तक बारिश की संभावना नहीं

रांची, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में 6 अक्टूबर तक राज्य के मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने जा रहा है। हर दिन की तरह अगले एक सप्ताह तक दिन के पहले पहर में तेज धूप होगी और दोपहर दो बजे के बाद कहीं हल्के तो कहीं मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। सोमवार को भी राजधानी रांची सहित राज्य के अलग-अलग जिलों में पहले धूप फिर तेज बारिश का नजारा देखने को मिला। दोपहर बाद हुई बारिश के बाद शाम में फिर मौसम साफ हो गया। आज सुबह से ही धूप निकली हुई है। मौसम विभाग की ओर से भी कोई चेतावनी नहीं जारी की गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बीते 24 घंटे में राज्य में मानसून काफी कमजोर रहा। हल्के दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 22 मिमी हुई। यह बारिश हजारीबाग में रिकॉर्ड की गई। बात अधिकतम तापमान की करें तो 35.6 डिग्री सेल्सियस सरायकेला का रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम तापमान रांची का रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। मानसून के देशभर से विदा होने की सामान्य तिथि 15 अक्टूबर है। अब अगले एक से डेढ़ महीने दिन और रात के तापमान में अंतर और बढ़ जाएगाा। नवंबर के तीसरे हफ्ते से दिन में भी तापमान कम होना शुरू होगा, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। दिसंबर में पहाड़ों पर बर्फबारी की शुरुआत से मैदानों में भी ठंड दस्तक देगी। नवंबर के आखिरी तक ला-नीना पैदा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। ला-नीना में अक्सर ज्यादा ठंड रहती है। झारखंड में 30 सितंबर तक 1011.6 मिमी बारिश हो चुकी है। सामान्य तौर पर 1022.9 मिमी बारिश दर्ज होनी चाहिए थी। राज्य में सबसे अधिक बारिश इस मानसून में धनबाद में 1417 मिमी हुई है।

झूठ बोल सत्ता में काबिज हैं हेमंत सोरेन

झारखंड में बनेगी डबल इंजन की सरकार, बोले-ओडिशा के सीएम मोहन चारण मांझी

चाईबासा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलवार को चाईबासा परिसदन में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चारण मांझी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए वर्तमान झारखंड सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झूठ बोल कर हेमंत सोरेन की सरकार पिछले 5 सालों से सत्ता पर बैठी हुई है। उन्होंने जो चुनाव में वादे किए थे एक भी वायदे अब तक पूरे नहीं किए। इसलिए झारखंड में भाजपा के द्वारा परिवर्तन यात्रा निकाली गई है। जिसका पूरा समर्थन लोगों से मिल रहा है। आने वाले दिनों में भाजपा की डबल इंजन की सरकार झारखंड में बनने जा रही है। उन्होंने ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने शपथ ग्रहण के 1 घंटे बाद ही कैबिनेट की बैठक बुलाकर विभिन्न जानकारी योजनाओं को पारित किया है। पिछले 24 सालों में नवीन पटनायक की सरकार ने नहीं किया था वह काम हमने 100 दिनों के अंदर किया है। इसी तरह के कार्य अब झारखंड में भी होगा। इस दौरान श्री मांझी ने कहा कि हमारा पड़ोसी राज्य झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला एवं पूर्वी सिंहभूम में करीब 40% उड़िया भाषा भाषी के लोग रहते हैं। उड़िया भाषा भाषी के उत्थान के लिए उड़िया पढ़ाने वाले शिक्षकों को उड़ीसा सरकार 3000 के बजाय अब 6000 रुपए का मानदेय देने की भी घोषणा करती है। झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनी तो उड़िया भाषा के उत्थान के लिए और विकसित किया जाएगा। मौके पर भाजपा के उड़ीसा के विधायक वकील चंद्र नायक एवं जोलेन वहन्दा, का क्या लाभ है भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बड़कुवर गागराई,दिनेशानंद गोस्वामी जेबी तुबिद मौजूद रहे।

स्कूल बस में आग, 25 स्टूडेंट्स की मौत

5 टीचर्स समेत 44 लोग सवार थे दावा– टायर फटने से हुआ हादसा

बैंकॉक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाइलैंड में एक स्कूल बस में आग लगने से 25 छात्रों की मौत हो गई है। बस में 44 लोग सवार थे, जिनमें से 16 को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल रेस्क्यू वर्कर्स बाकी बच्चों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। आग लगने की वजह अब तक सामने नहीं आई है। हालांकि मौके पर मौजूद चश्मदीदों का कहना है कि बस का टायर फटने की वजह से आग लगी। रॉयटर्स के मुताबिक हादसा बैंकॉक के खू खोट इलाके में मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ। बस एक स्कूल ट्रिप से लौट रही थी। बस में 3 से लेकर 15 साल की उम्र तक के बच्चे मौजूद थे। इसके अलावा इनके साथ 5 टीचर भी सवार थे। बीबीसी के मुताबिक, बस का ड्राइवर फरार है और उसे ढूंढने की कोशिश की जा रही है।

थाइलैंड की प्रधानमंत्री पाइतोंग्तार्न शिनावात्रा ने हादसे में जाने गंवाने वाले बच्चों के परिजनों के प्रति शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर को घटनास्थल पर जाकर हालात का जायजा लेने का आदेश दिया है।

वहीं देश के गृह मंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने कहा कि बचावकर्मियों के पहुंचने के बाद भी बस इतनी ज्यादा गर्म थी कि उसके अंदर जाना बेहद मुश्किल था। इस वजह से हादसे के काफी देर बाद तक शव बस में ही थे। मरने वालों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

थाइलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री ने कहा कि बस कॉम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) से चल रही थी। यह बेहद दुखद घटना है। मैंने मंत्रालय से इस तरह के पैसेंजर व्हीकल्स के लिए सीएनजी जैसे फ्यूल का इस्तेमाल बैन कर कोई और विकल्प तलाशने को कहा है।

थाइलैंड सड़क सुरक्षा के मामले में सबसे खराब देशों में से एक है। यहां खराब वाहनों और गलत तरह से ड्राइविंग की वजह से हर साल 20 हजार दुर्घटनाएं होती हैं।

हर साल 2 मिमी बढ़ रही है माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई

क्यों बढ़ रहा दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत

लंदन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई हर साल 2 मिलीमीटर बढ़ रही है। एक नए अध्ययन के अनुसार, एक नदी एवरेस्ट के आधार पर चट्टान और मिट्टी को काट रही है, जिससे यह ऊपर की ओर उठ रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा है कि एवरेस्ट सामान्य ऊंचाई से 15-50 मीटर अधिक ऊंचा है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं ने कहा कि 75 किमी दूर अरुण नदी बेसिन में भूस्खलन के कारण दुनिया की सबसे ऊंची चोटी हर साल 2 मिमी तक बढ़ रही है।

अध्ययन के सह लेखकर एडम स्मिथ ने बीबीसी से बात करते हुए बताया कि 'यह जहाज से लदा हुआ माल फेंकने जैसा है। जहाज हल्का हो जाता है, इसलिए थोड़ा ऊपर तैरता है। इसी तरह जब क्रस्ट हल्का हो जाता है, तो यह थोड़ा ऊपर तैर सकता है।'

हिजबुल्लाह, हमास या इजरायल नहीं

इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच ईरानी सरकार पर परमाणु बम बनाने का दबाव बढ़ा है

तेहरान, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान बीते कुछ समय से एक के बाद एक इजरायल के हमलों का सामना कर रहा है। इजरायल ने पहले तेहरान में बैठे हमास नेता इस्माइल हानिया को मार डाला और अब लेबनान में ईरान के खास सहयोगी हिजबुल्लाह चीफ की हत्या कर दी। लेबनान में ईरान का भी एक सीनियर कमांडर मारा गया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि ईरान की ओर से भी बड़ा जवाबी हमला इजरायल पर हो सकता है। वहीं एक्सपर्ट का मानना है कि ईरान युद्ध के उलझने के बजाय अपने परमाणु हथियारों पर ध्यान दे रहा है। जियोपॉलिटिकल स्ट्रैटेजिस्ट वेलिना चाकारोवा ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान गाजा, लेबनान और यमन में अपने प्रॉक्सी बलों से खुद को दूर कर रहा है। ऐसा इसलिए नहीं है कि वह अब उन्हें पूरी तरह से छोड़ रहा है बल्कि इसलिए क्योंकि वह अपने परमाणु हासिल करने के उद्देश्य पर ध्यान लगा रहा है क्योंकि उसे खुद को मजबूती देने के लिए यही आखिरी उपाय दिख रहा है। वेलिना के मुताबिक, ईरान परमाणु हथियार हासिल करने के लिए ज्यादा व्याकुलता में है।

परमाणु हासिल करके ईरान का मकसद इसका इस्तेमाल दबाव के तौर पर करने और क्षेत्र को अनिश्चितता में रखना है। इजरायल खुद को एक अनिश्चित सुरक्षा दुविधा में पा रहा है और उसे ईरान की प्रॉक्सीज से लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है, दूसरी ओर तेहरान अपनी परमाणु महत्वाकांक्षा तेज कर रहा है। ईरान ने जवाबी हमला ना करते हुए जिस 'रणनीतिक हार' का संकेत दिया है, उसका तात्पर्य इजरायल के हाथों होने वाली सैन्य हानि से नहीं है। इससे ईरान का मकसद सफलतापूर्वक परमाणु बम हासिल करते हुए क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव लाना है। ऐसा होता है तो यह क्षेत्र में शक्ति के एक नए संतुलन की स्थापना का संकेत होगा। इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच ईरानी सरकार पर परमाणु बम बनाने का दबाव बढ़ा है। पूर्व परमाणु वार्ताकार सईद जलीली जैसे लोग ईरान को परमाणु हथियार विकास पर आगे बढ़ने का दबाव डाल रहे हैं। देश को परमाणु संपन्न देखना चाहते हैं।

हिलारियो एस्कासुबी शहर में तोतों से लड़ रहा 'जंग'

पास की पहाड़ी से आए हजारों पक्षी, बार-बार अंधेरे में डूब रहा इलाका

ब्यूनस एयर्स, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के पूर्वी अटलांटिक तट के पास बसा हिलारियो एस्कासुबी शहर बीते कुछ समय से एक अलग तरह की परेशानी का सामना कर रहा है। ये परेशानी शहर में बड़ी तादाद में तोतों के आने की वजह से हुई है। हजारों की तादाद में तोते जंगल से शहर में आ गए है, जो गंदगी फैलाकर, आवाज करके और तार काटकर आम लोगों की जिंदगी मुश्किल बना रहे हैं। शहर के पास के वनों की अंधाधुंध कटाई के चलते हरे, पीले और रंग के ये पक्षी हजारों की तादाद में शहर में आए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तोतों का झुंड बिजली के तारों को काट देते हैं, जिससे बिजली गुल हो जाती है तो कभी फोन और इंटरनेट के तारों को अलग कर देते हैं। इससे रोज शहर में कोई ना कोई परेशानी खड़ी होती रहती है। स्थानीय पत्रकार रामोन अल्वारेज का कहना है कि तोते किसी ना किसी तरह से दैनिक जीवन में कई तरह की परेशानियां खड़ी कर रहे हैं। रामोन के मुताबिक, तोतों को डराने और भगाने का लिए स्थानीय निवासियों ने कई तरह के तरीके अपनाएं हैं। तोतों को डराने वाली आवाज और लेजर लाइट का इस्तेमाल कर इन्हें भगाने की कोशिश की गई लेकिन ये सभी तरकीबें फेल साबित हुई हैं। लोगों की रोजाना की जिंदगी में तोतों की वजह से परेशानियां बढ़ती ही जा रही हैं। जीवविज्ञानियों के अनुसार, आसपास की पहाड़ियों में दूर तक वन फैले हुए थें। इन वनों में ये पक्षी बहुत बड़ी तादाद में वर्षों से रहते आए हैं। हालिया वर्षों में वनों की कटाई ने इन रंग बिरंगे पक्षियों को बेघर कर दिया है। अर्जेंटीना में वन गायब हो रहे हैं तो ये भोजन-पानी और आश्रय की तलाश में करीबी शहरों में पहुंच रहे हैं। जीवविज्ञानी डायना लेरा कहती हैं कि पिछले कुछ वर्षों में तोतों का शहर की तरफ आना बहुत तेज हुआ है।

खासतौर से सर्दियों के दौरान ये शरण की तलाश में शहर में आते हैं। स्थानीय लोगों के लिए तोतों का ये झुंड परेशानी का सबब भी बनते हैं लेकिन हमें ये समझने की जरूरत है भगाने से ये नहीं जाएंगे क्योंकि इनके घर तोड़ दिए गए हैं।

नई सरकार की सबसे छोटी कैबिनेट की पहली बैठक

सिर्फ तीन मंत्री हुए शामिल

कोलंबो, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीलंका में नई सरकार के गठन के बाद सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। यह सबसे छोटी कैबिनेट की बैठक थी, जिसमें राष्ट्रपति समेत सिर्फ तीन मंत्री शामिल हुए। नए कैबिनेट के प्रवक्ता विजिता हेराथ, जो मंत्री हैं और फिलहाल कई मंत्रालय संभाल रहे हैं, उन्होंने कहा कि 'वे, नवनियुक्त राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या के साथ, सोमवार की बैठक में उपस्थित हुए। यह अब तक की सबसे छोटी कैबिनेट बैठक थी।'

पिछले सप्ताह, राष्ट्रपति दिसानायके ने अपने सहित चार सदस्यों की कैबिनेट नियुक्त की थी। संविधान में कैबिनेट पदों को 25 मंत्रियों तक सीमित किया गया है। हेराथ ने कहा कि अगला चुनाव जीतने के बाद भी यही संख्या बनी रहेगी और कोई राज्य मंत्री नियुक्त नहीं किया जाएगा। श्रीलंका में आगामी 21 सितंबर को संसद भवन के 225 सदस्यों की नियुक्ति के लिए संसदीय चुनाव होने वाले हैं। ये चुनाव राष्ट्रपति चुनाव के तुरंत बाद हो रहे हैं। ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब श्रीलंका ने 2022 के आर्थिक संकट से धीमी गति से उबरने के संकेत दिए हैं। हेराथ ने कहा कि संसदीय चुनाव में 11 अरब श्रीलंकाई रुपये खर्च होंगे। हेराथ ने कहा, '5 अरब रुपये राष्ट्रपति में निहित शक्तियों के तहत आवंटित किए जाएंगे। साथ ही 6 अरब रुपये को 2025 के बजटीय आवंटन से लिया जाएगा।' हेराथ ने बताया कि पहली कैबिनेट बैठक में अर्थव्यवस्था और वित्त पर दो राष्ट्रपति सलाहकारों की नियुक्ति के अलावा, मंत्रिमंडल ने राजनेताओं को दिए गए विशेषाधिकारों की समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय पैनल नियुक्त करने का फैसला किया है। हेराथ ने कहा, 'समिति आवश्यक मौजूदा अधिनियमों का अध्ययन करेगी और राष्ट्रपति को सिफारिशें करेगी।' चुनाव से पहले, एनपीपी ने सभी पूर्व राष्ट्रपतियों और उनकी विधवाओं को दिए गए विशेषाधिकारों और सांसदों के पेंशन अधिकारों को समाप्त करने का संकल्प लिया था।

साल का आखिरी सूर्यग्रहण लगने को तैयार

आसमान में दिखेगी 'रिंग ऑफ फायर'

वॉशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। साल 2024 का दूसरा सूर्यग्रहण लगने में बस कुछ घंटे बाकी हैं। 2 अक्टूबर को लगने वाला यह साल का आखिरी सूर्यग्रहण भी होगा। इसके पहले 8 अप्रैल को सूर्यग्रहण लगा था, तब धरती पर पूरी तरह अंधेरा छा गया था। वह एक पूर्ण सूर्यग्रहण था, जबकि 2 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण वलयाकार होगा। इस दौरान आसमान में सूरज आग के छल्ले की तरह नजर आएगा। इसे रिंग ऑफ फायर भी कहा जाता है। सूर्यग्रहण की टाइमिंग क्या होगी, कहां और कैसे नजर आएगा, ये सब हम बताएंगे, लेकिन उसके पहले जानते हैं कि सूर्यग्रहण आखिर क्या है और कैसे होता है?

सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है, जो उस समय होती है, जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में आ जाते हैं। चंद्रमा के बीच में आ जाने से सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं पहुंच पाता है, जिससे एक दुर्लभ नजारा होता है। सूर्य ग्रहण तीन तरह के होते हैं- पूर्ण सूर्यग्रहण, वलयाकार सूर्यग्रहण और आंशिक सूर्यग्रहण। इसके पीछे पृथ्वी और चंद्रमा की बदलती दूरी वजह बनती है। वैसे तो सूर्य चंद्रमा से लगभग 400 गुना बड़ा है, लेकिन यह लगभग 400 गुना दूरी पर भी है। यही वजह है कि हमें आसमान में सूर्य और चंद्रमा लगभग एक ही आकार के दिखाई देते हैं। लेकिन पृथ्वी और चंद्रमा की दूरी बदलती भी है, जिससे इसके आकार में अंतर होता है। जब चंद्रमा पृथ्वी के नजदीक होता है, उस दौरान वह बड़ा दिखाई देता है। इस समय सूर्यग्रहण लगने पर चंद्रमा सूर्य के कोरोना को पूरी तरह ढक लेता है और पृथ्वी पर दिन में कुछ समय के लिए अंधेरा हो जाता है। धरती के चारों को चंद्रमा की कक्षा अंडाकार है। इसका मतलब है कि पृथ्वी की परिक्रमा करते समय यह हमसे दूरी बदलता रहा है।

जापान की संसद ने शिगेरू किशिदा को देश का नया प्रधानमंत्री चुना

फुमियो किशिदा की ली जगह

टोक्यो, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जापान की संसद ने नवनिर्वाचित सत्तारूढ़ पार्टी एलडीपी के नेता शिगेरू इशिबा को देश का नया प्रधानमंत्री चुन लिया है। इससे पहले जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। किशिदा के साथ ही उनकी पूरी कैबिनेट ने भी इस्तीफा दे दिया। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने किशिदा और उनकी कैबिनेट के इस्तीफे की पुष्टि की। किशिदा का कार्यकाल तीन साल का रहा, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद उन्हें पद छोड़ना पड़ा।

हाल ही में शिगेरू इशिबा को जापान की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का नया अध्यक्ष चुना गया था। जापान में सत्ताधारी पार्टी का अध्यक्ष ही देश का प्रधानमंत्री होता है। जिसके बाद शिगेरू इशिबा का जापान का नया प्रधानमंत्री बनना तय हो गया था। अब इशिबा जल्द ही अपनी कैबिनेट का एलान कर सकते हैं। एलडीपी पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में बहुमत है। इशिबा का बतौर प्रधानमंत्री कार्यकाल जुलाई 2025 तक होना था और उसके बाद देश में आम चुनाव होने थे, लेकिन शिगेरू इशिबा ने प्रधानमंत्री पद संभालने से पहले ही चुनाव 27 अक्तूबर को चुनाव कराने का एलान कर दिया है। जापान की सत्ताधारी पार्टी एलडीपी की लोकप्रियता में हाल के समय में गिरावट दर्ज की गई है और इसी वजह से इशिबा जल्द चुनाव कराना चाहते हैं ताकि पार्टी को एकजुट किया जा सके। जापान के आम चुनाव में सत्ताधारी एलडीपी का मुकाबला कॉन्स्टिट्यूशन डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान से होगा।

जब तक आखिरी यहूदी, पाकिस्तान पहुंचते ही भगोड़े जाकिर नाइक ने उगला जहर

इजरायल के खिलाफ जिहाद के लिए उकसाया

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत से भागकर मलेशिया में रह रहे इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान पहुंचते ही जहर उगलना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान में जाकिर नाइक यरुशलम स्थित अल अक्सा को इस्लाम का तीसरा सबसे पवित्र स्थल बताते हुए जिहाद के लिए उकसा रहा है। उसने इजरायल के खिलाफ जिहाद की वकालत करते हुए कहा कि यह तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक आखिरी यहूदी को हटा नहीं दिया जाता। जाकिर नाइक ने पाकिस्तान टीवी पर धार्मिक मामलों के मंत्रालय के कार्यक्रम में ये नफरत फैलाने वाली बातें कहीं।

इजरायल के खिलाफ जिहाद का समर्थन

जाकिर नाइक ने कहा कि 'आज जो मुसलमान गाजा में कर रहे हैं, मेरे हिसाब से वह फर्ज के साथ हैं। वे दुनिया में इस्लाम के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अल अक्सा की रक्षा कर रहे हैं। अगर वे नहीं करेंगे तो यह हम पर फर्ज होगा।' उसने गाजा के मुसलमानों के लिए जिहाद में शामिल होना अनिवार्य बताया। जाकिर नाइक ने पाकिस्तानी देवबंदी विद्वान तकी उस्मानी के फतवे का समर्थन किया, जिसमें इजरायली बमबारी बंद करने का आह्वान तो किया गया, लेकिन इजरायल के खिलाफ लड़ाई जारी रखने को कहा गया था।

यहूदियों को हटाने की कही बात

नाइक ने कहा कि जिहाद तब तक जारी रहना चाहिए, जब तक आखिरी यहूदी को (इजरायल से) हटा नहीं दिया जाता। जाकिर नाइक सोमवार को एक महीने के दौरे के लिए पाकिस्तान पहुंचा था। इस दौरान वह पाकिस्तान के प्रमुख शहरों कराची, इस्लामाबाद और लाहौर में लेक्चर देगा। सोमवार को इस्लामाबाद एयरपोर्ट पहुंचने पर उसका स्वागत धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सहयोगी राणा मशहूद ने किया।

भारत से फरार चल रहे जाकिर नाइक का यह तीन दशक में पाकिस्तान का पहला दौरा है। पाकिस्तानी न्यूज आउटलेट द डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, आखिरी बार वह 1992 में पाकिस्तान गया था।

उस दौर पर उसने लाहौर में धार्मिक विद्वान डॉ. इसरार अहमद से मुलाकात की थी। जाकिर नाइक का वर्तमान यात्रा पाकिस्तान सरकार के बुलावे पर हो रही है।

परमाणु हथियार का उपयोग करने पर बदला लेंगे

प्योंगयांग, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसने परमाणु हथियार का इस्तेमाल किया तो उसको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की तरफ से ये बयान 76वें सशस्त्र बलों के समारोह के दिन दिया गया है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यूं सुक येओल ने दक्षिण कोरिया-यूएस गठबंधन की तरफ बदला लेने की चेतावनी दी है, अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति की टिप्पणी देश के उत्तरी प्रतिद्वंद्वी के बाद पिछले महीने के बाद आई थी, जो इसके यूरेनियम संवर्धन सुविधा के साथ -साथ सेंट्रीफ्यूज की छवियों की तस्वीरें प्रकाशित की थी जो इसके परमाणु बमों के लिए ईंधन का उत्पादन करते हैं। उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को कई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के तहत प्रतिबंधित किया गया है। उत्तर कोरिया ने हाल ही में कई शॉर्ट-रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों को लॉन्च किया।

एक स्थानीय समाचार पत्र के अनुसार दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने कहा यदि उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो यह हमारी सेना और दक्षिण कोरिया-यू.एस. की संकल्प और भारी प्रतिक्रिया का सामना करेगा। दिन उत्तर कोरियाई शासन का अंत होगा। उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता भ्रम को छोड़ दें से आग्रह किया कि वे भ्रम को छोड़ दें कि परमाणु हथियार अपनी सुरक्षा की गारंटी देते हैं, एक मजबूत सेना का निर्माण करने और अमेरिका के साथ मजबूत गठबंधन के आधार पर सुरक्षा मुद्रा को मजबूत करने के लिए, साथ ही साथ जापान से जुड़े त्रिपक्षीय सहयोग के आधार पर। दक्षिण कोरिया के सशस्त्र बलों के दिन समारोह में सियोल ने 340 टुकड़ियों के सैन्य उपकरणों को प्रदर्शित किया, जिनमें ह्यूनमू सर्फेस-टू-सरफेस मिसाइल, लंबी दूरी की सतह से हवा में मिसाइल (एल-एसएएम) प्रणाली, के 9 सेल्फ-प्रोपेल्ड हॉविट्जर्स और क्वाड्रप्ड रोबोट शामिल हैं। इसमें कोरिया बड़े पैमाने पर सजा और प्रतिशोध (केएमपीआर) के एक केंद्र में ह्यूनमू -5 को चित्रित किया गया है, जिसे 8-9 टन वजन वाले एक पारंपरिक वारहेड को ले जाने में सक्षम होने के लिए जाना जाता है और उत्तर कोरिया में भूमिगत बंकरों को नष्ट करने में सक्षम है।

इस समारोह ने दक्षिण कोरिया की एक नई सैन्य कमान, 'स्ट्रैटेजिक कमांड' भी शुरू की, जिसे उत्तर कोरियाई परमाणु और मिसाइल खतरों को रोकने के लिए अपने प्रमुख हथियार प्रणालियों के साथ एक अतिव्यापी अंग के रूप में सेवा करने का काम सौंपा गया है। दक्षिण कोरिया ने पहली बार वर्ष 2022 में यूनिट बनाने की योजना की घोषणा की थी। दोनों देशों ने द्विपक्षीय परमाणु परामर्श समूह के तहत अपनी सैन्य क्षमताओं को एकीकृत करने की मांग की है ताकि उत्तर कोरियाई खतरों के खिलाफ निरोध को बढ़ाया जा सके।

सांसदों ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जे सी वर्मा, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में पूर्व लोक सभा अध्यक्ष जी.एम.सी. बालयोगी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर संसद सदस्यों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्री बालयोगी को पुष्पांजलि अर्पित की। लोक सभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और लोक सभा सचिवालय के अधिकारियों ने भी श्री बालयोगी को श्रद्धांजलि दी।

श्री बालयोगी बारहवीं लोक सभा के अध्यक्ष थे और उन्हें पुनः तेरहवीं लोक सभा का अध्यक्ष चुना गया था। वह दसवीं लोक सभा के सदस्य भी रहे। इससे पहले वह आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य और आंध्र प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री थे। श्री बालयोगी का निधन 3 मार्च, 2002 को आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुआ था। श्री बालयोगी का जन्म एक अक्तूबर 1951 को हुआ था।

भारी बारिश के बाद बाढ़ और भूस्खलन ने मचाया हाहाकार

काठमांडू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण तबाही मच गई है। गुरुवार को शुरू हुई बारिश रविवार तक कई प्रांतों में विनाश का कारण बन गई। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण अबतक 220 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं, जबकि 30 लोग लापता हैं। वहीं हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। काठमांडू में रविवार से मौसम में सुधार हुआ है। पिछले तीन दिन से जारी भारी बारिश के कारण काठमांडू घाटी बहुत अधिक प्रभावित हुआ है। यहां 50 लोगों की मौत हो चुकी है। तलाशी, बचाव और राहत अभियान के लिए नेपाल सेना और पुलिस बलों को विभिन्न क्षेत्रों में भेजा गया है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। बाढ़ और भूस्खलन पीड़ितों को तुरंत राहत सामग्री प्रदान की जा रही है। नेपाल सरकार खोज, बचाव और राहत वितरण को प्राथमिकता दे रही है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम तिवारी ने कहा कि परिवहन को फिर से चालू करने के लिए राजमार्गों को साफ किया जा रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पूरे एशिया में बारिश की मात्रा और समय में बदलाव हो रहा है।

क्या अमेरिका ने शेख हसीना की सरकार गिराई?

क्या बोले बांग्लादेश की नई सरकार के सलाहकार

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। अब जब इसे लेकर बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि वह नहीं चाहते कि युवा पीढ़ी के बलिदान को कमतर आंका जाए। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि 'छात्रों और अन्य युवाओं को एक निरंकुश शासन को लोकतांत्रिक और समावेशी शासन में बदलने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया है। युवा पीढ़ी के बलिदान के चलते ही सरकार बदली और शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़कर भागना पड़ा। यह अचानक हुआ आंदोलन था, जो सरकार के सत्ता से बेदखल होने पर ही खत्म हुआ।' बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और हिंदुओं पर हमले की घटनाओं पर मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि 'शेख हसीना के जाने के तुरंत बाद प्रशासन में एक खालीपन आ गया था और पुलिसिंग की भी समस्या थी क्योंकि पुलिस को युवा पीढ़ी के खिलाफ रखा गया था, इसलिए जब शेख हसीना चली गईं, तो उस समय तनाव और भावनाओं का ज्वार बहुत अधिक था, जिसके चलते कुछ घटनाएं हुईं, लेकिन इसे हिंदू विरोधी आंदोलन करना पूरी तरह से गलत है। हिंसा ज्यादातर अवामी लीग के वफ़ादारों के ख़िलाफ़ हुई। आंदोलन के दौरान कुछ हिंसा हुई, लेकिन वह इस आधार पर नहीं थी कि कोई हिंदू था या मुसलमान। अगर आप धर्म के हिसाब से गिनें, तो उस समय हिंदुओं की तुलना में मुसलमानों पर ज़्यादा हमले हुए, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अवामी लीग समर्थकों के ख़िलाफ़ आंदोलन चल रहा था जिसे सरकार संभालने के तुरंत बाद रोक लिया गया था।

दिवाली से पहले मिली 8 लाख करोड़ की बंपर सौगात

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में निवेश के लिए बड़ी संख्या में निवेशक रूचि दिखा रहे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत 'इन्वेस्टर मीट' में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में निवेशकों ने 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश संबंधी एमओयू किए। निवेशकों ने सर्वाधिक रूचि ऊर्जा क्षेत्र में दिखाई है। इससे प्रदेश में एमओयू का कुल निवेश 12.50 लाख रुपए का हो गया है।

दरअसल, जयपुर में दिसंबर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 होने जा रही है। इसमें भाग लेने के लिए देशी-विदेशी निवेशकों, उद्योग और व्यापार जगत के दिग्गजों, इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और अन्य संबंधित स्टेकहोल्डर्स को आमंत्रित किया गया।

इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलावा उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, सीएम एसीएस शिखर अग्रवाल और उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

'मानगढ़ धाम' को लेकर दो सांसद आमने-सामने

राजकुमार रोत विरोध में उतरे

बांसवाड़ा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा में आदिवासियों की शहादतस्थली मानगढ़ धाम एक बार फिर चर्चाओं में है। राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू की यात्रा से ठीक पहले बांसवाड़ा और उदयपुर के सांसदों में बयानी तलवारें खिंच गई हैं। दरअसल, उदयपुर के भाजपा सांसद मन्नालाल रावत ने कक्षा 9वीं की पुस्तक में उल्लेखित संत गोविंदगिरि के अलग भील राज्य बनाने के लिए प्रेरित होने का तथ्य गलत अंकित होना बताते हुए मुख्यमंत्री से इसे हटवाने की मांग की। इधर, भारत आदिवासी पार्टी से चुने बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने इसे आदिवासियों के अपमान की हरकत बताया है।

कक्षा 9 की पुस्तक 'राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परंपरा' के अध्याय 4 में पृष्ठ संख्या-42 पर लिखा है कि 'सामंती एवं औपनिवेशिक सत्ता द्वारा उत्पीड़क व्यवहार ने गोविंदगिरि एवं उनके

शिष्यों को सामंती व औपनिवेशिक दासता से मुक्ति प्राप्त करने के लिए भील राज्य की स्थापना की योजना बनाने की ओर प्रेरित किया।' सांसद रावत ने उक्त कथन को पूर्णतः तथ्यों से परे बता गहरी आपत्ति जताई।

सांसद रोत जवाब में क्या बोले?

राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मण्डल की ओर से प्रकाशित कक्षा 9 के पाठ्यक्रम से गोविंद गुरु महाराज व मानगढ़ धाम पर शहीद हुए 1500 से अधिक आदिवासियों से जुड़े तथ्यों को हटाने की बात कहकर उदयपुर सांसद ने शहीदों व आदिवासी समाज को अपमानित करने का काम किया है। आने वाली पीढ़ी माफ नहीं करेगी। भील प्रदेश की स्थापन करना गोविंद गुरू का सपना था और यह एक दिन पूरा भी होगा।

उदयपुर सांसद के पत्र को सीएमओ ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग को भेजकर तथ्यों की जांच व पाठ्यक्रम में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। हालांकि सीएमओ के उपसचिव जयप्रकाश नारायण ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट तौर पर यह नहीं कहा है कि यह तथ्य गलत है और इसे हटाएं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने परीक्षण के बाद नियमानुसार कार्यवाही कर सांसद को भी अवगत कराने को कहा है।

आदिवासियों के आस्थास्थल के रूप में चर्चित व प्रसिद्ध मानगढ़ धाम पर देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू 4 अक्टूबर को एक कार्यक्रम में शरीक होने आ रही हैं। जनजाति विकास और उत्थान के लिए काम करने वाले युवा, महिलाओं व संगठनों को राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी।

4 अक्टूबर से होगा वैश्विक शिखर सम्मेलन

देश-विदेश से जुटेंगी 5 हजार हस्तियां; राष्ट्रपति करेंगी उद्घाटन

सिरोही, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रह्माकुमारी संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक चार दिवसीय वैश्विक शिखर समेलन का आगाज होगा। आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज विषय पर आयोजित समेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 4 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे करेंगी।

इस दौरान राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। समेलन में 15 से अधिक देशों की शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति, मीडिया, राजनीति व समाजसेवा से जुड़ीं जानीं-मानीं हस्तियां भाग लेंगी।

समिट के संयोजक व संस्थान के कार्यकारी सचिव डॉ. बीके मृत्युंजय ने बताया कि राष्ट्रपति विशेष विमान से 3 अक्टूबर को

शाम को शांतिवन पहुंचेंगी, जहां रात्रिविश्राम के बाद 4 अक्टूबर को समिट का विधिवत शुभारंभ करेंगी।

इसके अलावा अलग-अलग सत्रों में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंतनाथ रेड्डी, मप्र के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी संबोधित करेंगी।

वहीं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय कला एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासपान, केंद्रीय रेलवे राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके भी विशेष रूप से शामिल होंगे। वहीं यूएसए से लोरिडा से इंटरनल मेडिसिन के डायरेक्टर डॉ. वेमुरी कृष्णा, थाइलैंड से इनोवेटिव इंटीग्रेटेड लाइफ एनर्जी मेडिसिन एक्सपर्ट डॉ. इटीकोन बटाना शामिल होंगे।

सभी देशों के राष्ट्रीय ध्वज लगाए

समेलन को लेकर शांतिवन परिसर में तैयारियां जारी हैं। डायमंड हॉल को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। प्रकाश स्तंभ पर विश्व के सभी देशों के राष्ट्रीय ध्वज समान के साथ लगाए गए हैं।

अतिथियों को सौर ऊर्जा से संचालित शिव भोलानाथ का भंडारा, सोलार थर्मल पावर प्लांट, तपोवन और माउंट आबू स्थित पांडव भवन, पीस पार्क, ज्ञान सरोवर का भ्रमण कराया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से वीवीआईपी, केंद्रीय मंत्री की सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

कर्मचारियों ने दिवाली से पहले सरकार के सामने रखी मांग

पूरी नहीं होने पर 9 अक्टूबर से करेंगे आंदोलन

भरतपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पॉवर इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की ओर से विद्युत निगमों में कार्यरत कनिष्ठ अभियंताओं की लबे समय से चली आ रही वेतन विसंगति सहित अन्य मांगों को लेकर ऊर्जा मंत्री के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश भर में चेतावनी दी है कि यदि समस्याओं का निस्तारण समय पर नहीं किया गया तो इस बार लोगों को दिवाली काली मनानी पड़ सकती है।

ज्ञापन में कहा कि प्रदेश में सभी विद्युत निगमों में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता प्रथम कई वर्षों से वेतन विसंगति और एसीपी विसंगति से जूझ रहे हैं। विद्युत प्रशासन की ओर से 185 कॉर्डिनेशन कमेटी में विसंगति निवारण का अनुमोदन किया हुआ है। जुलाई 2022 में ऊर्जा विभाग की ओर से बिजली निगमों के कनिष्ठ अभियंताओं की

वेतन और एसीपी विसंगति की उच्च कमेटी रिपोर्ट को राजस्थान सरकार को प्रेषित किया हुआ है, लेकिन अब तक न तो वेतन विसंगति सही हुई है और न ही राजस्थान सरकार की ओर से देय एमएसीपी आदेश को बिजली निगमों ने निगम सेवा नियमों के अनुरूप लागू किया है।

ज्ञापन में मुख्य रूप से बिजली निगमों के कनिष्ठ अभियंताओं को 9 साल बाद प्रथम एमएसीपी प्रमोशनल (एल-14) देने, कनिष्ठ अभियंताओं की वेतन विसंगति को 185 कॉर्डिनेशन कमेटी में की गई सिफारिशों और जुलाई 2022 में भी ऊर्जा विभाग की ओर से उच्च कमेटी रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुरूप लागू करने की मांग की गई। पिछले 14 सालों से डिग्री होल्डर इंजीनियर जेईएन (ई एंड एम) का प्रमोशन नहीं हो रहा है। कई निगमों में 2010 बैच आज 14 साल से प्रथम प्रमोशन को तरस रहा है, जबकि तकनीकी कर्मचारियों और अन्य सब संवर्गों को समय से प्रमोशन दिया जा रहा है।

निगमों के अभियंता वर्ग में भी टाइम बाउंड प्रमोशन लागू किया जाए, डिस्कॉस में कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारियों के साथ आमजन की ओर से आए दिन मारपीट के प्रकरण बढ़ रहे हैं, जिनकी रोकथाम के लिए सुरक्षा बिल लाया जाए, प्रसारण निगम में ग्रिड स्टेशन पर काम कर रहे कनिष्ठ अभियंताओं से जीएच या अन्य दिनों में अतिरिक्त कार्य के एवं में उपार्जित सीसएल और सीआर लेने के आदेश की गलत व्याया निकाल गलत रिकवरी की जा रही है।

ज्ञापन में शीघ्र ही कनिष्ठ अभियंताओं की लंबित मांगों का निस्तारण करने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर 9 अक्टूबर से संघठन की ओर से आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन देने वालों में संभागीय अध्यक्ष दीपक सिंह आदि मौजूद रहे।

पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह ने कंधार हाईजैक को लेकर किए बड़े खुलासे

बाड़मेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हुई आईसी 814 कंधार हाईजैक इन दिनों चर्चा में है। इसको लेकर पूर्व विदेश मंत्री जसवंतसिंह के बेटे एवं पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह ने एक साक्षात्कार में कहा कि दुबई ने यदि ऑपरेशन करने की इजाजत दी होती तो विमान से यात्रियों को वहीं आजाद कर लिया जाता। दुबई से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला जबकि वहां सबसे अच्छा अवसर था।

मानवेन्द्र ने कहा कि दुबई से पहले आतंकियों के पास में हथियार नहीं कटर थे। बाद में यात्रियों ने हथियार देखे। मानवेन्द्र ने इन आरोपों को भी निराधार बताया कि रुपए देने को लेकर कोई बात हुई थी। विदेश मंत्री जसवंत सिंह जब विमान के यात्रियों को छुड़वाने के लिए गए तो उनके पास कोई लाल सूटकेस नहीं था। मैं खुद उनको छोड़ने गया था, अमूमन वे अपने साथ एक बैग रखते थे जिसमें माला और पूजा की सामग्री रहती थी । उस समय उनके साथ नहीं थी। आतंकवादियों को रिहा करने की पहली सूची 105- 107 की थी। वार्ता के बाद यह बहुत कम की गई। इसमें भी नंबर वन नाम नसरूला का था।

हवा में था भारत का विमान

बताया कि दुबई में जब अपहृत विमान आसमान में था, तब भारतीय विमान भी पहुंचने वाला था। दुबई ने इजाजत नहीं दी, वरना ऑपरेशन करके वहीं पर लोगों को आजाद कर लिया जाता । इटीसी के पास फोन आया कि विमान मत रोकना। बाद में पता चला कि यह कॉल पेरिस से आया था।

कॉटन फैक्ट्री में लगी भीषण आग में हुआ लाखों का नुकसान

10 दमकलों ने आग पर काबू पाया

अजमेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के माखूपुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित कांता कॉटन जूट फैक्ट्री के गोदाम में कल रात आग लग गई, जिससे लाखों रुपयों का नुकसान हो गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है। आग इतनी भीषण थी कि फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियों ने करीब दो घंटे में इस पर काबू पाया।

घटना की जानकारी देते हुए आदर्श नगर थानाधिकारी दिनेश कुमावत ने बताया कि आग रात करीब 9 बजे गोदाम में आग लगी। यहां कॉटन, जूट और अन्य ज्वलनशील सामान होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास की फैक्ट्रियों से पानी का छिड़काव कर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। बाद में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग से गोदाम में रखा माल पूरी तरह जलकर खाक हो गया। फैक्ट्री मालिक धोलाभाटा निवासी नंदकिशोर धनवानी नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

नए जिलों में से कितने जिले हो सकते हैं रद्द!

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नए जिलों पर मंथन के लिए बनी मंत्रिमंडलीय उपसमिति के सदस्य विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने जिलों को लेकर आंदोलन करने वालों पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में बिना मापदंड जिले बने और अब आंदोलन करने वालों को लग रहा है उनके जिले गलत बने हैं।

उन्होंने मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि जो आंदोलन करने वाले हैं ये वो लोग हैं जिनके मन में वहम है कि उनके जिले का गठन पूरी तरह से गलत या नॉर्म्स के अनुसार नहीं हुआ, केवल राजनीतिक लाभ के लिए हुआ। गंगापुर, सांचोर में विरोध को लेकर उन्होंने कहा कि जिला नहीं रहा तो भी क्षेत्र के निवासियों के साथ अन्याय नहीं होगा और जो जिले नॉर्म्स के अनुसार बने हैं, उनसे छेड़छाड़ नहीं की जाएगी।

जितने नए जिले बने, वहां कांग्रेस प्रतिनिधि हारे

पटेल ने कहा कि कांग्रेस राज में जितने जिलों का गठन हुआ, वहां जितने कांग्रेस जनप्रतिनिधि थे सब के सब चुनाव हारे। बालोतरा वाले मदन प्रजापत जिले की मांग लेकर बिना जूते पहने नंगे पैर घूमे, जिला बन गया फिर भी हार गए। सांचोर जिला बना फिर भी सुखराम विश्नोई चुनाव हार गए। बाबूलाल नागर ने दूदू को जिला बनवाया, वो भी हार गए।

पटेल ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के जिलों की समीक्षा कर निर्णय किया जाएगा। नए जिलों पर जनगणना की रोक के मामले में कहा कि अगर हमें लगेगा जिला कम करना है या बनाना है या अल्टरेशन करना है तो हम विचार करेंगे और परमिशन लेंगे। उन्होंने कहा कि एक जिले को पूर्णता धारण करने में 10 साल का समय लगता है तब वह जिला परिपूर्ण होता है।

गोली से मरेगा आदमखोर पैंथर

अब तक आठ लोगों को खा चुका

उदयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में आदमखोर पैंथर को अब देखते ही गोली मारी जाएगी। इसके लिए आदेश निकाले गए है। पैंथर की ओर से लगातार लोगों को शिकार बनाया जा रहा है। अब तक 8 लोगों को पैंथर खा चुका है।

आज सुबह हुए महिला की गर्दन को जबड़े में दबाकर भागते पैंथर को ग्रामीणों ने देखकर शोर मचाकर भगाया। जिसने महिला का शिकार किया। इससे पहले इसी थाना क्षेत्र में एक पुजारी को भी लेपर्ड ने मार डाला था। वन मंत्री संजय शर्मा ने दावा किया है कि आर्मी के सहयोग से आज शाम तक लेपर्ड को मार दिया जाएगा। पैंथर को मारने के लिए आर्मी का सहयोग लिया जा रहा है।

बता दें कि वन विभाग, स्थानीय ग्रामीण, सेना और पुलिस की टीम अब तक चार पैंथर काबू कर चुकी हैं। इनमें से दो तो बुजुर्ग निकले। उनको काबू करने के लिए पूरे इलाके में आठ पिंजरे लगाए गए। ऐसा पहली बार हुआ कि सेना की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। ड्रोन उड़ाए गए और साथ ही अन्य तकनीकों से भी मदद ली गई। उसके बाद पेंथर काबू किए गए। लेकिन अब फिर से पैंथर ने शिकार किया है।

एसपी के नाम सुसाइड नोट छोड़ा

ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

झुंझुनू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झुंझुनू शहर के इण्डाली रेलवे फाटक के पास कल दोपहर को इस्लामपुर निवासी रघुवीर मेघवाल उर्फ मुन्ना ने ट्रेन के आगे आकर जान दे दी थी। इसी मामले में आज परिजन और समाज के लोग बीडीके अस्पताल के परिसर में न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। मौके पर थाना कोतवाली झुंझुनू के थाना अधिकारी पवन कुमार चौबे को रिपोर्ट भी दी गई। इसके साथ ही मृतक के परिजनों की तरफ से मांगों को लेकर ज्ञापन शहर वृताधिकारी डीवायएसपी वीरेंद्र शर्मा को सौंपा गया। मृतक के पुत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि कल मेरे पिताजी झुंझुनू दवाई लेने के लिए कहकर आए थे और ट्रेन के आगे जाकर जान दे दी। उन्होंने जो सुसाइड नोट छोड़ा है, उसमें 7 लोगों के नाम है।

हम चाहते हैं कि उनकी गिरफ्तारी हो। वहीं उनके पुत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पहले भी उनके अपहरण की कोशिश की गई थी और धमकी भी दी गई थी। वहीं समाज के लोगों की मांग है कि सुसाइड नोट में जिनका नाम है, उनकी गिरफ्तारी की जाए। पत्नी की वृद्धावस्था पेंशन शुरू की जाए, परिवार की एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी और आर्थिक सहायता दी जाए।

सरकारी कर्मचारी को धमकाने वाले केड सरपंच रविराज सिंह गिरफ्तार, गर्दन काटने की दी थी धमकी

झुंझुनू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झुंझुनू जिले के केड गांव के सरपंच रविराज सिंह को लाइनमैन को तलवार से गर्दन काटने की धमकी देने और राजकार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना तब हुई जब लाइनमैन भवानी सिंह ने ट्रांसफार्मर से अवैध तार हटाने का प्रयास किया। इसके बाद सरपंच ने तलवार निकालकर धमकी दी।

लाइन मैन को तलवार से गर्दन काटने की धमकी देने वाले केड सरपंच रविराज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। 27 जनवरी को परिवादी भवानी सिंह पुत्र करण सिंह जाति राजपुत ने पुलिस थाना गुढ़ागौडजी में उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की गई थी। इसमें बताया गया कि केड ग्राम में वाल्मिकी मोहल्ले मे केड ग्राम के सरपंच रविराज द्वारा ट्रांसफार्मर से अवैध तार लगाकर बिजली चोरी रोकने पर सरपंच रविराज सिंह द्वारा तलवार निकालकर गर्दन काटने की धमकी देने व राजकार्य में बाधा पहुंचाने का कार्य किया गया है।

इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच एएसआई ईश्वर सिंह के जिम्मे की गई। इसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक झुन्झुनू के आदेशानुसार 24-05-2024 को पत्रावली में अग्रिम अनुसंधान करने हेतु पत्रावली दयाराम चौधरी थानाधिकारी पुलिस थाना सदर झुन्झुनू को सुपुर्द की गई। पुलिस थाना सदर झुन्झुनू, की टीम द्वारा मुलजिम रविराज सिंह की तलाश हेतु सम्भावित स्थानों पर तलाश शुरू की गई। आरोपी ग्राम केड के सरपंच रविराज सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह जाति राजपुत उम्र 36 साल निवासी ग्राम केड पुलिस थाना गुडा को जयपुर झोटवाडा से दस्तयाब कर अनुसंधान के बाद गिफ्तार किया गया।

आरोपी को पकड़ने पहुंची पुलिस के साथ परिजनों ने मारपीट कर गाड़ी के शीशे तोड़े

मामले में 5 लोग गिरफ्तार

नागौर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के डीडवाना में मारोठ थाने इलाके के एक आरोपी को पकड़ने आई पुलिस को आरोपी के परिजनों ने बंधक बनाकर और उनकी निजी गाड़ी पर पथराव और तोड़-फोड़ की। डीडवाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बंधक पुलिसकर्मियों को छुड़ाया और 5 लोगों को गिरफ्तार किया। दरअसल मारोठ थाना पुलिस दौलतपुरा के पास मालियो की ढाणी में सिविल ड्रेस और निजी गाड़ी लेकर पॉक्सो के एक आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंची। जब पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर पहुंची तो परिजनों ने पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर उनके साथ मारपीट कर दी और निजी गाड़ी पर भी तोड़फोड़ कर दी। घटना में पुलिसकर्मी मामूली रूप से चोटिल हुए हैं। सूचना मिलते ही डीडवाना थाना पुलिस भी जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई और मौका स्थल से 4 लोगों को हिरासत में लेकर पॉक्सो एक्ट के आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिसकर्मियों से मारपीट करने और उन्हें बंधक बनाने को लेकर आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है।

हरियाणा के राज्यपाल को रामायण मेले का निमंत्रण

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामायण मेला के प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी ने तीन से बारह अक्टूबर तक होने वाले रामायण मेले में दशहरे के दिन हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने तथा श्रीराम जी का राज्याभिषेक में सम्मिलित होने के लिए निवेदन किया गया। इस अवसर पर गिरधारी लाल डागा मनोज जायसवाल उपस्थित रहे। भंडारू दत्तात्रेय ने दशहरे के दिन आने तथा राज्याभिषेक में उपस्थित होने की स्वीकृति दे दी है।

दशहरा से पहले लाभार्थियों के लिए डबल बेडरूम घर : पोंगुलेटी

बारीक और मोटे अनाज की खरीद के लिए अलग-अलग केंद्र

राजस्व मंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि परिवार कार्ड का मुख्य उद्देश्य एक स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल बनाना और राज्य के प्रत्येक परिवार को एक अद्वितीय नंबर के साथ एक स्मार्ट कार्ड जारी करना है। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि चाहे वे गरीब, मध्यम या अमीर समूह और परिवार हों। हम आम लोगों को बिना किसी परेशानी के ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने के इरादे से फैमिली डिजिटल कार्ड ला रहे हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बेहद महत्वपूर्ण इस कार्ड में परिवार के सदस्यों का ब्योरा बिना किसी गलती के सावधानीपूर्वक दर्ज किया जाए। मंगलवार को तेलंगाना राज्य सचिवालय से, मंत्री ने मुख्य सचिव शांति कुमारी के साथ परिवार डिजिटल कार्ड, शहरी विकास प्राधिकरण (यूडीए), एलआरएस, डबल बेडरूम घर, अनाज खरीद आदि पर जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर मंत्री ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना परिवार डिजिटल कार्ड जारी करने के संबंध में 119 निर्वाचन क्षेत्रों के 238 क्षेत्रों में एक पायलट परियोजना संचालित की जा रही है।

यह सलाह दी जाती है कि निर्वाचन क्षेत्र में एक शहरी और एक ग्रामीण क्षेत्र का चयन करें, या पूरी तरह से शहरी/शहरी निर्वाचन क्षेत्रों के मामले में दो वार्डों/मंडलों का चयन करें। इस माह की तीन से सात तारीख तक चयनित क्षेत्रों में फील्ड स्तर (डोर-टू-डोर) पर विवरण एकत्र करने का सुझाव दिया गया है। यह घोषणा की गई है कि इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए आरडीओ स्तर और जोनल कमिश्नर स्तर के अधिकारियों को प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए विशेष अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से लाखों लोग एलआरएस का इंतजार कर रहे हैं और कलेक्टरों को युद्ध प्रस्ताव आवेदनों को बिना किसी देरी के हल करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि हाल की भारी बारिश के लिए, राज्य सरकार ने 29 जिलों को 3 करोड़ रुपये, चार जिलों खम्मम, सूर्यपेट, कोत्तागुडेम और महबुबाबाद को 5 करोड़ रुपये, नगर पालिकाओं को 1 करोड़ रुपये और निगमों को 2 करोड़ रुपये जारी किए हैं। कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि वे स्वयं अनाज खरीदी प्रक्रिया की निगरानी करें ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में आईटी उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार और नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव डी.एस.चौहान, पंचायत राज सचिव लोकेश कुमार, कृषि सचिव रघुनंदन राव, आवास सचिव श्री गौतम एवं अन्य उपस्थित थे।

बतुकम्मा उत्सव लोगों के जीवन की एकता का प्रमाण : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बतुकम्मा उत्सव के अवसर पर महिला समुदाय को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बतुकम्मा एक पूजनीय त्योहार है, क्योंकि महिलाएं प्रकृति की पूजा करती हैं और फूलों की पूजा करती हैं। मुख्यमंत्री ने कामना की कि सभी लोग इस त्योहार को धूमधाम और उल्लास के साथ मनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बतुकम्मा उत्सव लोगों के जीवन की एकता का प्रमाण है, जो एक-दूसरे के साथ अपनी खुशियां और कठिनाइयां साझा करते हैं। उन्होंने कामना की कि सभी लोग 'एंगिलिपुला' से 'सद्दुला' तक इस त्योहार को उत्साह के साथ मनाएं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राज्य के लोगों के जीवन में प्रकाश लाने और उन्हें कठिनाइयों से मुक्ति दिलाने के लिए "गौरम्मा" देवता से प्रार्थना की।

एससीआर जीएम ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मंगलवार को सिकंदराबाद के रेल निलयम में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। सभी छह डिवीजनों यानी विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बैठक में हिस्सा लिया। महाप्रबंधक ने सितंबर 2024 के दौरान अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा किए गए लगभग 1200 सुरक्षा निरीक्षणों के सारांश की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी कमी और संपत्ति की विफलता की घटनाओं को जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को अधिकारी और पर्यवेक्षक स्तर पर प्रति माह निरीक्षणों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने प्रक्रियाओं के अनुसार क्षेत्र स्तर के कर्मचारियों द्वारा सभी सुरक्षा संबंधी रजिस्टरों और अभिलेखों का रखरखाव सुनिश्चित करने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित कार्य प्रथाओं का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। अरुण कुमार जैन ने सितंबर, 2024 के महीने के दौरान किए गए सुरक्षा अभियानों के सारांश की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सिग्नलिंग, इंजीनियरिंग आइटम, सुरक्षा से संबंधित स्टेशन संपत्ति आदि जैसे सुरक्षा संबंधी वस्तुओं की उपलब्धता और कामकाज पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। जीएम ने चालक दल के काम के घंटों में सुधार की सराहना की और अधिकारियों को चालक दल के सदस्यों को उचित आराम सुनिश्चित करने के लिए इसे बनाए रखने की सलाह दी।

कुमावत सेवा समिति उप्पल का नवरात्रि महोत्सव 3 से

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत सेवा समिति उप्पल चेंगीचेरला हैदराबाद मंदिर भवन में समाज बन्धुओं के सानिध्य में गुरुवार 3 अक्टुबर से शनिवार 12 अक्टुबर तक नवरात्रि महोत्सव एवं डी.जे. की धुन पर रंगारंग डांडिया नृत्य कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष बाबुलाल खारनालिया, सचिव नाथुराम लारना ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में नवरात्रि महोत्सव व डांडिया नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रतिदिन पुजा-अर्चना एवं रात्रि 8.30 बजे से 11.30 बजे तक डांडिया नृत्य कार्यक्रम रहेगा। गुरुवार 10 अक्टुबर को भव्य जागरण का आयोजन रात्रि 9.15 बजे से किया जाएगा। जिसमे माणकजी प्रजापत सबलपुरा भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। संरक्षक चन्द्रप्रकाश मोटावत, पारसमल रेनवाल ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि नवरात्रि महोत्सव मे पुजा-अर्चना, डांडिया व भजनों के कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

हाई कोर्ट द्वारा हाइड्रा को फटकार, रेवंत के मुंह पर तमाचा : ईटाला

लोगों को ब्लैकमेल करने किया जा रहा हाइड्रा का इस्तेमाल

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद ईटाला राजेंद्र ने कहा कि हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) द्वारा चलाए गए ध्वस्तीकरण अभियान पर उच्च न्यायालय का दोष पाना, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के चेहरे पर एक तमाचा है और अगर उनमें कानून के प्रति सम्मान है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मंगलवार को इंदिरा पार्क के धरना चौक पर राज्य भाजपा द्वारा आयोजित धरने के दूसरे दिन बोलते हुए ईटाला ने कहा कि हाई कोर्ट ने हाइड्रा की कार्यप्रणाली और झील अतिक्रमण के मामले में सरकार के काम करने के तरीके में खामियां पाई हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनमें (सीएम) कानून के प्रति थोड़ी भी इज्जत है तो उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिना यह सोचे कि इसके क्या परिणाम होंगे और लोगों को क्या परेशानियां होंगी? एकतरफा फैसले ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का अड़ियल स्वभाव आम आदमी के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है। सरकार अपनी नीतियों के जरिए लोगों को प्रताड़ित कर रही है। निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए हाइड्रा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

महिलाएं भव्य तरीके से प्रकृति की पूजा करे : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 1 अक्टूर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बतुकम्मा पर तेलंगाना महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि फूलों का त्योहार बतुकम्मा उत्सव कल से 9 दिनों तक मनाया जाएगा। मंत्री पोन्नम प्रभाकर की इच्छा है कि लड़कियां भव्य तरीके से फूलों की पूजा करें और प्रकृति की पूजा करें। उत्सव एंगिली फूला बतुकम्मा से शुरू होता है और सद्दुला बतुकम्मा के साथ समाप्त होता है। अलीगिना बतुकम्मा के एक दिन के अलावा, अन्य आठ दिनों में देवी को विभिन्न प्रसाद चढ़ाए जाते हैं। तिरोक्का के फूलों को सुंदर बतुकम्मा में सजाया गया है। उन्होंने तेलंगाना के ग्रामीण इलाकों में बतुकम्मा उत्सव को सांस्कृतिक परंपराओं के साथ मनाने को कहा है। कांग्रेस के शासन में तेलंगाना में महिलाओं के लिए आरटीसी में मुफ्त यात्रा, 500 किमी गैस, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने के लक्ष्य के साथ काम करते हुए सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठा रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. सी.इ.221/इएलएस/जीएलडी/आरसी/38 3/24-25/04 दि.30-09-2024

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 टेंडर नं.-तिथिः सी/इ.221/इएलएस/एलजीडी/आरसी/383 दि.30-09-2024
कार्य विवरणः इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के (छत पर लगे हुए)रूफ माउंटेड सीएबी एसी युनिट्स के विभिन्न विभिन्न ब्रांड्स की मरम्मत व पुनर्निर्माण करना। अनुमानित मूल्यः रु.28,80,486.20 बोली सुरक्षा राशिः रु. 57,600/- निविदा प्रपत्र मूल्यः रु. शून्य ठेका अवधिः 24 महिने बंद करने एवं खोलने की तिथि व समयः 22-10-2024 के 15.00 बजे एवं 22-10-2024 के 15.15 बजे

प्रस्ताव की वैधताः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 63 दिन
निविदा दस्तावेज की प्रस्तुतिः आईआरइपीएस वेबसाइटःwww.ireps.gov.in के माध्यम से

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, इएलएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं. 16 से 17

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहणकर्ता वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर द्वारा आईआरइपीएस पोर्टलः www.ireps.gov.in माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः-(i) डीइएन/उत्तर/जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशन बिल्डिंग्स का परिसंचारी क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार कार्य। (ii) डीइएन/उत्तर/जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत स्टेशन बिल्डिंग्स पर बस टाइप, लो रूफ शेल्टर्स तथा सीओपीएस या कापस का प्रावधान। (iii) डीइएन/उत्तर/जीएनटी क्षेत्राधिकार के तहत सभी स्टेशन बिल्डिंग्स पर पुरुष शौचालयों, महिला शौचालयों तथा दिव्यांगजन शौचालयों का सुधार कार्य। बिजली व्यवस्था। निविदा संदर्भ सं. जीएनटी-इ.16. 2024-25 दि.27-09-2024

अनुमानित मूल्यःरु.58,78,499.27, पूर्व धरोहर राशिः रु.1,17,600.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय या गैर वापसी) रु.शून्य क्रम सं.02 निविदा शीर्षकः सीनि.डीइएन/को-आई./जीएनटी सेक्शन में स्टेशनों व सर्विस बिल्डिंग्स का सुधार कार्य। निविदा संदर्भ सं. जीएनटी-इ.17.2024-25 दि.27-09-2024 अनुमानित मूल्य रु. 13,63,938.39 पूर्व धरोहर राशिः रु.27,300/- निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय) रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 21-10-2024 के 15.30 बजे
किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहणकर्ता वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(रखरखाव), गुंटूर द्वारा जीइएम पोर्टलः https://gem.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.01 निविदा शीर्षक 03 वर्ष की अवधि के लिए, गुंटूर डिवीजन में सुपरवायजर इनचार्ज/एनएलपीडी एन्ड सुपरवायजर इनचार्ज/वीकेएन डिपो क्षेत्राधिकार के तहत ध्यान देने में दुर्लक्ष या फेल्युएए अटेंशन/एस्सेट्स के रखरखाव के प्रति न्यूनतम 2 टन क्षमतायुक्त(जीवीडब्ल्यू) 02 लाइट कमर्शियल व्हीकल्स(पिकअप मटेरियल वैन/मिनि ट्रक) को किराए पर या भाडे पर लेना। निविदा संदर्भ सं.जीइएम/2024/बी/5456096 दि.30.09.2024 अनुमानित मूल्यः रु.45,02,880.00 पूर्व धरोहर राशिःरु.90,100.00 निविदा प्रपत्र मूल्यः (अप्रतिदेय) रु.शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 22-10-2024 के 11.00 बजे किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलःhttps://gem.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/एम/गुंटूर

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/इ.14/टीआरडी/2024-25

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि.25-10-2024 के 15.30 बजे तक, ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 निविदा शीर्षकः जीएनटी डिवीजन-पहचाने गये महत्वपूर्ण स्थानों पर स्टाप सिग्नल के आगे, आईओएल का स्थानांतरण करना। निविदा संदर्भ सं. जीएनटी/इ.14/टीआरडी/2024-25 दि.30-09-2024 अनुमानित मूल्यः रु. 92,51,684.15 पूधराः रु. 1,85,100/- निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर वापसी) रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 25-10-2024 के 15.30 बजे किसी भी विस्तृत विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर दि.01-10-2024 के 15.00 बजे पहले या दि.25-10-2024 तक लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटूर

A1246

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग के लिए कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

मां भगवती का 20वां जागरण पांच अक्टूबर को

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जय अम्बे युवा समिति, एर्रागड्डा द्वारा मां भगवती का 20वां जागरण 5 अक्टूबर को रात्रि 8.30 बजे से एनकेएनआर गार्डन, मेट्रो पिलर नं ए 847, कुकटपल्ली में होने जा रहा है। एर्रागाड्डा के अशोक यादव के ऑफिस पर मीटिंग हुई जिसमें बताया गया कि जागरण में नरेश सैनी गुरुग्राम. पूजा नथानी कोलकाता से सागर व्यास, प्रतीक दाहिमा एवं पंकज ओझा हैदराबाद से भजन गायन करेंगे। लंगर प्रसादी के लिए अजमेर के नसीराबाद का विश्व प्रसिद्ध कचौरा बनाने के लिए प्रस्ताव रखा। समिति के सुनील कावड़िया, संजय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राजेश केडिया, राज काबरा, सोनू अग्रवाल, नागेश अग्रवाल, सुरेश सांखला, राजीव माहेश्वरी, दीपक मंडिया, सुशील हजारिका, राजेश तिवारी अमरचंद भाटी, किशनलाल मण्डन हेमचन्द गुप्ता, गौरव अग्रवाल, भरत जानी, गौरव गुप्ता, श्रीनिवास, सुशील मूंदड़ा, रमेश मर्धा, अशोक यादव, बजरंग अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

महिलाओं एवं बच्चों के लिए कानूनों पर

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आसिफाबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं एवं बच्चों के लिए कानूनों पर शी टीम एवं भरोसा टीम द्वारा जिले में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यदि महिलाएं रैगिंग, छेड़छाड़ या हिंसा की शिकार हैं तो जिला शी टीम या भरोसा केंद्र से संपर्क कर सकती हैं। यह बात जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने कही। जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि शीटीम, महिला तस्करी विरोधी टीम और भरोसा केंद्र महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्राओं और महिलाओं को अपने साथ अन्याय होने पर डरना नहीं चाहिए, साहस के साथ आगे आकर शिकायत करें तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि रैगिंग, ईवी टीजिंग, फॉक्सो, शी टीम, महिला तस्करी विरोधी शी टीम, भरोसा टीम और संबंधित थाने के छात्रों पर संबंधित थाना अधिकारियों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इनके अलावा रोजगार गारंटी के लिए काम पर जाने वाली महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। इसी तरह, यदि महिलाएं जहां काम करती हैं, वहां किसी भी तरह की हिंसा का शिकार होती हैं, तो उन्हें शी टीम से संपर्क करना चाहिए। जिले भर में सितंबर माह में शीटीम के माध्यम से 38 हॉटस्पॉट स्थान चिन्हित किये गये, 10 जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक किया गया तथा चार मामलों में काउंसलिंग की गयी। उन्होंने कहा महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया का उपयोग करते समय बहुत सावधान रहें और फोटो और वीडियो पोस्ट करते समय व्यक्तिगत सुरक्षा के संबंध में सभी प्रकार के सुरक्षा के उपाय करें।

वन अधिकारियों ने कुएं से अजगर को बचाया

हनमकोंडा, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को सायम्पेटा मंडल मुख्यालय में वन अधिकारियों की बचाव टीम ने एक अजगर को कुएं से बचाया।

रिपोर्ट के अनुसार, किसान गादम संजीव, जो कीटनाशक मिलाने के लिए अपने कृषि कुएं पर गया था, ने कुएं में एक अजगर देखा और वन अधिकारियों से संपर्क किया। वन विभाग की बचाव टीम ने गांव पहुंचकर अजगर को बचाया और बताया कि अजगर को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया जाएगा।

तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बीआईएस हैदराबाद के हितधारकों का सम्मेलन आयोजित

सूर्यापेट, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, आईएएस तेजस नंद लाल पवार ने कहा कि, भारतीय मानकों का पालन करना तथा राष्ट्रीय विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण सामान की खरीदी करना प्रत्येक व्यक्ति का उत्तरदायित्व है।

इस संदर्भ में, विश्व मानक दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, बीआईएस हैदराबाद शाखा कार्यालय ने सूर्यापेट जिले में "हितधारक या स्टेकहोल्डर्स सम्मेलन" का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, आईएएस तेजस नंद लाल पवार उपस्थित हुए। इसके तहत जिला मुख्यालय में मुख्य अतिथि कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, आईएएस तेजस नंद लाल पवार ने तत्संबंधित कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्य सम्माननीय अतिथियों के रूप में डीआईसी महाप्रबंधक सीताराम और सहायक नागरिक आपूर्ति अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का प्रारंभ तत्संबंधित विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात मानक गीत गाया गया। जिसमें अपने उद्घाटन भाषण में, एचवायबीओ प्रमुख पीवी श्रीकांत ने कार्यक्रम के उद्देश्य को रेखांकित किया और एसडीजी-9 के साथ संरेखित इस वर्ष के डब्ल्यूएसडी समारोह की थीम पर व्यापक प्रकाश डाला।

तदनंतर कलेक्टर व जिला मजिस्ट्रेट, आईएएस तेजस नंद लाल पवार ने अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बीआईएस केयर ऐप्प डाउनलोड करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने भाषण के बाद, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को गुणवत्ता शपथ की दिलाई।

इसके बाद जे.डी., बीआईएस राकेश तन्नेरू और माई होम इंडस्ट्रीज वरिष्ठ महा प्रबंधक विजय भास्कर रेड्डी ने तकनीकी प्रस्तुतियां दी।

जिसमें दिग्गज उद्योगों, जौहरियों, उपभोक्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और राज्य सरकार के विभागों से 150 प्रतिभागियों के भाग लेने के परिणामस्वरूप यह कार्यक्रम बहुत सफल रहा।

राजभाषा के विकास में सांस्कृतिक गतिविधियां आवश्यक हैं : अनुराग कुमार

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में अनुराग कुमार, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 168वीं बैठक का आयोजन किया गया। कॉरपोरेशन के प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने राजभाषा कार्यान्वयन के प्रमुख बिन्दुओं का प्रस्तुतीकरण दिया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन एक राष्ट्रीय दायित्व का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा नीति एवं विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए राजभाषा कार्यान्वयन के सदस्यों को कॉरपोरेशन के आंचलिक कार्यालयों का नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया गया। अध्यक्ष एवं अध्यक्ष ने कहा कि आगामी तीन वर्षों के लिए कॉरपोरेशन में राजभाषा कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाए। समीक्षा के अनुसरण में प्रबंधक (राजभाषा) ने भी सभी सदस्यों से अपील की कि वे अपना अधिक से अधिक सरकारी काम हिन्दी में करें। इस कार्यक्रम में डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी.कनका महालक्ष्मी, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक द्वारा सीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण दिया गया।

सीएसआर के तहत मेखलामंडी स्थित गवर्नमेंट अप्पर प्राइमरी स्कूल में शैक्षिक सामान वितरित

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआर के तहत मेखलामंडी स्थित गवर्नमेंट अप्पर प्राइमरी स्कूल में शैक्षिक सामान या सामग्री वितरित की गयी।

इस संदर्भ में, एनटीपीसी एसआरएचक्यू की पहल के तहत सामाजिक वंचित वर्गों के बच्चों हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत तत्संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि, एनटीपीसी एसआरएचक्यू समाज के वंचित वर्गों के बच्चों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई सक्रिय कदम उठा रहा है। इसी के पदचिन्हों पर चलते हुए सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय (गवर्नमेंट अप्पर प्राइमरी स्कूल) मेखलामंडी में विभिन्न स्कूली सामान या सामग्री वितरित किए गए। जिसमें एनटीपीसी एसआरएचक्यू ने स्कूली जूते, मोजे और कार्यालय फर्नीचर जैसे अलमारी, टीचर टेबल, शिक्षक कुर्सियां आदि से युक्त किट वितरित की। इस दौरान एसआरएचक्यू महा प्रबंधक (एचआर) एसएन पाणिग्रही ने छात्र-छात्राओं से वार्तालाप किया और उन्हें एनटीपीसी और राष्ट्र विकास में इसकी भूमिका के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने एनटीपीसी और इसके विभिन्न सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के बारे में भी बताया।

किसान ने महबूबाबाद में की आत्महत्या

फसल ऋण माफी न मिलने से था परेशान

महबूबाबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के डोमकल मंडल के धरावतु थांडा में एक 53 वर्षीय किसान ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे डर था कि वह अपना कर्ज नहीं चुका पाएगा, क्योंकि वह राज्य सरकार द्वारा वादा किए गए 2 लाख रुपये के ऋण माफी को हासिल करने में असमर्थ था।

रिपोर्ट के अनुसार, धरावतु रवि ने बैंक से 2.40 लाख रुपये का लोन लिया था और उसे उम्मीद थी कि राज्य सरकार द्वारा घोषित लोन माफी योजना के तहत वह इसे चुका देगा लेकिन जब उसका नाम लाभार्थियों की सूची में नहीं आया तो वह डिप्रेशन में चला गया क्योंकि उसने निजी फाइनेंसरों से लोन लिया था। सोमवार को रवि अपने खेत पर गया था और शाम को घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो खेत में बेहोशी की हालत में रवि पड़ा मिला और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान आयोजित

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर स्थित वेंकटेश्वर स्वामी, कार्तिकेय स्वामी मंदिरों के धार्मिक स्थलों को कवर कर सफाई अभियान आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से मंदिर क्षेत्र के आसपास सफाई के महत्व के बारे में जागरूकता का आयोजन किया गया।

इस स्वच्छता अभियान के दौरान, भक्तों, मंदिर में आने वाले व्यक्तियों के साथ-साथ मंदिर के पुजारियों और पूजा के लिए विभिन्न धार्मिक सामग्री बेचने वाले विक्रेताओं को श्रमदान गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिसमें मंदिर के कर्मचारियों ने स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रतिभागियों को अपने दैनिक जीवन के अंग के रूप में स्वच्छता को अपनाने और भक्ति के स्वस्थ स्थल बनाने हेतु व्यवहार में बदलाव की आवश्यकता के लिए प्रोत्साहित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने 7 विकेट से जीता कानपुर टेस्ट

बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 से क्लीन स्वीप

कानपुर, , 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। टीम इंडिया को 95 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे रोहित एंड कंपनी ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 233 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित कर दी थी। भारत को तब 52 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम ने 146 रन बनाए और भारत के सामने 95 रन का लक्ष्य दिया था। टेस्ट में आधिकारिक तौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 74.2 ओवर, भारत ने अपनी पहली पारी में 34.4 ओवर, बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 47 ओवर और भारत ने अपनी दूसरी पारी में 17.2 ओवर खेले। इन सभी को मिला दें तो लगभग 174 ओवर बनते हैं और यह दो दिन के कुल ओवरों (180) से भी कम है।

भारत ने इस टेस्ट में साहसिक खेल दिखाया। पहले दिन 35 ओवर का ही खेल हो पाया था। बारिश ने मैच में खलल डाला और फिर दूसरे और तीसरे दिन का खेल बारिश से धुल गया था। चौथे दिन खेल शुरू हुआ और भारत ने बांग्लादेश को समेटने के बाद फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर टेस्ट में किसी टीम द्वारा सबसे तेज 50, 100, 150, 200 और 250 रन बनाने का रिकॉर्ड बना डाला। इसके बाद बांग्लादेश को दूसरी पारी में जल्दी समेटकर आसान लक्ष्य का पीछा किया। भारत ने बांग्लादेश को दो या उससे ज्यादा मैचों की टेस्ट सीरीज में पांचवीं बार क्लीन स्वीप किया है। टीम इंडिया इससे पहले 2004/05, 2009/10, 2019/20, 2022/23 में ऐसा कर चुकी है। वहीं, भारत ने ओवरऑल टेस्ट में 37वीं बार किसी टीम को क्लीन स्वीप किया है। भारत ने अपने घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीती है। भारत के लिए दूसरी पारी में विराट कोहली 29 रन और ऋषभ पंत चार रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित शर्मा आठ रन, शुभमन गिल छह रन और यशस्वी जायसवाल 51 रन बनाकर आउट हुए। विराट और यशस्वी के बीच तीसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई। बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन मिराज ने दो विकेट लिए, जबकि तैजुल इस्लाम को एक विकेट मिला। यशस्वी ने अपनी पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया। बांग्लादेश की दूसरी पारी 146 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश की टीम ने मंगलवार को दो विकेट पर 26 रन से आगे खेलना शुरू किया और 120 रन बनाने में बाकी बचे आठ विकेट गंवा दिए। बांग्लादेश की ओर से शदमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए।

दिल्ली कैपिटल्स वालों ने इंग्लैंड में की करोड़ों की डील

केविन पीटरसन का रहा बड़ा रोल

लंदन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स का मालिकाना हक रखने वाले जीएमआर ग्रुप ने इंग्लैंड में बड़ी डील की है. उसने ये करार हैम्पशर के साथ किया है. करोड़ों की इस बड़ी डील को कराने वाले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन हैं. इंग्लैंड के स्टाइलिश बल्लेबाज रहे पीटरसन ने इस बड़ी डील में बिचौलिए की भूमिका निभाई है. हैम्पशर और दिल्ली कैपिटल्स दोनों की ओर से क्रिकेट खेल चुके होने की वजह से पीटरसन ने अपना काम बखूबी किया. इंग्लैंड के दिग्गज क्रिकेटर ने डील को इंग्लैंड क्रिकेट में ऐतिहासिक दिन बताया है.

हैम्पशर और डीसी से खेल चुके हैं पीटरसन

केविन पीटरसन ने 2005 से 2010 के बीच हैम्पशर के लिए क्रिकेट खेला है. उन्होंने आईपीएल की दिल्ली फ्रेंचाइजी में भी 3 साल बिताए हैं. वो तब इस आईपीएल

टीम का हिस्सा थे, जब उसे दिल्ली डेयरडेविल्स कहा जाता था. पीटरसन ने 2014 में दिल्ली फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की है. ऐसे में उनके जीएमआर ग्रुप के चेयरमैन किरन कुमार ग्रांधी से रिश्ते अच्छे थे. सितंबर महीने की शुरुआत में दोनों ने साथ में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मैच भी देखा था. जीएमआर ग्रुप के साथ पीटरसन के यही बेहतर रिश्ते डील की वजह बने.

ऐसा माना जा रहा है कि केविन पीटरसन का इस डील में अपना कोई बिजनेस हित नहीं है. उन्होंने बस दो पार्टियों को मिलाने का काम किया. एक बार जब डील हो गई, उसके बाद केविन पीटरसन ने दोनों पार्टियों को मुबारकबाद दिया और एक्स हैंडल पर उनके बीच हुई डील को इंग्लैंड क्रिकेट का ऐतिहासिक दिन बताया.

हैम्पशर की ओर से बयान जारी कर बताया गया कि फिलहाल जीएमआर ने 53 फीसद हिस्सेदारी खरीदी है. बाकी बचे 47 फीसद शेयर भी वो अगले 2 साल में खरीद लेंगे. हैम्पशर की पैरेंट कंपनी पर चढ़े भारी कर्जे को इस डील की बड़ी वजह माना जा रहा है.

पीटरसन का बड़ा रोल-डील के बाद जीएमआर के चेयरमैन ने बताया

डील हो जाने के बाद जीएमआर चेयरमैन किरन कुमार ग्रांधी ने बताया कि इसके पीछे केविन पीटरसन का बड़ा रोल रहा. वो हैम्पशर के चेयरमैन रॉड ब्रांसग्रोव को भी जानते थे और मुझे भी जानते हैं. दोनों के दोस्त होने की वजह से पीटरसन हमारे बीच कॉमन लिंक रहे.

ऋतुराज गायकवाड़ की होगी टीम इंडिया में एंट्री

गौतम गंभीर और रोहित शर्मा ने लिया बड़ा फैसला !

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज और टी20 सीरीज में सेलेक्शन नहीं होने के बाद अब खबरें हैं कि ऋतुराज गायकवाड़ को टीम इंडिया में मौका मिल सकता है. बड़ी खबर ये है कि इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में सेलेक्ट किया जा सकता है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गायकवाड़ तीसरे ओपनर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे. गायकवाड़ फिलहाल ईरानी ट्रॉफी खेल रहे हैं. वो रेस्ट ऑफ इंडिया के कप्तान हैं.

तीसरे ओपनर के तौर पर ऑस्ट्रेलिया जाएंगे गायकवाड़

टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में

गायकवाड़ को ओपनिंग की भूमिका दी जा सकती है. प्लेइंग इलेवन के रेगुलर ओपनर यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ही रहेंगे लेकिन जरूरत पड़ने पर गायकवाड़ को भी ये जिम्मेदारी मिल सकती है. अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है या उसकी फॉर्म खराब होती है तो गायकवाड़ को मौका मिल सकता है. टीम इंडिया को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है जहां पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी.

गंभीर-रोहित का फैसला?

अगर ऋतुराज गायकवाड़ को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने की खबरें सामने आ रही हैं तो जाहिर तौर पर इसके पीछे हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा का दिमाग होगा. रोहित शर्मा और गौतम गंभीर जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में आपको तकनीकी तौर पर सॉलिड बल्लेबाज चाहिए और गायकवाड़ इसमें बेस्ट हैं. वो शॉर्ट बॉल के खिलाफ भी अच्छा खेल दिखाते हैं. यही नहीं उनकी हालिया फॉर्म भी अच्छी है.

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज में मिलेगा मौका?

सवाल ये है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है.

क्या ऋतुराज गायकवाड़ को इसमें मौका दिया जाएगा? वैसे ये भी मुमकिन है कि गायकवाड़ को इंडिया-ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भेजा जाए. इंडिया ए की टीम इसी महीने ऑस्ट्रेलिया जाएगी. 31 अक्टूबर को इंडिया ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच अनाधिकारिक टेस्ट खेला जाएगा. वहीं 7 नवंबर को दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला जाएगा. मुमकिन है कि ऋतुराज गायकवाड़ को ही इंडिया ए की कप्तानी दी जाए.

चाइना ओपन: अल्कारेज ने खाचानोव को हराया

लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे, अब होगी मेदवेदेव से भिड़ंत

बीजिंग, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने यहां कारेन खाचानोव के खिलाफ सीधे सेट में जीत के साथ लगातार दूसरे साल चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। स्पेन के 21 साल के अल्कारेज ने दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी खाचानोव को 7-5, 6-2 से हराया। अल्कारेज ने 12 में से चार ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठाया और 96 मिनट में जीत दर्ज की।

अल्कारेज की यह सत्र की 46वीं जीत है जिसकी बदौलत यह फ्रेंच ओपन और विंबलडन चैंपियन एटीपी 'लाइव रैंकिंग' में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए। सेमीफाइनल में अल्कारेज की

भिड़ंत दानिल मेदवेदेव से होगी। दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव ने इटली के फ्लावियो कोबोली को सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराया।

इससे पहले आंद्रे रूबलेव ने रविवार को बारिश से प्रभावित मैच में एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-4, 7-5 से हराया। वह क्वार्टर फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी बू युनचाओकेट से भिड़ेंगे।

13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 गेंदों पर ठोका शतक

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश पर भारत के सीनियर खिलाड़ियों का हल्ला बोल देखने को मिला है तो उधर चेन्नई में खेले जा रहे अंडर 19 टीम के 4 दिनी मैच में भारत के 13 साल के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का कहर ऑस्ट्रेलिया पर टूटा है. बिहार से आने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 टेस्ट की अपनी पहली पारी में शतक जड़कर अपनी काबिलियत का लोहा मनवा दिया है. वैभव ने 58 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपनी सेंचुरी पूरी की और इसी के साथ कई रिकॉर्ड्स की बलि चढ़ा दी.

14 चौके, 4 छक्के, 64 गेंदों पर 104 रन

वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 4 दिनी मैच में भारतीय पारी का आगाज किया और कुल 64 गेंदों का सामना कर 104 रन बनाए. उनकी विस्फोटक पारी में 14 चौके और 4 छक्के

शामिल रहे. वैभव सूर्यवंशी रनआउट होकर पवेलियन लौटे. 64 गेंदों की पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक 58 गेंद पर पूरा किया.

बाल-बाल बचा वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 58 गेंदों पर शतक जड़ने के साथ ही वैभव अंडर 19 टेस्ट में सबसे तेज शतक जमाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए है. वहीं वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस मामले में वो दूसरे नंबर पर हैं. अंडर 19 टेस्ट में वैभव से तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड के मोईन अली हैं. मोईन ने 2005 में 56 गेंदों पर ये कारनामा किया था.

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का पलटवार

वैभव सूर्यवंशी के शतक की बदौलत भारत की अंडर 19 टीम को ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ पहली पारी में धमाकेदार शुरुआत मिली, जिसका उसे मैच में फायदा मिलता दिख सकता है. मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बैटिंग की थी और अपनी पहली पारी में 293 रन बनाए थे.

वैभव सूर्यवंशी का क्रिकेट सफर

वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी, हेमंत ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और वीनू मांकड़ ट्रॉफी में खेल चुके हैं. उन्हें लेकर ये दावा किया जा रहा है कि उन्होंने एक साल में अलग-अलग टूर्नामेंट्स को मिलाकर कुल 49 शतक लगाए हैं. 5 साल की उम्र से क्रिकेट शुरू करने वाले वैभव ने 12 साल 284 दिन की उम्र में अपना पहला फर्स्ट क्लास मैच खेला. मुंबई के खिलाफ उन्होंने फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था, जिसमें पहली पारी में 19 रन और दूसरी पारी में 12 रन ही वो बना सके थे.

शीर्ष वरीय विष्णु, वैदेही 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शीर्ष वरीय विष्णु वर्धन और वैदेही चौधरी ने डीएलटीए परिसर में 29वीं फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप के पहले दिन जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुके पूर्व डेविस कप खिलाड़ी विष्णु ने पुरुष एकल के पहले दौर में हरियाणा के उदित कंबोज को 7-5, 6-1 से हराया।

महिला एकल में 2022 की राष्ट्रीय चैंपियन वैदेही ने शैली ठक्कर के खिलाफ सीधे सेट में 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि कर्नाटक की सोहा सादिक ने दिल्ली की कशिश भाटिया को आसानी से 6-0, 6-1 से हराया। तमिलनाडु के अभिनव संजीव ने उलटफेर करते हुए तीसरे वरीय इशाक इकबाल को 6-1, 7-6 से हराया जबकि छठे वरीय रणजीत वीएम ने ओगेस प्रकाश को 6-0, 6-2 से शिकस्त दी।

पाकिस्तान के कप्तान की लाइव बेइज्जती!

पत्रकार ने कैमरे के सामने 'लताड़ा'

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद के लिए मौजूदा समय ठीक नहीं चल रहा है। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान टीम को अपने घर में बांग्लादेश के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी। इस हार के खिलाफ फैंस उनकी जमकर आलोचना कर रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्हें ऐसे सवालों का सामना करना पड़ा, जिसके लिए वो तैयार नहीं थे। बात यहां तक पहुंच गई कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के मीडिया डायरेक्टर समी उल हसन को हस्तक्षेप करना करना पड़ा।

दरअसल पत्रकार ने मसूद से एक सवाल किया था, जिसमें पाक कप्तान से कहा गया, 'शान, आपने कहा था कि जब तक पीसीबी आपको मौका दे रही है, तब तक आप इस पद पर बने रहेंगे। लेकिन क्या आपका विवेक आपको नहीं कहता है कि आप लगातार हार रहे हैं और प्रदर्शन करने में सक्षम नहीं हैं। आपको कप्तानी का पद छोड़ देना चाहिए।' प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस सवाल पर स्पष्ट रूप से नाराज मसूद ने समी उल हसन की ओर देखा और फिर पत्रकार की ओर देखते हुए चेहरे पर मुस्कान के साथ उस अजीब क्षण को संभाला। उन्होंने यहां सवाल का कोई जवाब नहीं दिया।

'आपके सामने पाकिस्तान का कप्तान बैठा है'

इसके बाद मामले को संभालते हुए समी उल

हसन ने कहा, 'आप सभी से एक विनम्र अनुरोध है। आपके सामने पाकिस्तान का कप्तान बैठा है। आप बिल्कुल सवाल कर सकते हैं। लेकिन कृपया सम्मान दिखाएं। आपने जो सवाल पूछा, वह पाकिस्तान के कप्तान से पूछने का सही तरीका नहीं था।'

लगातार हार रही है पाक टीम

बता दें कि इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के पहले मैच के लिए टेस्ट कप्तान बनाए रखने के बाद मसूद की मीडिया से यह पहली मुलाकात थी। लगातार हार के बावजूद अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वाले खिलाड़ियों पर टिके रहने और घरेलू क्रिकेट में कुछ युवा प्रतिभाओं को नजरअंदाज करने के लिए पीसीबी और सिलेक्शन कमिटी की आलोचना हो रही है। इसके बाद चीफ सिलेक्टर मोहम्मद यूसुफ को भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

हार्वुड लीग: मुंबई की सबसे पुरानी फुटबॉल लीग की हुई वापसी, 1902 में हुई थी शुरुआत

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यह सुन कर अजीब लगता है कि मुंबई जैसे विकसित शहर में मैदान की कमी के कारण कोई फुटबॉल मैच नहीं हो सका। हालांकि, अगर आप मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन (एमएफए) के संरक्षकों से पूछेंगे कि सबसे पुरानी हारवुड लीग कोरोना के बाद से वापसी क्यों नहीं हो सकी तो उनका जवाब आपको सोंचने पर मजबूर कर देगा।

मैदान खराब होने की वजह से नहीं हो सका टूर्नामेंट

मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन के ट्रस्टी उदयन बनर्जी ने बताया कि जब 1983 में सेंट जेवियर्स मैदान का गठन हुआ था, तब एमएफए को परेल में सेंट जेवियर्स मैदान का केयरटेकर बनाया गया था। हालांकि, इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन महामारी (कोविड-19) के दौरान मैदान का इस्तेमाल परीक्षण केंद्र और टीकाकरण केंद्र के रूप में किया जाने लगा। उसके बाद इसमें दो स्टॉर्म वाटर ड्रेन होल्डिंग तालाब बना दिए गए और मैदान को खराब हालत में छोड़ दिया गया। जब तक इसकी मरम्मत नहीं हो जाती तब तक इसका इस्तेमाल फुटबॉल के लिए नहीं किया जा सकता।

मैदान की हालत खराब

16 हजार वर्ग मीटर का यह ग्राउंड आज की स्थिति में अव्यवस्थित पड़ा है। बाउंड्री वॉल का एक हिस्सा ढह चुका है, गोल पोस्ट गिर चुके हैं जिसकी वजह से मलबा चारों तरफ फैला पड़ा है। बनर्जी ने कहा- बीएमसी ने हमें इसकी मरम्मत करने के लिए कहा था, लेकिन हमने इसे नष्ट नहीं किया, तो हम क्यों करें? इसमें कम से कम 25 लाख रुपये खर्च होंगे।

मुख्य मैदान की खराब हालत के कारण एमएफए अन्य लीगों के लिए बांद्रा स्थित नेविल डिसूजा मैदान या चेंबूर में आरसीएफ मैदान का उपयोग करता है। वहीं, हारवुड लीग के लिए उनके पास कोई मैदान नहीं बचा। एमएफए की नजर नरीमन पॉइंट के कूपरेज ग्राउंड पर थी। हालांकि, महंगा होने के कारण इसका आयोजन नहीं हो सका।

खेल के प्रायोजकों के विषय में बात करते हुए बनर्जी ने निराशा जताई। उन्होंने कहा- स्थानीय मुंबई खेलों का प्रचार-प्रसार ठीक से नहीं किया जाता है, इसलिए वे बहुत अधिक प्रायोजकों को आकर्षित नहीं करते हैं। खेल दर्शकों के लिए निशुल्क हैं, लेकिन

बहुत कम लोग आते हैं।

नदीम मेमन ने ली बड़ी जिम्मेदारी

हारवुड लीग की किस्मत में बदलाव खेल मैदान सलाहकार और दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी नदीम मेमन के रूप में आया। उन्होंने ही इसे पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। नदीम ने कहा- एमएफए ने मुझसे संपर्क किया और मुझे मैदान हासिल करने में आने वाली समस्याओं के बारे में बताया। इसलिए मैंने इस सीजन के खेलों को प्रायोजित करने और उनकी मदद करने का फैसला किया।

बनर्जी ने बताया कि 15 दिन के टूर्नामेंट के लिए हमसे लगभग तीन लाख का किराया मांगा जा रहा था। मेमन इसे आधे से भी कम करवाने में सफल रहे। इसके जवाब में मेमन ने कहा- फुटबॉल ने मुझे मेरी पहली नौकरी दी, 18 साल की उम्र में आईडीबीआई बैंक की टीम के लिए खेलने का मुझे मौका मिला। यह खेल को वापस देने का मेरा तरीका है।

हारवुड लीग का इतिहास

बात करें हारवुड लीग के इतिहास की तो 1902 में इसकी शुरुआत कर्नल जे जी हार्वुड ने किया था। उन्होंने वेस्टर्न इंडिया फुटबॉल एसोसिएशन (डब्ल्यूआईएफए) की भी स्थापना की थी। इसके बाद लीग को एक अलग समिति ने अपने अधीन कर लिया, जब तक कि 1911 में डब्ल्यूआईएफए का दूसरा संस्करण नहीं बन गया। 1916 से 1920 तक खेलों में कुछ समय के लिए ब्रेक रहा और फिर इसकी शुरुआत हुई।

ऐतिहासिक परिस्थितियों के अनुसार, इस खेल के शुरुआती विजेता ब्रिटिश सेना की रेजिमेंटल टीमें थीं - 1942 तक, जब वेस्टर्न इंडिया ऑटोमोबाइल एसोसिएशन स्टाफ टीम ने जीत हासिल की। तब से भारतीय टीमों ने विजयी खिताब पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है। इसके इतिहास में एक और ट्रस्ट 1990 में उभरा जब लीग के दो संस्करण एक साथ आयोजित किए गए। एक डब्ल्यूआईएफए द्वारा और दूसरा बॉम्बे डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन (बाद में मुंबई डिस्ट्रिक्ट फुटबॉल एसोसिएशन (एमडीएफए) या एमएफए द्वारा। यह 1999 तक जारी रहा, जिसके बाद एसोसिएशन ने अपने मतभेदों को सुलझा लिया और हारवुड लीग को एक में बदल दिया गया।

कब खेला जाएगा फाइनल?

हारवुड लीग का नया सत्र 21 सितंबर को शुरू हुआ है, जिसका फाइनल मुकाबला पांच अक्तूबर को खेला जाएगा। आठ टीमें एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, कुछ कॉर्पोरेट टीमें, जैसे बैंक ऑफ बड़ौदा की एक टीम, और कुछ टीमें मुंबई कस्टम्स जैसी सरकारी सहायक कंपनियों से जुड़ी हैं। बनर्जी ने कहा- वे वजीफे पर फुटबॉल खिलाड़ियों को नियुक्त करते हैं। लेकिन टीमें, खासकर कॉर्पोरेट की कम होती जा रही हैं।

केटीआर के काफिले पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हमले से बढ़ा तनाव

पुलिस को करना पड़ा हस्तक्षेप

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुशीराबाद में मंगलवार को उस समय तनाव बढ़ गया जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के काफिले पर हमला किया। वे मुसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना से प्रभावित निवासियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने जा रहे थे। पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और स्थिति को बढ़ने से रोकना पड़ा। रामा राव अम्बरपेट निर्वाचन क्षेत्र के गोलनाका के प्रभावित इलाकों का दौरा करने और सौंदर्यीकरण परियोजना के पीड़ितों से मिलने जा रहे थे। उनके दौरे के बारे में पता चलने पर, मोथा रोहित के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुशीराबाद में उनके काफिले को रोक दिया। उन्होंने केटीआर वापस जाओ के नारे लगाए और वाहनों पर हमला किया तथा मंत्री कोंडा सुरेखा के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं से तत्काल माफी मांगने की मांग की, जिन पर सोमवार को तेलंगाना भवन के बाहर कथित तौर पर हमला किया गया था। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने भी बराबर जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कुछ समय के लिए तनावपूर्ण गतिरोध पैदा हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया, जिसके बाद रामा राव के काफिले को मौके से जाने दिया गया।

बीआरएस नेता कविता निजी अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और एमएलसी के. कविता को मंगलवार को मेडिकल परीक्षण के लिए हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कविता, जो दिल्ली आबकारी नीति मामले में तिहाड़ जेल में रहने के दौरान स्त्री रोग संबंधी समस्याओं और तेज बुखार सहित कई स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित रही हैं, ने पहले भी इन चिंताओं के लिए दिल्ली के एम्स में चिकित्सा परीक्षण कराया था।

आरोपों के मुकाबला के लिए मजबूत सोशल मीडिया अभियान चलाएं : महेश गौड़

टीपीसीसी अध्यक्ष ने सरकारी निगम अध्यक्षों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से विपक्ष के दुष्प्रचार का मुकाबला करते हुए सरकार समर्थक आख्यान को बढ़ावा देने के लिए सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने का आग्रह किया है। यहां गांधी भवन में मंगलवार को सरकारी निगम अध्यक्षों की एक बैठक को संबोधित करते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष ने विपक्षी दलों द्वारा फैलाई जा रही गलत सूचनाओं का खंडन करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके बारे में उनका दावा है कि इससे लोगों में सरकार, मुख्यमंत्री और विभिन्न मंत्रियों के बारे में भ्रम पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस ने कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनमें 2 लाख रुपये के कृषि ऋण माफ करने की ऐतिहासिक योजना भी शामिल है। महेश कुमार गौड़ ने कहा, देश में किसी अन्य राज्य सरकार ने इतने बड़े पैमाने पर पहल नहीं की है और यह महत्वपूर्ण है कि इन उपलब्धियों को जनता तक व्यापक रूप से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि बीआरएस और भाजपा सहित विपक्ष, विशेष रूप से हुसैन सागर और मूसी नदी सफाई परियोजनाओं जैसे मुद्दों पर भ्रामक अभियान चला रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर इन झूठी कहानियों का मुकाबला करने और सरकार की पहलों को अधिक जोश और दृढ़ संकल्प के साथ बढ़ावा देने का आग्रह किया।

रघुनंदन राव ने बीआरएस कार्यकर्ताओं की आलोचना की

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद रघुनंदन राव ने आज बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं पर मंत्री कोंडा सुरेखा को ट्रोल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आलोचना की कि बीआरएस पार्टी से पैसे लेने वालों ने इस तरह की ट्रोलिंग की। यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रघुनंदन राव ने कहा, सिर्फ ट्वीट पोस्ट करने से ज्यादा... हरीश राव को ट्रोलिंग के लिए माफ़ी मांगनी चाहिए। क्या वे अपमानजनक पोस्ट करेंगे? कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के वितरण कार्यक्रम के दौरान जिला प्रभारी मंत्री कोंडा सुरेखा, बीआरएस पार्टी के विधायक प्रभाकर रेड्डी, मैं मौजूद थे।

अन्नप्रसादम की रूट योजना की समीक्षा

तिरुमला, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के अतिरिक्त ईओ सेई सीएच वेंकैया चौधरी ने मंगलवार शाम को आगामी वार्षिक ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर व्यवस्थाओं पर समीक्षा बैठक की, जिसमें 8 अक्टूबर को गरुड़ सेवा के दिन पर विशेष ध्यान दिया गया। बैठक गोकुलम रेस्ट हाउस में आयोजित की गई थी। इसके एक हिस्से के रूप में अतिरिक्त ईओ ने विभिन्न राज्यों से संबंधित सांस्कृतिक टीमों का सत्यापन किया जो वाहनम के सामने प्रदर्शन करेंगे और संबंधित अधिकारियों को कुछ सुझाव दिए। बाद में उन्होंने अन्नप्रसादम विंग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना का भी अध्ययन किया जिसमें भोजन तैयार करना, वितरण मार्ग योजना और गैलरी में अन्नप्रसादम की निर्बाध डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अन्य विभागों के साथ समन्वय शामिल था। परिवहन महाप्रबंधक शेष रेड्डी, उप परिवहन अधिकारी राजेंद्र, आशा ज्योति, एचडीपीपी अधिकारी, सतर्कता अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री आईमाता मंदिर (बडेर) जीडिमेटला
हैदराबाद (तेलंगाना)
के तत्वावधान में

नवरात्री महोत्सव
कल गुरुवार दि.03.10.2024 से शुक्रवार दि.11.10.2024 तक
--: कार्यक्रम :--
: हवन : प्रतिदिन प्रातः 7.31 बजे से 10.31 बजे तक
: पूर्णाहुति : शुक्रवार दि.11.10.2024 प्रातः 7.15 बजे से 11 बजे तक
जागरण : कल गुरुवार दि.03 अक्टुबर रात्रि 9.15 बजे से
भजन गायकार: रमेश सीरवी, रमेश प्रजापत (चड़ागुड़ा)
P.Solankey
हवन मे बैठने के लिए 9676147019, 9490749274 से सम्पर्क करे
: निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव मे पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, भजनों के कार्यक्रम मे सपरिवार भाग लेकर माँ श्री आईजी के दर्शनकर पुण्य का लाभ लेवे एवं कार्यक्रम को सफल बनावे
: निवेदक :
समस्त सीरवी समाज, जीडिमेटला-हैदराबाद (तेलंगाना)

जलक्षत्रिय समाज गंगापुत्र
(Regd. No. 621/94)
गंगापुत्र भवन, 14-10-1484, मछलीपुरा, चौराहा जिन्सी
हैदराबाद-500012 (तेलंगाना)
विशेष सूचना
आप सभी समाजवासियों को यह जानकारी दी जाती है कि दिनांक 30 सितंबर 2024 को आयोजित आम सभा (General Body Meeting) में समाज के चुनाव की तारीख आधिकारिक रूप से 14/10/2024 दिन सोमवार को रखना निश्चित हुआ है।
आप सभी से निवेदन किया जाता है कि आप समाज के चुनाव में अपना मतदान कर एक मजबूत पंच कमेटी का चयन करने में अपना योगदान दे।
महासचिव
सुदय सिंह
फोन : 8106977652
PVMS

स्थापना 1983 || श्री आईमाता प्रसादाता || पंजीकृत सं.1941/83
सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
श्री आईमाता मन्दिर(बडेर), पारसीगुट्टा,हैदराबाद फोन-27505506

नवरात्री महोत्सव
कल गुरुवार दि.03.10.2024 से शुक्रवार दि.11.10.2024 तक
: कार्यक्रम :
* हवन-यज्ञ : प्रतिदिन प्रातः 7.31 बजे से 11 बजे तक *

(मुख्य यजमान : अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़)
शुक्रवार दि. 11.10.2024 पूर्णाहुति : प्रातः 7.31 बजे से 11 बजे तक
: नोट : हवन मे बैठने के लिए सचिव नारायणलाल काग - (9849722490) सहसचिव हीराराम खंडाला - (9440894704) से सम्पर्क करे
महिला मंडल द्वारा रविवार 6 अक्टुबर 2024
प्रातः 11.15 बजे से भजन * मध्यान् 1 बजे से सायं 5 बजे तक
समाज के बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के गेम्स का आयोजन किया जाएगा (जिसमें 5 साल से 15 साल के बच्चे ही भाग ले सकते है)
: निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ मे सपरिवार भाग लेकर माँ श्री आईजी के दर्शनकर पुण्य का लाभ लेवे एवं कार्यक्रम को सफल बनावे
P Solankey
: निवेदक : कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
: अध्यक्ष : मोहनलाल हाम्बड़ 9948177436
शिक्षा समिति अध्यक्ष: लाबूराम पंवार
सचिव: चेलाराम भायल
: सचिव : नारायणलाल काग 9849722490
महिला मंडल अध्यक्षा: सुशीला देवड़ा
सचिव: निर्मला देवड़ा

श्री गणेशाय नमः || जय माता दी || श्री आईमाताय नमः

सीरवी समाज ट्रस्ट
शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद तेलंगाना
के तत्वावधान में

नवरात्रि महोत्सव
कल गुरुवार 3 अक्टुबर 2024 से शनिवार 12 अक्टुबर 2024 तक

:शुभस्थल: पी.जे.आर. इन्केलेव, श्री आईमाता वडेर, शेरीलिंगमपल्ली, हैदराबाद
: कार्यक्रम :
* मूर्ति स्थापना गुरुवार 3 अक्टुबर 2024 सायं 7.15 बजे
* पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ प्रतिदिन प्रातः 7.15 बजे से 10.15 बजे तक
* गरबा डांडिया कार्यक्रम प्रतिदिन सायं 8.15 बजे से 11.15 बजे तक
(प्रतिदिन भोजन-प्रसाद की व्यवस्था)
* पूर्णाहुति कार्यक्रम शनिवार 12 अक्टुबर प्रातः 7.15 बजे से 11 बजे तक

भजन कार्यक्रम
शनिवार 5 अक्टुबर 2024 रात्रि 8.15 बजे से
: प्रमुख भजन गायिका :
सोनु सिसोदिया, दीपिका राव एंड पार्टी

* मूर्ति विर्सजन शनिवार 12 अक्टुबर 2024 एवं भोजन-प्रसादी की व्यवस्था प्रातः 11.15 बजे से
: नोट : हवन मे बैठने के लिए अपना नाम विनोद गेहलोत से सम्पर्क कर दे सकते है
विशेष: उपरोक्त सभी कार्यक्रमों मे केवल सीरवी समाज बन्धु ही भाग ले सकते है तथा गोवाईल से फोटोग्राफी व विडियोग्राफी करना सख्त मना रहेगा
: निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव मे सपरिवार भाग लेकर माँ श्री आईजी के दर्शनकर पुण्य का लाभ लेवे एवं कार्यक्रम को सफल बनावे
: निवेदक : सीरवी समाज ट्रस्ट शेरीलिंगमपल्ली हैदराबाद तेलंगाना के पदाधिकारी व सदस्यगण
* अध्यक्ष: मनोज चौधरी - 7893900155 *
* सचिव: मांगीलाल सोनपरा - 9441887188 * कोषाध्यक्ष: विनोद गेहलोत - 9000980980
सीरवी समाज ट्रस्ट महिला मंडल
* अध्यक्षा: इन्द्रा गेहलोत * सचिव: गीता देवड़ा * कोषाध्यक्षा: पुष्पा गेहलोत *
P.Solankey

|| श्री आईमाताय नमः || || श्री गणेशाय नमः || || श्री भैरुजी नमः ||

माताजी नवयुवक मंडल के तत्वावधान में
माताजी का भव्य जागरण
शुक्रवार 4 अक्टुबर 2024 रात्रि 9.15 बजे से
डांडिया-गरबा नृत्य सायं 5.30 बजे से 9 बजे तक
: शुभस्थल : श्री कृष्णा गौशाला
नारसिंगी (कोकापेट) हैदराबाद

: भजन सम्राट :
संदीप सेजु एंड पार्टी
* भोजन-प्रसादी सायं 7 बजे से *
: निवेदन : भक्तों से निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या मे पधारकर भजनों व भोजन-प्रसादी का लाभ लेवे
---: निवेदक :---
माताजी नवयुवक मंडल माधापुर, मनिकोन्डा, गच्चीबावली, टोली चौकी, अंजयनगर, दरगा, खाजागुडा, नानकरामगुडा, नारसिंगी, पुपालगुडा, अलकापुर के समस्त सदस्यगण
Mobile No: 9963739313, 8008443388
---: शुभकामनाओं सहित :---
P.Solankey

All Type of Industrial Switch Gear
Shree
SWITCH GEAR
A Quality Products...
BSCIC ISO 9001 REGISTERED
NABCB QM 030
CE
One Time Invest... 20% EXTRA LIFE
ISO 9001:2008 Certified Company

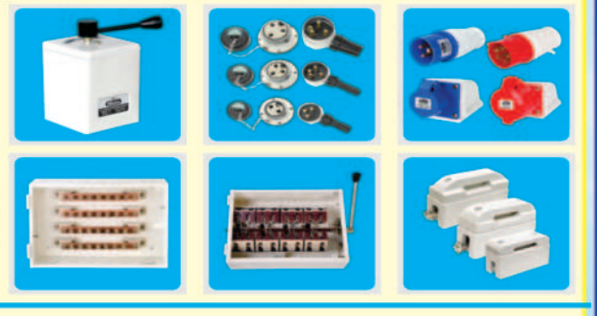

Authorised Distributors :
KHUSHI SALES CORPORATION
HYDERBASTHI, R.P. ROAD, SECUNDERABAD. Mobile No. 99634 30510

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.